राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 ड्रैगन का दोगलापनः भारत की सीमा के पास काउंटी बनाने..... अराघची का दावा- पाक में शांति वार्ता के बीच पीएम..... 12

वर्ष : 16 | अंक : 339 | नई दिल्ली, मंगलवार, 14 अप्रैल, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C

न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां 45%
नहीं 45%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 1,52,099

चांदी 2,92,200

सेंसेक्स 84,233

निफ्टी 25,953

एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह नियंत्रण में, घबराने की जरूरत नहीं : मुख्यमंत्री

●एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति, बुकिंग से अधिक हो रही डिलीवरी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि राजधानी में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर, पर्याप्त और नियंत्रण में है। एलपीजी या किसी भी अन्य ईंधन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट में न आएं और संयम बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने घरेलू एलपीजी की स्थिति पर बताया कि 12 अप्रैल को 1,11,766 बुकिंग दर्ज की गईं, जबकि तीनों ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने मिलकर 1,30,094 सिलेंडरों की डिलीवरी की, जो बुकिंग से काफी अधिक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि लंबित बुकिंग्स को तेजी से निपटाया जा रहा है और आपूर्ति श्रृंखला मजबूत बनी हुई है। वर्तमान में औसत डिलीवरी समय 3.87 दिन है, जो पहले के 4.24 दिनों से घटकर कम हुआ है, जिससे उपभोक्ताओं को समय पर डोरस्टेप डिलीवरी सुनिश्चित हो रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली को प्रतिदिन 6,480 कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों (19 किलोग्राम समकक्ष) का आवंटन किया गया है। इसके मुकाबले पिछले एक सप्ताह में औसत

दैनिक खपत केवल 4,268 सिलेंडर रही है, जिसमें पांच किलोग्राम फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडरों की खपत भी शामिल है। यह स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि वर्तमान में उपलब्धता मांग से अधिक है। मुख्यमंत्री ने सभी कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं, विशेषकर पांच किलोग्राम सिलेंडर उपयोगकताओं से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अनावश्यक चिंता या भंडारण (स्टॉकपाइलिंग) से बचें। पूरे शहर में वितरण व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से कार्य कर रही है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए अगर किसी कमर्शियल उपभोक्ता को एलपीजी सिलेंडर प्राप्त करने में कोई कठिनाई होती है तो वे दिल्ली सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के नियंत्रण कक्ष से 011-23379836 या 8383824659 पर संपर्क कर सकते हैं। यह सुविधा सप्ताह के सभी दिनों में सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक उपलब्ध है। इसके अलावा उपभोक्ताओं को मध्यम और दीर्घकालिक समाधान के रूप में इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकिंग अपनाने के विकल्प पर भी विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, ताकि निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने लोकसभा सदस्यों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा के अपने सदस्यों को व्हिप जारी करते हुए कहा है कि वे आगामी 16 से 18 अप्रैल तक होने वाली सदन की तीन दिवसीय विशेष बैठक में मौजूद रहें तथा पार्टी के रुख का समर्थन करें। कांग्रेस ने आधिकारिक बयान में कहा कि 16 से 18 अप्रैल तक लोकसभा में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार और मतदान होना है, इसलिए सभी सांसदों की उपस्थिति अनिवार्य है। पार्टी ने अपने सदस्यों के लिए यह व्हिप उस वक्त जारी किया है जब सरकार संसद के मौजूदा बजट सत्र के तहत हो रही इस तीन दिवसीय बैठक में महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने से संबंधित संशोधन एवं परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पेश करने की तैयारी में है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का मंगलवार को उद्घाटन, उत्तराखंड दौरे पर रहेंगे पीएम

देहरादून/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को उत्तराखंड दौरे पर रहेंगे। यह दौरा राज्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री इस दौरान बहुप्रतीक्षित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे और टिहरी में 1,000 मेगावाट क्षमता वाले देश के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज संयंत्र का भी लोकार्पण करेंगे। इसे लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस एक्सप्रेसवे का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे: उम्मीदों की उड़ान। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है।

प्रधानमंत्री की उपस्थिति में विज्ञान भवन में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन आयोजित

दुनिया में भारत की पहचान बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका : रेखा गुप्ता

●नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में बोलीं सीएम रेखा गुप्ता: महिलाएं अब निर्णय लेने की प्रक्रिया का मुख्य हिस्सा

●प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला गरिमा और सुरक्षा सर्वोपरि: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित ह्यनारी शक्ति वंदन सम्मेलनह्ल में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश की तरक्की, विकास और दुनिया में भारत की पहचान बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बनाई गई दूरदर्शी नीतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया और उनका धन्यवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने भारतीय महिलाओं के ऐतिहासिक संघर्ष को रेखांकित करते हुए कहा कि सती प्रथा, बाल विवाह, अशिक्षा और कन्या भ्रूण हत्या जैसी गंभीर सामाजिक चुनौतियों को पार कर आज की नारी ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। एक दौर था जब बेटियों के अस्तित्व पर संकट था, लेकिन आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ से कहीं आगे बढ़कर बेटी बढ़ाओ के युग में प्रवेश कर चुका है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वर्ष 2014 के बाद आए बदलावों पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकार की हर योजना के केंद्र में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को रखा गया है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के तहत बने शौचालयों, उज्ज्वला योजना से मिली धुआं-मुक्त रसोई और जनधन खातों के जरिए मिली आर्थिक स्वतंत्रता को महिला गरिमा के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि आज देश की बेटियां न केवल शिक्षा और पोषण में आगे हैं, बल्कि सेना में फाइटर जेट उड़ाकर देश की सीमाओं की रक्षा भी कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय सुषमा स्वराज और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं को विदेश और वित्त मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण दायित्व सौंपकर यह सिद्ध कर दिया है कि साहस और निर्णय क्षमता किसी एक लिंग तक सीमित नहीं है। उन्होंने ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्ल को ऐतिहासिक बताते हुए ने कहा कि विधानसभा और संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान केवल विधायी सुधार नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने वाला कदम है। यह देश की लगभग 70 करोड़ महिलाओं के लिए सशक्त नेतृत्व का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने आह्वान किया कि सभी महिलाएं 9667173333 पर मिस्ड कॉल देकर इस अभियान का हिस्सा बनें और ह्यवूमेन-लेड डेवलपमेंटह्ल (महिला नेतृत्व वाले विकास) के संकल्प को मजबूत करें। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर सहित देश भर से आई नारी शक्ति उपस्थित थीं।

पश्चिम बंगाल बमों का जवाब वोटों से देगा बनेगी डबल इंजन वाली सरकार: शाह

प्रात: किरण, एजेंसी

मयूरेश्वर (पश्चिम बंगाल)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता बमों का जवाब वोटों से देगी और विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन वाली सरकार बनेगी। बीरभूम जिले के मयूरेश्वर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य के बहुसंख्यक समुदाय को डराने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राज्य और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने का है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने राज्य में पर्याप्त केंद्रीय बल भेजे हैं। शाह ने कहा, तृणमूल कांग्रेस के गुंडे चुनाव के दिन घर पर ही रहें, अन्यथा चार मई के बाद उन्हें जेल भेज दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार के हर मामले में टीएमसी का नाम दिखाता है : शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान टीएमसी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में जितने भी बड़े भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं, उनमें कहीं न कहीं टीएमसी नेताओं की भूमिका रही है। बीरभूम जिले के बोलपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, कैश-फॉर-क्वेरी से लेकर कैश-फॉर-जॉब, मवेशी तस्करी से लेकर कोयला तस्करी, पीडीएस घोटाले से लेकर अवैध जमीन कब्जाने तक, आप किसी भी भ्रष्टाचार का नाम ले लीजिए, हर जगह टीएमसी नेताओं के निशान मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इस कुशासन से जनता परेशान हो चुकी है और अब विधानसभा चुनाव के जरिए बदलाव लाने के लिए तैयार है। अमित शाह ने अपने भाषण में यह भी दोहराया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो राज्य में हर हाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। उन्होंने कहा, हम उस व्यवस्था को खत्म करेंगे, जिसमें कुछ लोग एक साथ चार-चार शादियां करते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद वे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को रात में बाहर न निकलने की सलाह दी जाती है। गृह मंत्री ने भरोसा दिलाया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो महिलाएं रात 1 बजे भी सुरक्षित तरीके से दोपहिया वाहन से निकल सकेंगी। उन्होंने कहा, आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाएं, कासबा लॉ कॉलेज और दुर्गापुर मेडिकल कॉलेज में हुए अपराध दोबारा नहीं होंगे।

बायोमेट्रिक मतदाता सत्यापन की मांग वाली याचिका पर जारी नोटिस

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) और सभी राज्यों को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में चुनावी धांधलियों को रोकने के लिए मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की फिंगरप्रिंट और आइरिस-आधारित बायोमेट्रिक पहचान लागू करने की मांग की गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि याचिका में की गई मांग पर कुछ राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए विचार नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान, पीठ ने टिप्पणी की कि इस तरह की व्यवस्था को लागू करने के लिए नियमों में बड़े बदलाव की आवश्यकता होगी और इससे भारी वित्तीय बोझ पड़ेगा। वकील अश्विनी उपाध्याय की ओर से दायर याचिका में तर्क दिया गया कि मतदान केंद्रों पर फिंगरप्रिंट और आइरिस बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से रिश्वतखोरी, अनुचित प्रभाव, प्रतिरूपण (किसी और की जगह वोट डालना), दोहरी वोटिंग, फर्जी वोटिंग और अन्य चुनावी धांधलियों को रोकने में मदद मिलेगी। इसमें कहा गया कि आयोग की ओर से उठाए गए विभिन्न कदमों के बावजूद, चुनावी धोखाधड़ी की घटनाएं अभी भी जारी हैं, जिससे प्रक्रिया में जनता का विश्वास कम हो रहा है। याचिका में कहा गया, नागरिकों को होने वाली क्षति बहुत बड़ी है, क्योंकि रिश्वतखोरी, अनुचित प्रभाव, प्रतिरूपण, दोहरी वोटिंग और फर्जी वोटिंग अभी भी चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता और अखंडता को प्रभावित करते हैं। याचिकाकर्ता के अनुसार, मतदान केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन अपनाने से यह सुनिश्चित होगा।

दिल्ली विधानसभा को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, मेल में लिखा - 'हमने 15 विस्फोटक लगाए हैं'

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा को सोमवार को एक बार फिर बम ब्लास्ट की धमकी मिली है। सोमवार को दिल्ली विधानसभा के ईमेल पर भेजे गए मेल में 3 घंटे के भीतर दिल्ली विधानसभा के कार्यालय को उड़ाने की धमकी दी गई है। मेल में लिखा है कि तीन घंटे के भीतर आपकी दिल्ली विधानसभा के कार्यालयों में साइनाइड गैस से भरे 15 आरडीएक्स बम धमाके करेंगे। केवल सभी मुस्लिम कर्मचारियों को ही वहां से तुरंत हटा लिया जाए। बता दें कि इससे पहले 25 मार्च को भी एक बजकर 40 मिनट पर धमाके करने की बात कही गई थी। भेजे गए ईमेल में लिखा था कि 15 आरडीएक्स आईईडी विधानसभा में लगाए गए हैं। यह भी कहा गया है कि तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिलबालाजी और जाफर सादिक के खिलाफ सीबीआई का मामला वापस लें। मेल में लिखा गया है कि हम कोयंबटूर के मुसलमान हैं, जिन्हें एक कड़वी सच्चाई का पता चला है। - दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की तीसरी धमकी दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की यह तीसरी धमकी है। ई मेल में लिखा गया है कि उदयनिधि के चालाक परिवार ने हमें 'वोट बैंक' की तरह इस्तेमाल किया और हमें बचाने के बहाने सजा दी। हमारे जिन नेताओं ने पिछले चुनाव में डीएमके का समर्थन किया था, उन सभी को अब उसी उदयनिधि ने यूएपीए के तहत गिरफ्तार करवा दिया है, जिसका हमने समर्थन किया था। जब हमने उनकी पोल खोलने की कोशिश की तो तमिलनाडु के मीडिया संस्थानों ने हमें रोक दिया। इसलिए हम एआईएडीएमके के पास आए, लेकिन आपने भी हमें निराश किया।दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले को सुलझाने के लिए दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कमिश्नर का ध्यान पिछले कुछ हफ़्तों में विधानसभा की आधिकारिक ईमेल आईडी के साथ-साथ अपनी निजी

पिछले ग्यारह वर्षों में भारत में खेल का एक नया युग शुरू हुआ.....

खेलो इंडिया ने भारत के पारंपरिक खेलों की प्रतिष्ठा बढ़ाई : राजनाथ सिंह

प्रात: किरण, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के के.डी.सिंह बाबू स्टेडियम में सोमवार को आयोजित सांसद खेल महाकुम्भ को संबोधित करते हुए देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि खेलो इंडिया ने भारत के पारंपरिक खेलों की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। गटका, मल्लखंब, थांग-टा, कलरीपयट्टू और योगासन जैसी विभिन्न विधाओं को प्रोत्साहित करने के लिए भी सरकार स्कॉलरशिप्स दे रही है। उन्होंने कहा कि आज देशभर में 1000 खेलो इंडिया सेंटर्स की भी स्थापना की जा रही है। करीब 2 दर्जन नेशनल सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस भी खोले गए हैं। इन सेंटर्स पर प्रदर्शन को सुधारने के लिए ट्रेनिंग और स्पोर्ट्स साइंस सपोर्ट दिया जा रहा है। रक्षामंत्री ने कहा कि अब राज्यों में भी स्पोर्ट्स स्पेशलाइज्ड हायर एजुकेशन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें उत्तर प्रदेश बहुत प्रशंसनीय काम कर रहा है। मेरठ में मेजर ध्यान चंद खेल विश्वविद्यालय का उदाहरण हमारे सामने है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्पोर्ट्स को एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है। देश की पहली राष्ट्रीय खेल यूनिवर्सिटी के निर्माण से इसमें और मदद मिलेगी। खेलो इंडिया प्रोग्राम से एक और उत्साहजनक परिणाम हमारी बेटियों की भागीदारी को लेकर आया है। देश के अनेक शहरों में खेलो इंडिया वीमेन्स लीग का आयोजन किया जा रहा है। इनमें महिलाओं की भागीदारी काफी अधिक है। रक्षामंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हमारे खिलाड़ियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। ये दिखाता है कि भारत के हमारे युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास आज कितना बुलंद है। आज गांवों के पास भी आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। देश के दूर-सुदूर में भी अब बेहतर मैदान, आधुनिक स्टेडियम, आधुनिक ट्रेनिंग फैसिलिटी बनाई जा रही हैं। यूपी में भी स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट्स पर हजारों करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि खेलो इंडिया अभियान के तहत हमारी सरकार स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर करीब-करीब पाँच हजार करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। बढ़ते हुए स्पोर्ट्स इंफ्रा की वजह से अब ज्यादा खिलाड़ियों के लिए खेल से जुड़ना आसान हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार, आज खेल और खिलाड़ियों से जुड़ी समस्याओं का भी समाधान कर रही है। पिछले ग्यारह वर्षों में भारत में खेल का एक नया युग शुरू हुआ है। ये नया युग विश्व में भारत को सिर्फ एक बड़ी खेल शक्ति बनाने भर का ही नहीं है। बल्कि ये खेल के माध्यम से समाज के सशक्तिकरण का भी नया दौर है। रक्षामंत्री ने कहा कि भारत में पिछले दस-बारह वर्षों में खेलों को लेकर माहौल काफी बदला है। अब भारत बड़े-बड़े स्पोर्टिंग इवेंट्स में अपनी एक अलग पहचान बनाने में सफल साबित हो रहा है। महत्वपूर्ण है कि समाज में खेल और खिलाड़ियों के महत्व को न केवल समझा जाये बल्कि उन्हें फलने-फूलने का पूरा अवसर भी दिया जाये। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, खेल मंत्री गिरीश यादव, सांसद राज्यसभा संजय सेठ, महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व मंत्री डा.महेन्द्र सिंह, एमएलसी रामचन्द्र प्रधान, अवनीश पटेल व विधायक डा.नीरज बोरा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी, हम डरेंगे नहीं: राहुल गांधी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां पर लगाए गए आरोपों के बाद दर्ज हुई एफआईआर मामले में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने कहा कि हम डरेंगे नहीं। कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में असम के मुख्यमंत्री को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया। उन्होंने कहा कि सरमा अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए अपनी मुख्यमंत्री की सरकारी ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। यह संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री की पत्नी पर जो आरोप लगाए हैं, उनकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने सरकार संचालन में पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा कि पारदर्शिता, सत्ता की जवाबदेही और कानून का राज संवैधानिक मूल्यों का आधार है।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में सुचारू यातायात आवागमन को लेकर संयुक्त बैठक आयोजित

बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक ने की

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्रवेश और निकास पॉइंट पर विशेष रूप से अजमेरी गेट की तरफ सुचारू यातायात आवागमन सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की गई। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय नई दिल्ली में दिल्ली मंडल, दिल्ली यातायात पुलिस, दिल्ली नगर निगम, जी.आर.पी. और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों के बीच एक संयुक्त बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता पुष्पेश रमण त्रिपाठी, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली ने की। बैठक के दौरान स्टेशन क्षेत्र के अंदर और आसपास वाहनों और पैदल चलने वालों की आवाजाही को व्यवस्थित करने तथा समग्र यातायात प्रबंधन में सुधार लाने के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच विस्तृत चर्चा हुई। इसका मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली रेलवे स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों और आम जनता के लिए बाधा-मुक्त आवागमन सुनिश्चित करना था। बैठक में आशुतोष पांडेय (वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त/दिल्ली मंडल), निशांत गुप्ता (डी.सी.पी. यातायात, दिल्ली यातायात पुलिस), ऋषि कुमार (अतिरिक्त डी.सी.पी-1, मध्य जिला), संजय कुमार (प्रशासनिक अधिकारी, दिल्ली नगर निगम), संजय भारद्वाज (ए.सी.पी./जी.आर.पी.), तथा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। यह निर्णय लिया गया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट की तरफ के प्रवेश और निकास पॉइंट पर अवैध विक्रेताओं और यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। सभी संबंधित एजेंसियां आपस में समन्वय स्थापित कर कार्य करेंगी और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगी कि स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों तथा आम जनता के लिए आवागमन सुचारू, व्यवस्थित और बाधा-मुक्त बना रहे। इस बात की जानकारी उत्तर रेलवे के मुख्य जन संपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने दी।

कोटद्वार में भीषण आग से तीन दुकानें जलकर राख, फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में छूटे पसीने

पौड़ी, एजेंसी। जनपद के कोटद्वार नगर के मालगोदाम रोड स्थित लकड़ी पड़ाव क्षेत्र में भीषण आग लगने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में आसपास की तीन लकड़ी की दुकानें इसकी चपेट में आ गईं और देखते ही देखते पूरा इलाका धुएं और आग की लपटों से घिर गया घटना की सूचना मिलते ही कोटद्वार फायर सर्विस, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और आग पर बमुश्किल काबू पाया.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग अचानक भड़की और लकड़ी व अन्य ज्वलनशील सामग्री की अधिकता के कारण तेजी से फैलती चली गई. दुकानों में रखा कीमती लकड़ी का सामान, फर्नीचर और अन्य सामग्री आग की भेंट चढ़ गई. घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि शुरुआती प्रयास नाकाफी साबित हुए.

घटना की सूचना मिलते ही कोटद्वार फायर सर्विस, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. आग की भयावहता को देखते हुए नजीबाबाद फायर

सर्विस और आर्मी फायर सर्विस की मदद भी ली गई. कुल 12 फायर टेंडरों को मौके पर तैनात किया गया, जिन्होंने संयुक्त रूप से आग पर काबू पाने के लिए पानी की बौछार की.

कोतवाली प्रभारी प्रदीप नेगी ने बताया कि दमकल कर्मियों को आग पर नियंत्रण पाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, क्योंकि लकड़ी के गोदाम में आग तेजी से फैल रही थी और लपटें लगातार ऊंची उठ रही थी. आग के आसपास रिहायशी क्षेत्र होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई थी.

एहतियातन आसपास के घरों और दुकानों को खाली कराकर सुरक्षा घेरा बनाया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि न हो.लगातार कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया और एक बड़े हादसे को टाल दिया. यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता, तो यह आग आसपास के रिहायशी इलाकों में भी फैल सकती थी, जिससे भारी जनहानि होने की आशंका थी. इस भीषण अग्निकांड में दुकानदारों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है. उनकी वर्षों की मेहनत से जुटाई गई पूंजी और कीमती सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया. आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है. फिलहाल पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन कर रही है और आग लगने के सटीक कारणों की पड़ताल जारी है. प्रशासन ने प्रभावित व्यापारियों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है. सूरज कांति प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि आग अचानक लगी और बहुत तेजी से फैल गई. कुछ ही मिनटों में पूरा गोदाम आग की चपेट में आ गया. दमकल की टीमें समय पर पहुंचीं, नहीं तो आग आसपास के मकानों तक पहुंच सकती थी.

व्यापारियों ने अधिकारियों को कमरे में बनाया बंधक, एडीबी के कार्यों में लापरवाही से नाराज

टिहरी , एजेंसी। बौराड़ी उद्योग व्यापार मंडल ने एडीबी की ओर से कराए जा रहे कार्यों के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। कार्यों में लापरवाही पर अधिकारियों को कमरे में बंधक बनाया। व्यापारियों ने कहा कि एडीबी गैस गोदाम मार्केट में अधूरे पड़े कार्य पूरा होने का दावा कर गुमराह कर रहा है। उन्होंने कहा कि वहां सभी कार्य पूरा होने के बाद ही बाजार खोला जाएगा। उद्योग व्यापार मंडल ने एडीबी के परियोजना प्रबंधन को दिए ज्ञापन में कहा कि साइट इंजीनियर और ठेकेदार ओपर थियेटर मार्केट में कराए जा रहे विकास कार्यों के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। कई बार अवगत कराने के बाद भी कोई सुधार नहीं किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दो किशोर पर प्राथमिकी दर्ज

रूद्रपुर, एजेंसी। 12 साल की बालिका से सामूहिक दुष्कर्म मामले में कोतवाली पुलिस ने किशोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। किशोरों पर आरोप है कि उन्होंने बालिका को कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया था। बीते बृहस्पतिवार को कोतवाली पहुंचे एक दंपती ने आरोप लगाया था कि वह रुद्रपुर में किराये पर रहते हैं। बीते बुधवार रात करीब 11 बजे उसकी नौ वर्षीय पुत्री बाथरूम गई थी। आरोप है कि उसी मकान में किराये पर रहने वाले परिवार का किशोर और उसके दोस्त ने पुत्री को कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पुत्री परेशान रहने लगी और जब उन्होंने उससे पूछा तो उसने आपबीती बताई। पुलिस ने छात्रा को मेडिकल करवाने के बाद दोनों किशोरों पर पॉक्सो और छेड़छाड़ की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर पॉक्सो की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले का जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

सीएम को क्षेत्र की समस्याओं से कराया अवगत

जसपुर, एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. यूनुस चौधरी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और उनके समाधान की मांग की। बीते दिन डॉ. चौधरी अपने साथियों के साथ खटीमा पहुंचे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पटका पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास को लेकर युवाओं के लिए खेल स्टेडियम निर्माण, रोडवेज बस अड्डा, पॉलीटेक्निक कॉलेज सहित कई मांगे प्रमुखता से उठाई। सीएम ने सभी पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस दौरान आसिफ चौधरी, नईम अहमद, शाहरुख, शाहनवाज आदि शामिल रहे।

उच्च शिक्षा निदेशक ने किया छात्रों को सम्मानित

रुद्रपुर, एजेंसी। सरदार भगत सिंह पीजी कॉलेज में आयोजित व्याख्यान व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में पहुंचे उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. विश्वनाथ खाली ने छात्रों को सम्मानित किया। शनिवार को प्राचार्य प्रो. अवधेश नारायण सिंह की अध्यक्षता में कॉलेज में अंग्रेजी विभाग के साहित्यिक परिषद की ओर से आमंत्रित व्याख्यान व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रो. विश्वनाथ खाली ने अंग्रेजी कवि जॉन कीट्स के साहित्य का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं सत्य और सौंदर्य के इर्द-गिर्द केंद्रित हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा के विकास के लिए पारंपरिक भारतीय शिक्षा पद्धति और आधुनिक नवाचार के समन्वय पर जोर दिया। कहा कि अंग्रेजी भाषा अब वैश्विक संपदा बन चुकी है जिस पर हर देश और नागरिक का समान अधिकार है। कार्यक्रम में वर्षभर की सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रो. मनोज पांडे, प्रो. सर्वजीत सिंह समेत कई शिक्षक मौजूद रहे।

नैनीताल में स्कूल से घर लौट रही 10वीं की छात्रा हुई लापता, दिल्ली में ट्रेस हुई लोकेशन

नैनीताल, एजेंसी। लालकुआं कोतवाली क्षेत्र में 10वीं कक्षा की एक छात्रा के रहस्यमयी ढंग से लापता होने से हड़कंप मच गया. स्कूल से घर लौटते समय झाड़ियों में उसकी ड्रेस मिलने से मामला और गंभीर हो गया. जिसके बाद पुलिस, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड मामले की जांच शुरू की. वहीं, छात्रा की लोकेशन दिल्ली में मिली है. स्कूल से लौट रही छात्रा रास्ते से हुई गायबः दरअसल, लालकुआं के मोटाहल्दू क्षेत्र में स्कूल से घर लौट रही 10वीं की छात्रा रास्ते से गायब हो गई. काफी वक्त बाद भी जब वो घर नहीं लौटी तो परिजनों से उसकी तलाश की. इस दौरान उसके कपड़े रास्ते किनारे झाड़ियों में मिले. जिसके बाद परिजनों ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी. सूचना मिलते ही लालकुआं कोतवाली पुलिस व सीओ मौके पर पहुंचे और नाबालिग की तलाश शुरू की. घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को लगाया गया. सड़क किनारे झाड़ियों में मिले कपड़ेः जानकारी के मुताबिक, कक्षा 10वीं की छात्रा रोजाना की तरह सुबह स्कूल गई हुई थी, लेकिन छुट्टी के बाद वो घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की. काफी तलाश करने के बाद उसके कपड़े सड़क किनारे झाड़ियों में मिले. ऐसे में परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका सताने लगी. सूचना पर कोतवाली पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड और सीसीटीवी फुटेज के जरिए छात्रा के आखिरी मूवमेंट को ट्रेस किया गया. दिल्ली में ट्रेस हुए छात्राः वहीं, 5 घंटे में 50 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद लापता छात्रा को दिल्ली में ट्रेस किया गया है.

अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान

ऋषिकेश, एजेंसी। शहीद भगत सिंह तिराहे पर शनिवार को अखिल भारतीय किसान सभा की 90वीं वर्षगांठ उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित सभा में किसानों को संबोधित करते हुए नेताओं ने संगठन की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम का मुख्य स्वर एकजुटता और संघर्ष रहा। किसानों से एकजुट होने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया गया। डोईवाला मंडल इकाई की ओर से आयोजित कार्यक्रम में किसान सभा के केंद्रीय कमेटी के सदस्य गंगाधर नौटियाल ने कहा कि किसान सभा के देशभर में डेढ़ करोड़ सदस्य हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के उत्तराखंड दौरे पर कांग्रेस हमलावर

देहरादून, एजेंसी। मसूरी में कार्यकर्ताओं सम्मेलन में भाग लेने के बाद उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा सुभाष रोड स्थित गुरु नानक वेडिंग पॉइंट पहुंची. जहां उन्होंने पछुवादून, परवादून में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित किया. इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराखंड दौरे पर निशाना साधा है. कहा कि हाल ही में हुए कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ और जोश ने साबित कर दिया है कि उत्तराखंड की जनता अब बदलाव चाहती है.

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को अपने एक दिवसीय दौरे पर देहरादून आ रहे हैं. इस दौरान प्रधानमंत्री दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे का शुभारंभ करने के साथ ही देहरादून के गढीं कैंट स्थित महिंद्रा ग्राउंड में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे. उनके दौरे पर सांसद व उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा कि हमेशा देखा गया है कि जब भी किसी राज्य में चुनाव आता है, तब चुनाव से पहले

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधे कच्चे आधे पक्के प्रोग्राम्स के साथ वहां पहुंच जाते हैं. उसके बाद उद्घाटनों का सिलसिला भी शुरू हो जाता है.

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की जनता को डबल इंजन की सरकार से बड़ी उम्मीदें थी. लेकिन डबल इंजन की सरकार से उत्तराखंड के निवासियों को कोई लाभ नहीं मिल पाया. बल्कि इसके विपरीत डबल इंजन की सरकार ने उत्तराखंड में बाहर के ऐसे लोगों को संरक्षण दिया और काम दिया. उसका कोई भी फायदा उत्तराखंड की जनता को नहीं हुआ. यहां के युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल पाये और युवाओं व लोगों को कोई काम करने का भी फायदा नहीं मिल रहा है. उन्होंने कहा कि हालात ऐसे हैं कि यहां के युवा पलायन करने को मजबूर हैं.

उन्होंने इस दौरान पलायन ,बेरोजगारी पर भी सरकार को घेरा है. कमारी शैलजा का कहना है कि हाल ही में हुए कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ और जोश ने साबित कर दिया है कि उत्तराखंड की जनता अब बदलाव चाहती है. उन्होंने कहा अभी तो यह शुरुआत है और हमने पूरे प्रदेश का दौरा करने की रणनीति बनाई है. ताकि कांग्रेस पार्टी को चुनाव में पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतारा जा सके. बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी के उत्तराखंड दौरे को लेकर शासन-प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं और शासन प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है. कार्यक्रम स्थल और सुरक्षा व्यवस्थाओं को पुख्ता किया जा रहा है.

गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व का संदेश दिया

ऋषिकेश, एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर

पर एसआरएचयू के हिमालयन कॉलेज ऑफ नर्सिंग जौलीग्रांट की ओर से एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें गर्भवतियों को सुरक्षित मातृत्व का संदेश दिया गया। मातृ स्वास्थ्य पर निरंतर ध्यान थीम के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका ने कहा कि मां और शिशु का स्वास्थ्य सर्वोपरि है। गर्भवतियों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और समय पर चिकित्सकीय परामर्श जरूरी है। बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने एनीमिया की रोकथाम, प्रसव पूर्व देखभाल और पोषण जैसे विषयों पर पोस्टर प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी के माध्यम से उपस्थित महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। हिमालयन कॉलेज ऑफ नर्सिंग प्रधानाचार्य डॉ. संचिता पुगाजंडी ने कहा कि सही जानकारी और समय पर उपचार से गर्भावस्था के दौरान होने वाली कई गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। नर्सिंग विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से गर्भावस्था के संकेत, सावधानियां और संभावित जटिलताओं की जानकारी दी। गर्भवतियों के लिए एक रोचक क्विज भी आयोजित की गई। जिसमें सही उत्तर देने वालों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। डॉ. कंचन बाला, उपमा जॉर्ज, चारु सैनी आदि उपस्थित रहे।

एससी-एसटी एक्ट में तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज, दो गिरफ्तार, रिवॉल्वर दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी

चमोली, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली जिले से दबंगई दिखाने का मामला सामने आया है. यहां पोखरी थाना क्षेत्र में एक साधारण कहासुनी ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब भूमि विवाद के चलते विवादित पक्षों के बीच मारपीट और फायरिंग की हो गई. इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है.

पीड़ित पक्ष ने आरोपियों पर जाति सूचक शब्द बोलने का भी लगाया आरोपः जानकारी के अनुसार दिनेश सिंह निवासी ग्राम नखोलियाना द्वारा थाना पोखरी में तहरीर दी गयी थी. तहरीर में उन्होंने बताया कि राजेंद्र सिंह असवाल, दीपेंद्र असवाल व पार्वती देवी निवासी पोखरी द्वारा उनकी पत्नी व भाई के साथ मारपीट की गई व जान से मारने की धमकी दी गई. इतना ही नहीं आरोपियों ने जाति सूचक शब्दों का भी इस्तेमाल कर उन्हें अपमानित किया.

दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से भूमि विवाद चल रहाः मामले को लेकर पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में सामने आया कि दोनों पक्षों के बीच पूर्व से ही भूमि विवाद चल रहा था. इसी दौरान कल शुक्रवार को कहासुनी हुई थी. इस दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी राजेंद्र सिंह असवाल ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग कर दी, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया.

पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तारः वहीं, घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना पोखरी पर धारा 109(1)/115/117/351/352 भारतीय न्याय संहिता, एससी/एसटी एक्ट व 25/27 शस्त्र अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था. आज पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त राजेंद्र सिंह असवाल व दीपेंद्र असवाल को गिरफ्तार कर लिया गया. आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया.

चमोली पुलिस की चेतावनीः पुलिस ने कहा कि कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी. वहीं पुलिस ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपसी विवादों को कानून के दायरे में रहते हुए सुलझाएं व किसी भी प्रकार की हिंसा या अवैध कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

साइबर ठगों ने निवेश का झांसा देकर महिला से 69 लाख रुपए की ठगी, पड़ताल में जुटी पुलिस

देहरादून, एजेंसी। साइबर ठगों ने निवेश का झांसा देकर देहरादून की एक महिला से 69 लाख रुपए की ठगी कर डाली. महिला ने फेसबुक पर एक निवेश का विज्ञापन देखा और अधिक लाभ कमाने के लालच में रकम लगा दी, महिला ने यह रकम अपने खाते और अपने पति के खाते समेत लोन और कर्ज लेकर साइबर ठगों के खातों में ट्रांसफर किए. महिला की शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है. एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने कहा कि जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके बाद सख्त एक्शन लिया जाएगा. राजपुर रोड निवासी महिला ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि वह एक ग्रहणी है और उनके पति आईटी सेक्टर में नौकरी करते हैं. 10 फरवरी को पीड़िता ने फेसबुक पर आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड पर एक इन्वेस्टमेंट से संबंधित विज्ञापन देखा था. विज्ञापन में धनराशि लगाकर अधिक लाभ कमाने के लिए बताया जा रहा था. उसके बाद पीड़िता ने लिंक खोला,उसमें एक मोबाइल नंबर दिखाई दिया, जोकि कावेरी मल्होत्रा का था.

पीड़िता ने दिए गए नंबर पर मैसेज भेजा,जिसके बाद उन्हें निवेश संबंधी जानकारी दी गई और एक फॉर्म भराया गया. जिसके बाद पीड़िता को एक व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया. कावेरी नाम की महिला ने पीड़िता को एक आईडी दी और पासवर्ड दिया. 17 फरवरी को पीड़िता ने 50 हजार रुपए का निवेश किया और यह धनराशि उन्हें एआर ऑफिशियल की पेज पर दिखाई देने लगी. उसके बाद कावेरी मल्होत्रा ने पीड़िता को बताया कि यदि आप अधिक धनराशि निवेश करती है तो अधिक मुनाफा होगा. 25 मार्च तक पीड़िता ने अपने और अपने पति के खाते से सहित लोन और कर्ज लेकर 69 लाख रुपए जमा कर दिए. लेकिन जब पीड़िता ने कुछ धनराशि निकालने के लिए आवेदन किया तो उनसे 50 लाख रुपए की सिक्योरिटी धनराशि मांगी गई. पीड़िता को ठगी का एहसास होने के बाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया है कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है. साथ ही पीड़िता द्वारा जिन खातों में धनराशि ट्रांसफर की गई है उन खातों की जांच की जा रही है.

हरिद्वार में युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से मचा हड़कंप, पड़ताल में जुटी पुलिस

हरिद्वार, एजेंसी। कनखल क्षेत्र में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी मच गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि शव के पास से नशे में इस्तेमाल होने वाले कई इंजेक्शन बरामद हुए हैं और प्राथमिक जांच में नशे की ओवरडोज के चलते मौत की आशंका जताई जा रही है. मृतक की पहचान सर्व प्रिया विहार, सतीकुंड निवासी के रूप में हुई है. स्थानीय लोगों ने सतीकुंड के पास एक बाग में युवक को संदिग्ध हालत में पड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शाम को युवक अपने दोस्त

के साथ था. दोनों ने पहले गांजे की बीड़ी पी थी. इसके बाद मृतक दोस्त की स्कूटी लेकर वहां से चला गया, लेकिन रात तक घर नहीं लौटा. शनिवार सुबह जब दोस्त के स्कूटी के बारे में पूछताछ हुई तो वह युवक को तलाशने निकला. इसी दौरान सतीकुंड के पास सड़क किनारे स्कूटी खड़ी मिली और पास के झाड़ियों में अंदर जाकर देखा तो युवक मृत अवस्था में पड़ा था. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घटनास्थल से कई इंजेक्शन बरामद किए हैं, जिनके बारे में आशंका जताई जा रही है कि उनका इस्तेमाल नशे के लिए किया गया होगा. वहीं घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और हर कोई बाग की तरफ दौड़ पड़ा. उधर पुलिस का मानना है कि प्रथम दृष्टया मामला नशे की ओवरडोज से मौत का प्रतीत हो रहा है, हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा. बताया जा रहा है कि मृतक शादीशुदा था और उसके दो छोटे बच्चे हैं. घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है. पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है.कनखल थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि शव पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों की असली वजह चल पाएगी और उस के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल मृतक के दोस्तों और परिचितों से पूछताछ कर उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है.

मिलन चौक पर बनाया गेट अब राहगीरों को मिलेगी राहत

अल्मोड़ा, एजेंसी। शहर के लाला बाजार में वाहनों के आवाजाही से हो रही लोगों की परेशानी को देखते हुए नगर निगम ने एक ठोस कदम उठाया है। निगम ने मिलन चौक में 2.47 लाख में नया गेट बनाकर लोगों को राहत दी है। शहर के ऐतिहासिक लाला बाजार में वाहनों की आवाजाही परेशानी का सबब रहा है। कई बार लोगों ने वाहनों की आवाजाही बंद करने की नगम प्रशासन से मांग की थी। इसके निराकरण के लिए निगम ने मिलन चौक में एक नया गेट बनाया है।

ऑस्ट्रेलिया में विश्व हिंदी परिषद की सशक्त उपस्थिति दर्ज

ब्रिस्बेन में अंतरराष्ट्रीय साहित्य चौपाल का आयोजन, विश्व हिंदी उत्सव में दुनिया भर के हिंदी लेखकों की जुटान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली /ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया) । ब्रिस्बेन ऑस्ट्रेलिया में हिन्दी भाषा और साहित्य को समर्पित एक उल्लेखनीय अवसर उस समय साकार हुआ, जब विश्व हिन्दी परिषद के तत्वावधान में प्रथम अंतरराष्ट्रीय साहित्य चौपाल का भव्य आयोजन किया गया। इस सफल आयोजन के पीछे परिषद की ऑस्ट्रेलिया अध्यक्ष मधु खन्ना का सशक्त नेतृत्व और प्रभावी समन्वय रहा, जिनके प्रयासों से कार्यक्रम को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली। उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और निरंतर सक्रियता ने विभिन्न देशों के हिन्दी साहित्यकारों को एक मंच पर जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के मार्गदर्शन में विश्व हिन्दी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ विपिन कुमार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। साथ ही, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी पी मिश्र एवं राष्ट्रीय संपर्क समन्वयक डॉ नंद किशोर शाह का सहयोग भी उल्लेखनीय रहा, जिन्होंने विभिन्न देशों के हिन्दी विद्वानों को जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह गरिमामय कार्यक्रम ब्रिस्बेन के प्रतिष्ठित एम्पोरियम होटल में आयोजित हुआ, जिसमें भारत सहित विश्व के अनेक देशों से हिन्दी साहित्यकारों और विद्वानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा अस्तित्वः संघर्ष में जीत पुस्तक का विमोचन, जिसे ब्रिस्बेन में भारत के कार्यवाहक कौंसुल जनरल सुशील कुमार गोयल द्वारा औपचारिक रूप से जारी किया गया। सुशील कुमार गोयल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की प्रतिष्ठा को और बढ़ा दिया। इस अंतरराष्ट्रीय साहित्य चौपाल में ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न प्रांतों के साथ-साथ न्यूजीलैंड, जर्मनी, इंग्लैंड, अमेरिका, जापान और भारत से हिन्दी विद्वानों को आमंत्रित किया गया। अनेक प्रतिभागी आभासी माध्यम से सिडनी, पर्थ और मेलबर्न से जुड़े, जबकि ब्रिस्बेन और आसपास के क्षेत्रों से 22 कवि और साहित्यकार स्वयं उपस्थित हुए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिन साहित्यकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, उनमें अर्चना गोयल (ऑस्ट्रेलिया), हर्षिता सोम (क्वींसलैंड विश्वविद्यालय), पूजा भारद्वाज (पर्थ), डॉ. भावना कुँवर (सिडनी), डॉ. सपना कपूर (जर्मनी), डॉ. शलभ कुमार (जापान), डॉ. किशोर मिश्रा (ब्रिस्बेन), कादम्बरी आदेश (फ्लोरिडा, अमेरिका), डॉ. रंजीत शर्मा (स्लफ, इंग्लैंड), सौम्या प्रधान (ब्रिस्बेन), डॉ. मृदुल कीर्ति (जॉर्जिया, अमेरिका), राशि सक्सेना (ऑस्ट्रेलिया), पंकज अग्रवाल (समाज ऑस्ट्रेलिया), डॉ. संगीता बनाफर (लखनऊ), दुर्वा तिवारी (ब्रिस्बेन), डॉ. मेनका त्रिपाठी (हरिद्वार), डॉ. बृज राज पांडे (ऐस्प्ली, ऑस्ट्रेलिया), डॉ. वेद व्यथित (उत्तर प्रदेश, भारत) तथा स्वयं आयोजन की अगुवाई कर रहीं मधु खन्ना (ब्रिस्बेन/गोल्ड कोस्ट) प्रमुख रूप से शामिल रहीं। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को विश्व हिन्दी परिषद के चिन्ह सहित प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिससे उनका उत्साह और भी बढ़ा। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण यह भी रहा कि ब्रिस्बेन की ग्रे स्ट्रीट, साउथ बैंक पर 11 और 12 अप्रैल को इस आयोजन के इलेक्ट्रॉनिक पोस्टर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किए गए, जिसने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम की गरिमा उस समय और भी बढ़ गई जब भारत के कौंसुलेट जनरल द्वारा उपस्थित हिन्दी प्रेमियों और साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। यह आयोजन न केवल साहित्यिक संवाद का मंच बना, बल्कि वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार का एक सशक्त माध्यम भी सिद्ध हुआ। ब्रिस्बेन में आयोजित इस प्रथम अंतरराष्ट्रीय साहित्य चौपाल ने यह सिद्ध कर दिया कि हिन्दी केवल भारत की भाषा नहीं, बल्कि विश्वभर में अपनी पहचान बना रही एक सशक्त सांस्कृतिक धरोहर है। विशेष रूप से मधु खन्ना के नेतृत्व, तथा डॉ. विपिन कुमार के मार्गदर्शन में यह आयोजन हिन्दी के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कदम बनकर उभरा। अंत में ऑस्ट्रेलिया में निवास कर रहे सभी हिन्दी प्रेमियों और आयोजकों ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

तीन दशक बाद पूरा हुआ नारायण गांव में हर घर स्वच्छ पेयजल का सपना

सांसद बांसुरी स्वराज के साथ स्थानीय विधायक उमंग बजाज ने किया परियोजना का उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। तीन दशक बाद नारायण गांव के निवासियों का हर घर स्वच्छ पेयजल का सपना पूरा हुआ। अब इन्हें गंदे पानी की परेशानी नहीं झेलनी होगी। नए जल पाइपलाइन और ऑनलाइन बूस्टर प्रणाली की मदद से उचित मात्रा में स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल की सुविधा सुनिश्चित हो गई है। इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का उद्घाटन नारायण गांव के होली चौक पर सांसद बांसुरी स्वराज और क्षेत्र के युवा एवं विधायक उमंग बजाज ने किया। करीब 30 वर्षों से नारायण गांव के लोग पेयजल आपूर्ति से जुड़ी लगातार समस्याओं का सामना कर रहे थे। इस नई व्यवस्था के लागू होने के साथ ही सरकार ने लंबे समय से लंबित नागरिक समस्याओं के समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को तेजी, दक्षता और जवाबदेही के साथ प्रदर्शित किया है। इस मौके पर सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर घर में स्वच्छ जल उपलब्ध हो। हमारी सरकार इस दिशा में काम कर रही है। स्वच्छ पेयजल तक पहुंच प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है। लेकिन पिछली सरकार ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। उन्हें केवल राजनीति करनी ही आता था और हम लोगों की समस्याओं को एक-एक करके दूर कर रहे हैं। यह उद्घाटन हमारे सरकार की हर नागरिक के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 30 साल पुरानी समस्या का समाधान केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वादा पूरा होना है। इसी भावना को दोहराते हुए उमंग बजाज ने कहा कि यह नारायण के लिए गर्व का क्षण है। हमारा ध्यान हमेशा जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव लाने पर रहा है। इस परियोजना का पूरा होना हमारी सरकार की कार्यकुशलता और लोगों की लगातार समस्याओं को हल करने की मंशा को दर्शाता है। यह परियोजना वर्तमान प्रशासन के सक्रिय शासन और प्रभावी क्रियान्वयन क्षमता को उजागर करती है, जिससे आवश्यक सेवाएं हर घर तक पहुंच रही हैं। स्थानीय निवासियों ने इसे एक परिवर्तनकारी कदम बताते हुए आभार और राहत व्यक्त की, जो एक स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। उद्घाटन समारोह में स्थानीय निवासियों, सामुदायिक नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस लंबे समय से प्रतीक्षित विकास कार्य का जश्न मनाया।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वी दिल्ली में ट्रैफिक चरमराया, नोएडा सेक्टर-14 पर श्रमिकों के प्रदर्शन से मयूर विहार से चिल्ला तक फंसी गाड़ियां

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में सोमवार को ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई, जहां मयूर विहार फेज-1 से लेकर चिल्ला बॉर्डर तक लंबा जाम लग गया। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, नोएडा की ओर कामगारों द्वारा अचानक लगाए गए जाम के चलते इस रूट पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार नोएडा सेक्टर 14 के पास मजदूरों ने बिना किसी पूर्व सूचना के सड़क को कई जगहों पर अवरुद्ध कर दिया, जिससे चिल्ला बॉर्डर की ओर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। इसका सीधा असर दिल्ली की तरफ पड़ा और मयूर विहार फेज-1 तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ट्रैफिक को सुचारु करने के लिए पुलिस ने डीएनडी फ्लाईवे और एनएच-24 (गाजीपुर) की ओर डायवर्जन किया है। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी मैन्युअली ट्रैफिक को नियंत्रित कर रहे हैं, लेकिन जाम के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भक्ति, आस्था और हिंदुत्व की अलख जगाती भव्य कलश यात्रा से गूंजा कला एनक्लेव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

कला एनक्लेव आज उस समय भक्ति, श्रद्धा और सनातन संस्कृति के रंग में सराबोर हो उठा, जब प्राचीन शिव शक्ति मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभारंभ पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। हर ओर जय श्री राम और हर हर महादेव के उद्घोष से वातावरण दिव्य और ऊर्जावान हो गया। ट्रस्ट के प्रबंधक एवं संगठन महामंत्री पंडित संतोष मिश्रा जी ने भावुक शब्दों में बताया कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हिंदुत्व को संगठित करने, जागरूक करने और जन-जन में धर्म के प्रति आस्था जागृत करने का एक पवित्र संकल्प है। श्रद्धेय व्यास पीठ से विराजमान पूज्य व्यास जी महाराज श्री नारायण हरि जी के सानिध्य में निकली इस कलश यात्रा में बटुक गणों की पावन उपस्थिति और मातृ शक्तियों की श्रद्धा ने पूरे आयोजन को अलौकिक बना दिया। सिर पर कलश धारण कर जब मातृ शक्तियां भक्ति में लीन होकर आगे बढ़ीं, तो मानो स्वयं देवत्व धरती पर उतर आया हो। इस भव्य यात्रा में ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री विनोद तिवारी जी, सचिव श्री शिवनाथ तिवारी जी, उपाध्यक्ष श्री राम अवतार श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष श्री सुखबीर सिंह जी, पुजारी श्री अर्जुन तिवारी जी सहित अनेक सम्मानित पदाधिकारी—अनिल यादव, डब्लू श्रीवास्तव, सुमित चौरसिया, राधे चौरसिया, उपेंद्र मिश्रा जी, हृदय राम मिश्रा, दिलीप सिंह, अनूप तिवारी, मनमोहन तिवारी, ज्ञानेंद्र तिवारी जी—और सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्तों की उमंग ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, जिसने हर हृदय को भक्ति से भर दिया। यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की जीवंत झांकी बन गई, जिसने समाज को एकता, धर्म और सेवा का संदेश दिया। यह दिव्य श्रीमद् भागवत कथा 18 अप्रैल 2026 तक निरंतर चलेगी, जिसके उपरांत 19 अप्रैल 2026 को हवन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

दिल्ली में ब्रिगेडियर और बेटे पर हमला शराब पीने से रोकने पर शुरू हुआ था विवाद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के वसंत एन्क्लेव इलाके में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां भारतीय सेना के ब्रिगेडियर और उनके बेटे के साथ मारपीट की गई। इतना ही नहीं, उन्हें इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। यह घटना 11 अप्रैल की रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है, जब ब्रिगेडियर अपने बेटे के साथ खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से निकले थे। आईएएनएस से बात करते हुए ब्रिगेडियर ने बताया कि जैसे ही वे अपने घर के बाहर पहुंचे, उन्होंने देखा कि एक कार में बैठे दो लोग खुलेआम शराब पी रहे थे। उन्होंने इसका विरोध किया, जिस पर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। मामला बढ़ता देख ब्रिगेडियर ने तुरंत पुलिस को कॉल किया और पीसीआर वैन को बुलाया। पुलिस के पहुंचने में करीब 20 मिनट लग गए। इस दौरान हालात और बिगड़ गए। कार में बैठे लोगों ने अपने कुछ साथियों को मौके पर बुला लिया। थोड़ी ही देर में 7-8 लोग वहां पहुंच गए और उन्होंने ब्रिगेडियर के बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब ब्रिगेडियर ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उनके साथ भी धक्का-मुक्की और बदसलूकी की गई। इस पूरी घटना में दोनों को चोटें आईं। ब्रिगेडियर ने बताया कि इसके बाद वे वसंत विहार थाने पहुंचे, लेकिन वहां उन्हें उम्मीद के मुताबिक मदद नहीं मिली। पुलिस ने उनसे मेडिकल लीगल सर्टिफिकेट (एमएलसी) लाने को कहा, लेकिन कोई भी पुलिसकर्मी उनके साथ अस्पताल नहीं गया। मजबूर होकर उन्हें खुद ही आरआर अस्पताल जाना पड़ा, जहां उन्होंने अपना एमएलसी बनवाया। हैरानी की बात यह रही कि इसके बाद भी पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज नहीं की और सिर्फ एक जनरल डायरी में एंट्री कर ली। इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। भारतीय सेना ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और ब्रिगेडियर की मदद के लिए कदम उठाए हैं। मिलिट्री पुलिस की एक टीम को उनकी सहायता के लिए लगाया गया है और दिल्ली पुलिस से इस मामले में उचित जांच और कार्रवाई करने को कहा गया है। इस घटना पर सेना के अधिकारी कर्नल दानवीर सिंह ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर चिंता जताई। उन्होंने लिखा कि एक सेवा में तैनात अधिकारी, जो देश के लिए कई बार जोखिम उठा चुका है, उसे अपने ही शहर में इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा, यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि ब्रिगेडियर पहले कश्मीर और एलओसी जैसे संवेदनशील इलाकों में ऑपरेशन का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन शायद उन्होंने कभी नहीं सोचा होगा कि एक दिन उन्हें अपने ही समाज में इस तरह की हिंसा झेलनी पड़ेगी। कर्नल ने यह भी आरोप लगाया कि जब यह सब हो रहा था, तब पुलिस मौके पर मौजूद थी, लेकिन उसने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। काफी प्रयासों के बाद आखिरकार इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जिससे कुछ उम्मीद जगी है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

महिलाओं के स्वर्णिम युग की शुरूआत, नारी शक्ति वंदन अधिनियम: भाजपा नेत्री

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। हजारीबाग भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की भागीदारी को ऐतिहासिक मजबूती देते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक निर्णायक कदम के रूप में सामने आया है। भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता (हजारीबाग) ने इस कदम को महिलाओं के स्वर्णिम युग की शुरूआत बताया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिला-नेतृत्व वाले विकास की नई दिशा तय करने वाला परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोकसभा में 543 सांसदों में से केवल 74 महिलाएं हैं, जो लगभग हर सात में एक है। लेकिन आगामी परिसीमन और 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद यह संख्या बढकर 816 में से 269 तक पहुंच जाएगी। इसी तरह राज्य विधानसभाओं में आज जहां करीब 390 महिला विधायक हैं, वहीं यह संख्या बढकर 2,041 तक पहुंचने का अनुमान है। शेफाली गुप्ता ने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए बताया कि देश के सबसे प्रभावशाली राज्य में, जहां लोकसभा की 80 सीटें हैं, वहां वर्तमान में केवल 7 महिलाएं सांसद हैं। लेकिन इस कानून के लागू होने के बाद यह संख्या बढकर 40 तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा यह बदलाव सिर्फ संख्या बढ़ाने का नहीं है, बल्कि नीति निर्माण में महिलाओं की संवेदनशीलता, दूरदर्शिता और समावेशी सोच को शामिल करने का है। इससे शासन अधिक जवाबदेह, प्रभावी और जनहितकारी बनेगा। भाजपा नेत्री ने इसे नए भारत के स्वर्णिम युग की शुरूआत बताते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ लोकतंत्र को भी और मजबूत करेगा। उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि जहां लोकसभा की 80 सीटों में वर्तमान में केवल 7 महिलाएं सांसद हैं, वहीं अधिनियम लागू होने के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 40 तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल संख्या वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति-निर्माण में महिलाओं की संवेदनशीलता, दूरदर्शिता और समावेशी सोच को भी शामिल करेगा, जिससे शासन अधिक जवाबदेह, प्रभावी और जनहितकारी बनेगा। उन्होंने देश की महिलाओं से आह्वान किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए नेतृत्व की भूमिका में आगे आएं और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। शेफाली गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर संविधान सभा तक महिलाओं के योगदान का उल्लेख।

दिल्ली की विरासत को बढ़ावा देने के लिए डीडीए आज से विरासत सप्ताह की गतिविधियों का करेगा शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सहयोग से राजधानी की विरासत को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को विरासत सप्ताह कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया है। एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि सोमवार से शनिवार (13 से 18 अप्रैल) तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य लोगों विशेष रूप से युवाओं को दिल्ली की कला और संस्कृति से जुड़ने में मदद करना है और इसमें महरौली क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों की एक प्रदर्शनी/दस्तावेजीकरण भी शामिल होगा। डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवाना कुमार ने कहा, दिल्ली की विरासत एक जीवंत धरोहर है जो शहर के भविष्य के केंद्र में बनी रहनी चाहिए। हेरिटेज वीक के माध्यम से डीडीए इन अमूल्य ऐतिहासिक स्थलों के साथ जनता, विशेष रूप से युवाओं के जुड़ाव को मजबूत करना चाहता है। उन्होंने कहा, हमारा निरंतर ध्यान इस बात पर है कि विरासत संरक्षण, पारिस्थितिक बहाली और सार्वजनिक स्थल निर्माण दिल्ली के संतुलित और टिकाऊ शहरी विकास के अभिन्न तत्वों के रूप में एक साथ आगे बढ़ें। डीडीए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि हेरिटेज वीक के माध्यम से दिल्ली की विरासत संपत्तियों के प्रति जन जागरूकता और गौरव को गहरा करना, सामुदायिक भागीदारी और युवा सहभागिता को प्रोत्साहित करना और विरासत संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी में अपने निरंतर प्रयासों को प्रदर्शित करना चाहता है। इसका व्यापक उद्देश्य सभी आयु वर्ग के लोगों को शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को महत्व देने, उसका अनुभव करने और उसे संरक्षित करने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। एक बयान में कहा गया है कि सप्ताह भर चलने वाली इस पहल में छात्र सहभागिता गतिविधियां, एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता, एक छात्र संवाद प्रतियोगिता, एक रेखाचित्र और चित्रकारी प्रतियोगिता, एक कहानी लेखन गतिविधि, प्रदर्शनियां और एक सांस्कृतिक रात्रि कार्यक्रम शामिल हैं।

दिल्ली की बिंदापुर पुलिस की बड़ी कामयाबी, बाइक समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिले के बिंदापुर इलाके में पुलिस की मुस्तैदी से एक स्नैचिंग केस का खुलासा हुआ है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से छीनी गई सोने की चेन का आधा हिस्सा और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पूरा मामला 28 मार्च 2026 का है। दोपहर के समय ध्वनि शर्मा नाम की लड़की स्कूल से घर लौट रही थी। जैसे ही वह उत्तम नगर वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास पहुंची, पीछे से बाइक पर सवार दो लड़के आए। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। उन्होंने झपट्टा मारकर उसकी सोने की चेन छीन ली। छीना-झपटी के दौरान चेन टूट गई, जिसका आधा हिस्सा ध्वनि के पास रह गया और बाकी आधा आरोपी लेकर फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर बिंदापुर थाने में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने सबसे पहले घटनास्थल का दौरा किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल नजर आई, जिस पर दो संदिग्ध सवार थे। इसके बाद पुलिस ने उस बाइक का पीछा करने के लिए अलग-अलग जगहों के करीब 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार ट्रैकिंग के बाद पुलिस ने बाइक के मालिक की पहचान कर ली। आखिरकार पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया, जिसकी पहचान चंदन के रूप में हुई। पूछताछ में चंदन ने बताया कि इस वारदात में उसका साला रोहन सेठ भी शामिल था। उसने यह भी खुलासा किया कि छीनी गई सोने की चेन का हिस्सा रोहन के पास है। चंदन की निशानदेही पर पुलिस ने रोहन के घर पर छापा मारा, जहां से सोने की चेन का आधा हिस्सा बरामद कर लिया गया। इसके साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने बताया कि वे बेरोजगार थे और घर के खर्च चलाने और कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने इस तरह की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या ये दोनों पहले भी किसी अपराध में शामिल रहे हैं।

दिल्ली प्रदेश भाजपा ने एक्टर रिद्धिमा कपूर साहनी के नारी वंदन अधिनियम समर्थन में भेजा वीडियो किया जारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

- **प्रसिद्ध एनटरपेनयूर एवं एसटरोनोमर सोना साहनी सिंह एवं दिल्ली विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर सोनाली चितलकर ने भी दिया समर्थन**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं के हित संरक्षण के लिए नारी वंदन अधिनियम संरक्षण पर संसद में चर्चा कर उसे पारित करवाने को लेकर देश की महिलाओं की आंखों में एक नया जोश एवं चमक साफ दिखाई दे रही है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि इस अधिनियम को लेकर जहां राजनीति में पहले से कार्यरत महिलाओं में जोश दिख रहा है, वहीं ऐसी महिलाएं जिनको राजनीति से परोक्ष रूप से कुछ लेना देना नही है वह भी अब नारी वंदन अधिनियम पर चर्चा कर रही हैं और उसे अपना मुखर समर्थन दे रही हैं। देश के दो प्रख्यात फिल्म कलाकारों स्वर्गीय ऋषि कपूर एवं नीतू सिंह कपूर की पुत्री रिद्धिमा कपूर साहनी जो अनेक वर्षों से दिल्ली में एक प्रख्यात ज्वेलरी एवं फैशन डिजाइनर के रूप में स्थापित हैं और अब उनकी एक लेखक एवं एक्टर के रूप में भी नई पहचान उभरी है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता न्योमा गुप्ता के माध्यम से दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा से बात कर भाजपा सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए किये जा रहे कार्यों का स्वागत किया। साथ ही उन्होने 16 अप्रैल को नारी वंदन अधिनियम पर चर्चा कर उसे पारित करवाने के लिए बुलाये गये विशेष संसद सत्र के लिए भी धन्यवाद किया। दिल्ली भाजपा की उपाध्यक्ष योगिता सिंह सोमवार को दिल्ली की दो प्रसिद्ध एनटरपेनयूर एवं एसटरोनोमर सोना साहनी सिंह एवं दिल्ली विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर सोनाली चितलकर द्वारा नारी वंदन बिल को दिल्ली की प्रबुद्ध महिलाओं का समर्थन देने के लिए बुलाई पत्रकार वार्ता में सम्मिलित हुईं और प्रेस वार्ता में उन्होने प्रख्यात फैशन डिजाइनर एवं एक्टर रिद्धिमा कपूर साहनी का नारी वंदन अधिनियमह्व के समर्थन में दिया वीडियो बयान मीडिया के लिए जारी किया। योगिता सिंह ने कहा कि आजादी के प्रथम दिन से महिलाओं ने देश निर्माण में पूरा सहयोग दिया पर नीति निर्माण में उन्हे भागीदारी नही मिल रही थी, अब भाजपा सरकार नारी वंदन अधिनियम लाकर महिलाओं विधानमंडल एवं संसद में उचित प्रतिनिधित्व देकर नये भारत का उदय कर रही है। रिद्धिमा कपूर साहनी ने अपने वीडियो बयान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि पीएम मोदी जी, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए धन्यवाद हमारे बारे में सोचने के लिए दिल से धन्यवाद। यह कानून महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर देगा। उन्हें एक नई पहचान और सम्मान मिलेगी। अब महिलाएं अपनी बात आसानी से रख पाएंगी, मजबूत होंगी और हमारा देश आगे बढ़ेगा। सोना साहनी शुक्ला ने इस अवसर पर कहा कि आज हम भाग्यशाली हैं कि हम ऐसे देश की राजधानी दिल्ली में रहते हैं जहां महिलाओं को कुछ भी करने की आजादी है। आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी लगातार सेना, नेवी, एयर फोर्स में और अन्य विभागों में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला के तौर पर हम सब को नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करना है ताकि महिलाओं को नई उड़ान भरने का मौका मिल सके। सोनाली चितलकर ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि जब 2014 में लाल किला से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शपथ ग्रहण करने के कुछ समय बाद कहा था कि पहले महिला सम्मान के लिए कहा था की पहले शौचालय फिर देवालय तो देशवासियों का जोश देखते बनता था और फिर वे वहीं नहीं रुके आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम तक पहुंचे हैं। आज संसद में महिलाओं की आवाज उठाने के लिए मोदी सरकार लगातार प्रयासरत है। एक वर्किंग वुमेन के तौर पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करती हूँ और इस अधिनियम के पास होते ही देश में महिलाओं को नीति निर्माण में सहभागिता मिलेगी।

दिल्ली पुलिस और भाऊ गैंग के बदमाशों में मुठभेड़, दो शूटरों के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के बाप्रोला इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है, जिसमें भाऊ गैंग के दो शूटर दीपक और अतुल को पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल, पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सूचना मिली थी कि कुख्यात भाऊ गैंग के कुछ शूटर इलाके में मौजूद हैं और किसी बड़ी वारदात की फिराक में हैं। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की और जैसे ही संदिग्धों को पकड़ने की कोशिश की गई, उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की और दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। इस मुठभेड़ में भाऊ गैंग के दो शूटर दीपक और अतुल को गोली लग गई, जिसके बाद उन्हें काबू में कर लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी अतुल गुरुग्राम के एक शोरूम में हुई फायरिंग की घटना में शामिल था। वहीं दूसरा आरोपी दीपक दिल्ली पुलिस के एक रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर की हत्या जैसे गंभीर मामले में वांछित था। दोनों लंबे समय से पुलिस की रडार पर थे। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और उनके नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं, दिल्ली के साउथ वेस्ट जिले के सागरपुर इलाके में पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले एक गिरोह का भी भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक चोरी करने वाला और दूसरा चोरी का सामान खरीदकर उसे आगे बेचने वाला शामिल है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के 15 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट और मोबाइल के कई पार्ट्स बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से इलाके में दर्ज मोबाइल चोरी के चार मामलों का भी खुलासा हो गया है। पुलिस के अनुसार, इलाके में लगातार बढ़ रही मोबाइल चोरी की घटनाओं को देखते हुए एक विशेष टीम बनाई गई थी। इस टीम ने शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की और संदिग्धों पर नजर रखी। इसी दौरान 10 अप्रैल को टीम ने दुर्गा पार्क और नगरवन पार्क इलाके में छापेमारी की और एक संदिग्ध युवक आयुष उर्फ निक्कू को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आयुष ने बताया कि वह मोबाइल फोन चोरी करता था।

पिंक लाइन को येलो लाइन से जोड़ने की मांग तेज, पांच लाख से ज्यादा यात्रियों को होगा फायदा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन को येलो लाइन से जोड़ने की मांग जोर पकड़ रही है। यह मुद्दा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सामने पहुंचा है। पिंक लाइन को भजनपुरा या नानकसर-सोनिया विहार मेट्रो स्टेशन से येलो लाइन के कश्मीरी गेट बस अड्डा या दिल्ली विश्वविद्यालय स्टेशन से जोड़ने की मांग उठ रही है। विशेषज्ञों का भी मानना है अगर ऐसा किसा जाता है तो इसका बड़ा लाभ यमुनापार की जनता को मिल सकेगा, आवागमन का समय बचेगा, यातायात जाम कम होगा, प्रदूषण की समस्या भी कम होगी।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निदेशक/एडमिन, उत्तर रेलवे नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–निविदाएं आमन्त्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1.	एडीईएन/एनआरसीएच के अधीन एसएसई/वर्क्स/एनआरसीएच अनुभाग में तीन वर्षों तक टैंकरों के माध्यम से एनआरसीएच को पीने योग्य पानी की आपूर्ति।	रु. 50,99,723.64	रु. 1,02,000/–	36 माह	05.05.2026

सूचना: निविदा रेलवे की वेबसाइट 'www.ireps.gov.in' पर उपलब्ध है तथा इसी वेबसाइट पर 05.05.2026, 15:00 बजे तक ही भरी जायेगी।

पत्र सं.: 128-W-269-O.E.T.-01-26-27-NRCH दिनांक: 13.04.2026 1239/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के पांडव नगर में घर में चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार, लाखों के सोने के जेवरात बरामद

पूर्वी दिल्ली। पांडव नगर थाना पुलिस ने घर में चोरी करने वाले एक चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से चोरी किए गए सभी सोने के जेवरात भी बरामद कर लिए हैं। मामला मयूर विहार फेज-2 इलाके का है, जहां एक घर से सोने के जेवर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की, लेकिन शुरुआत में सीसीटीवी से कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने स्थानीय स्तर पर पूछताछ और खुफिया जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पता चला कि घटना के समय परिवार कुछ देर के लिए घर से बाहर गया हुआ था। पुलिस ने 22 वर्षीय सुहैब नाम के आरोपित को गिरफ्तार किया, जो उसी बिल्डिंग में कारपेंटर का काम करता था और नीचे स्टोर रूम में रहता था। पूछताछ में आरोपित ने चोरी की बात कबूल कर ली। उसकी निशानदेही पर सोने की अंगूठियां, चेन, गोल्ड बिस्किट, झुमके और लॉकेट समेत सभी जेवरात बरामद कर लिए गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू सर गंगा राम अस्पताल के स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू सोमवार को सर गंगा राम अस्पताल के 71वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र के भविष्य और भूमिका पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। सर गंगा राम अस्पताल के 71वें स्थापना दिवस पर उपराज्यपाल ने कहा कि सर गंगा राम एक महान इंजीनियर और दूरदर्शी परोपकारी व्यक्ति थे जिनकी विरासत सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनी हुई है। गुरु का बाग मोर्चा आंदोलन के साहसी समर्थन से लेकर देखभाल के स्थायी संस्थानों के निर्माण तक उनका जीवन सेवा का एक प्रमाण था। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवा एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र बनकर उभरेगा, खासकर तब जब दुनिया के कई विकसित देश तेजी से वृद्ध हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके विपरीत भारत एक युवा देश है, जहां औसत आयु लगभग 28 वर्ष है और 50 प्रतिशत से अधिक आबादी इससे कम उम्र की है। उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि सर गंगाराम का पंजाब के साथ बहुत संबंध है और मेरे परिवार के साथ बहुत सहयोग है। मेरे बेटे का जन्म भी इसी अस्पताल में हुआ था। आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है। भारत सबसे युवा देशों में से एक है इसलिए यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि उसके स्वास्थ्य कर्मचारी कुशल हों।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने भारत के पहले एआई असिस्टेड लिवर पूप ऐप के प्रस्तुतीकरण का किया अवलोकन

नवजातों की जान बचाने की नई उम्मीदःएआई तकनीक से नवजातों में लिवर रोग की होगी समय पर पहचान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने भारत के पहले एआई असिस्टेड लिवर पूप मोबाइल एप्लिकेशन के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया। यह अभिनव एप अपर मुख्य सचिव के मार्गदर्शन में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के बाल रोग विभाग के प्रोफेसर (जूनियर ग्रेड) डॉ. पीयूष उपाध्याय, टइइर, द्वारा विकसित किया गया है। प्रो० उपाध्याय ने डीएम की डिग्री प्राप्त करने वाले उत्तर प्रदेश के पहले डॉक्टर हैं। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि यह एप जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अधिकारियों को इसे पूरे प्रदेश में लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसे प्रत्येक माँ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा के लिए एक उपयोगी साधन बताते हुए कहा कि नवजात शिशुओं में गंभीर बीमारियों की पहचान जन्म के तुरंत बाद सुनिश्चित करने मदद मिलेगी। किसी भी बच्चे को समय पर उपचार से वंचित न रहना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस तकनीक के माध्यम से पारंपरिक पेपर स्टूल चार्ट पर होने वाले अनावश्यक खर्च को समाप्त किया जा सकता है, जो भारत जैसे विशाल देश के लिए आर्थिक रूप से अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इसके उपयोग से स्वास्थ्य विभाग को रियल-टाइम डेटा उपलब्ध होगा, जिससे त्वरित हस्तक्षेप संभव होगा और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिलेगी।

एप के विकासकर्ता डॉ. पीयूष उपाध्याय ने बताया कि तीन वर्षों के सतत प्रयास और पिछले डेढ़ वर्ष की गहन मेहनत के बाद यह एआई आधारित मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया है। यह ऐप विशेष रूप से नवजात शिशुओं (0-1 वर्ष) में बिलीरी एट्रेसिया जैसे जानलेवा लिवर रोग की स्क्रीनिंग करता है, जिसकी सेंसिटिविटी अध्ययन में 100 प्रतिशत पाई गई है। यह तकनीक नवजातों में लिवर संबंधी गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान सुनिश्चित कर सकती है और डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में उभरकर सामने आई है। ऐप स्क्रीन पर स्पष्ट रूप से बताता है कि मल का रंग पेल (हल्का/खतरनाक) है अथवा पिगमेंटेड (सामान्य)। अगर मल का रंग संदिग्ध पाया जाता है, तो ऐप पेशाब के रंग के बारे में और कपड़े पर पेशाब के गहरे दाग पड़ते हैं या नहीं भी पूछता है। इन सभी जवाबों के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार होती है, जिससे डॉक्टर को शुरूआती स्तर पर ही समस्या का अंदाजा मिल जाता है। उन्होंने आगे बताया कि यह एप न केवल नवजात शिशुओं के जीवन को बचाने में सहायक होगा, बल्कि सरकार के 290 करोड़ से अधिक की संभावित बचत भी करेगा। इस बचत से हजारों लीवर ट्रांसप्लांट किए जा सकते हैं या सैकड़ों नवजात गहन चिकित्सा इकाइयां स्थापित की जा सकती हैं।

यह एप 40 भाषाओं में पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध है और इसे से डाउनलोड किया जा सकता है। निकट भविष्य में यह एप पर भी उपलब्ध होगा। बिलीरी एट्रेसिया एक गंभीर बीमारी है, जिसमें जन्म के 60 दिनों के भीतर शल्य चिकित्सा (कसाई सर्जरी) हो जाने पर बच्चा सामान्य जीवन जी सकता है और लीवर ट्रांसप्लांट से बच सकता है। वहीं 90 दिनों के बाद लीवर अत्यधिक क्षतिग्रस्त हो जाता है, जिससे सर्जरी संभव नहीं रह जाती और महंगे ट्रांसप्लांट या मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में यह एप समय पर पहचान सुनिश्चित कर जीवनरक्षक साबित हो सकता है। यह एप स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए भी एक प्रभावी उपकरण है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (प्ब्ध्ड) के अंतर्गत अरल्ठअ एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता केवल एक फोटो के माध्यम से यह निर्धारित कर सकते हैं कि शिशु को विशेषज्ञ के पास भेजना आवश्यक है या नहीं। साथ ही, यह एप रियल-टाइम डेटा संग्रह कर स्वास्थ्य विभाग को लाइव डैशबोर्ड के माध्यम से जिलावार स्थिति की जानकारी प्रदान करता है, जिससे त्वरित कार्रवाई संभव होती है। यह एप शून्य सीमांत लागत पर आधारित है, अर्थात एक बार विकसित होने के बाद इसे करोड़ों नवजातों तक पहुँचाने में कोई अतिरिक्त खर्च नहीं आता। इसमें किसी प्रकार की प्रिंटिंग, परिवहन या भंडारण की आवश्यकता नहीं होती। यह पहल न केवल भारत के लिए, बल्कि विकासशील देशों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। यह ऐप 18 भारतीय भाषाओं – जिनमें हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बांग्ला, पंजाबी, ओड़िया, असमिया, गुजराती, मैथिली, डोगरी, कोंकणी और मिजो सम्मिलित हैं – के साथ-साथ 22 विदेशी भाषाओं में भी उपलब्ध है, जिनमें अरबी, फारसी, स्वाहिली, अंग्रेजी, स्पेनिश, जर्मन, पुर्तगाली, रूसी, चीनी, जापानी और कोरियन प्रमुख हैं। भारत में कार्यरत प्रवासी श्रमिक भी अपनी भाषा में इस तकनीक का लाभ उठा सकते हैं।

डीएवी स्कूल गांधी नगर में वैशाखी पर्व व डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शाहदरा, हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संचालित, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, गांधी नगर दिल्ली-31 में दिनांक 13 अप्रैल 2026 को वैशाखी पर्व एवं डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जयंती का भव्य आयोजन विद्यालय प्रांगण में अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि सरदार इंद्रजीत सिंह (जिला संचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गांधी नगर) एवं रामकरण (उपाध्यक्ष, सेवा भारती पूर्वी विभाग) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और भी प्रभावशाली बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामकरण ने डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर के जीवन संघर्ष, शिक्षा के प्रति उनके अद्वितीय समर्पण और सामाजिक समानता के लिए किए गए उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अत्यंत विषम परिस्थितियों में जन्म लेने के बावजूद आंबेडकर जी ने उच्च शिक्षा प्राप्त कर न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि देश को संविधान के रूप में अमूल्य धरोहर भी दी। मूकनायक पत्रिका और बहिष्कृत हितकारिणी सभा के माध्यम से उन्होंने वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए सशक्त आवाज उठाई। उनका प्रसिद्ध संदेश शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो आज भी समाज को प्रेरित करता है। तत्पश्चात आचार्य नरेश चौहान द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायक गीत हो जाओ तैयार साथियों... ने पूरे वातावरण को उत्साह से भर दिया। इसके बाद सरदार इंद्रजीत सिंह ने वैशाखी पर्व के धार्मिक, ऐतिहासिक और कृषि महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पर्व रबी फसल की कटाई की खुशी का प्रतीक है और सिख समुदाय के लिए विशेष आस्था का विषय है। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल 1699 को गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना कर साहस, सेवा और एकता का संदेश दिया गया, जो आज भी समाज को दिशा देता है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत सह बौद्धिक प्रमुख सतीश शर्मा ने जलियांवाला बाग हत्याकांड, शहीद उधम सिंह के बलिदान तथा डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। विद्यालय के प्रबंधक श्री गिजेश कुमार रूस्तगी ने छात्रों को संस्कार, राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देते हुए प्रेरित किया। अंत में विद्यालय के प्रमुख लखीराम द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया तथा मंच संचालन आचार्य गजराज द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्र, संस्कृति और समाज के प्रति जागरूकता एवं प्रेरणा का सशक्त माध्यम बना।

अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर टेंडिशिया एसोसिएशन ने किया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारत रत्न श्रद्धेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती के पावन अवसर पर टेंडिशिया एसोसिएशन द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन, मेन बावाना रोड, प्रलाहपुर बांगर में एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 10 बजे से प्रारम्भ हुआ। शिविर आरम्भ होने से पूर्व क्षेत्र में आंखें हैं अनमोल शीर्षक से एक जागरूकता पदयात्रा भी निकाली गई, जिसके माध्यम से लोगों को आंखों के महत्व तथा नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस स्वास्थ्य सेवा शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर अपनी नेत्र जांच, ब्लड शुगर तथा हीमोग्लोबिन की जांच कराई। विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा लोगों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। जिन लोगों को दृष्टि संबंधी समस्या पाई गई, उन्हें नजर के निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और इस पहल की सराहना की। इस सेवा शिविर को सफल बनाने में संजीव बब्बर, प्रभात मनोचा, रवि सिक्का, नरेंद्र शर्मा, करण जग्गी, रोमा कोहली, मंजू सिक्का, नेहा, कविता बिजलानी, सीमा निमोर्ही, रेखा चौहान, आरती सारिका, दक्ष कोहली, अनीश अग्रवाल, अनूप राणा, संजीव अरोड़ा, जयदेव खट्टर, शेली दत्ता, धर्मेंद्र, राजीव शर्मा तथा जतिन का विशेष योगदान रहा।इन सभी के अमूल्य सहयोग, समर्थन और सक्रिय सहभागिता से यह सेवा शिविर अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शाहदरा में साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, 2.45 लाख की ठगी का खुलासा, 7 साल से फरार आजीवन कारावासी भी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शाहदरा। जिले में अपराध के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत शाहदरा पुलिस ने दो बड़े मामलों का खुलासा करते हुए एक ओर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है, वहीं दूसरी ओर 7 वर्षों से फरार चल रहे एक आजीवन कारावासी को भी दबोच लिया है। दोनों मामलों की जानकारी देते हुए डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि पुलिस की सतर्कता, तकनीकी निगरानी और लगातार प्रयासों से ये महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल हुई हैं। पहले मामले में साइबर थाना शाहदरा पुलिस ने क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा है। पीड़ित को स्वयं को बैंक अधिकारी बताकर कॉल की गई और क्रेडिट कार्ड के बोनस अंक भुनाने का झांसा दिया गया। आरोपी ने फर्जी वेबसाइट के जरिए कार्ड की जानकारी हासिल कर ली और 2,45,702 की अवैध निकासी कर ली। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार जांच के दौरान यह सामने आया कि ठगी की रकम से ऑनलाइन माध्यम से महंगे मोबाइल फोन खरीदे गए। जांच में तकनीकी विश्लेषण के आधार पर कई मोबाइल नंबरों की पहचान की गई, जिनमें बड़ी संख्या में सिम कार्ड का दुरुपयोग किया जा रहा था। पुलिस टीम ने रोहिणी क्षेत्र से आरोपियों अविनाश और कृष्णा को गिरफ्तार किया, जबकि एक महिला को मामले में पाबंद किया गया है। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि यह गिरोह लोगों को झांसा देकर उनकी बैंकिंग जानकारी हासिल कर ठगी करता था और पकड़ से बचने के लिए लगातार सिम बदलता रहता था। दूसरे मामले में सीमापुरी थाना पुलिस ने वर्ष 2012 के एक जघन्य हत्या के प्रयास के मामले में दोषी करार दिए गए आरोपी को 7 साल बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी पत्नी पर लोहे के तवे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था, जिसके बाद उसे अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वर्ष 2019 में पैरोल पर बाहर आने के बाद वह फरार हो गया था और वर्ष 2022 में उसे घोषित अपराधी घोषित किया गया। पुलिस टीम ने लगातार तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर उत्तराखंड के काशीपुर से आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह पहचान छिपाकर अलग-अलग स्थानों पर रह रहा था और दोबारा विवाह कर सामान्य जीवन जीने का प्रयास कर रहा था। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि इस गिरफ्तारी में पुलिस टीम की निरंतर मेहनत और रणनीतिक कार्रवाई अहम रही है। दोनों मामलों में पुलिस अब आगे की जांच कर रही है ताकि अन्य सहयोगियों की पहचान कर उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सके और ठगी के शिकार अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके। जिले में इस तरह की सख्त कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप है और आम जनता कार्रवाई की मांग के साथ पुलिस की इस सफलता की सराहना कर रही है।

दिल्ली के मयूर विहार में चाकूबाजी की घटना, चार नाबालिगों ने युवक पर किया हमला

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के ईस्ट जिले के मयूर विहार थाना क्षेत्र में एक चाकूबाजी की घटना सामने आई है, जहां कुछ युवकों के बीच झगड़े ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। इस हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना 12 अप्रैल की रात 8:30 बजे वायरलेस रोड के पास हुई, जहां घायल युवक अपने एक दोस्त के साथ उस इलाके में मौजूद था। इसी दौरान चार किशोर (जुवेनाइल) वहां पहुंचे और किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने चाकू से युवक पर हमला कर दिया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस को लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल से एक एमएलसी (मेडिको लीगल केस) के रूप में जानकारी मिली कि एक घायल युवक को इलाज के लिए लाया गया है। पुलिस तुरंत अस्पताल पहुंची, जहां पाया गया कि युवक को चाकू के गंभीर घाव लगे हैं। उसकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया, जहां फिलहाल उसका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही मयूर विहार थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इसके साथ ही क्राइम टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और सबूत जुटाने की कोशिश की।

बैसाखी पर नवजीवन का संदेश : संत राजिन्दर सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

बैसाखी के महीने में प्रकृति के लिहाज से पेड़-पौधें में नई कोपलें निकलनी शुरू हो जाती हैं, इनमें एक नई ज़िंदगी की शुरूआत होती है तो हमें भी इससे कुछ नया सबक लेना चाहिए जिससे कि हमारे जीवन में भी नई कोपलें फूटें ताकि हमारी नई ज़िंदगी का आरंभ हो और हमारे दिल से सभी भेदभाव मिट जायें। हरेक समाज में बैसाखी का महीना कई तरह से मनाया जाता है। सन् 1699 में बैसाखी के दिन ही दशम गुरू साहिब, गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज ने खालसा पंथ (सिख पंथ) की शुरूआत की थी। इस दिन दशम गुरू साहिब ने पाँच प्यारों को चुना। बौद्ध लोगों के लिए भी यह दिन बड़ा मुबारक है। इसी दिन महात्मा बुद्ध का भी जन्म हुआ था। बैसाखी के दिन ही उन्हें आत्म-ज्ञान भी हुआ और इसी दिन उनका निर्वाण भी हुआ। महापुरूष जब-जब भी इस दुनिया में आते हैं, वे एक ही बात को बार-बार पेश करते हैं, वह क्या है? कि मानुष जन्म बड़े भागों से मिलता है, जिसमें हम अपने निजघर वापिस जा सकते हैं। परमात्मा महाचेतना का सागर है और हमारी आत्मा उसकी एक बूंद है। परमात्मा प्रेम है, हमारी आत्मा उसका अंश होने के नाते प्रेम है, इसमें कुदरती तौर से प्रभु से मिलने का भाव है, इसका गुण है अपने प्रीतम से जुड़ना। बैसाख धीरन क्यों वाढियां जिना प्रेम बिछोह। बैसाख धीरन क्यों बैसाख का महीना आ गया है, फसल कटी पड़ी है तुम्हारी, प्रभु से दूर पड़े हो, तुम्हें धीरज कैसे आ सकता है उसके बगैऱ। तुम उससे कटे पड़े हो, कैसे तुम जीवन गुजार रहे हो? कैसे भूल गये हो तुम? हर साजन पुरख विसार के लगी माया धोह। परमात्मा से दूर हो गये हम, उसे भूल गये और माया हाथ धोकर हमारे पीछे लग गई, माया नाम है भूल का। यह भूल कहाँ से शुरू हुई? यह दर्द भरी कहानी है। फसल तो बाहर कटी पड़ी है। महात्मा देखकर कहते हैं, तुम उस प्रभु से कटे पड़े हो तुम उसकी अंश हो। तुम मालिक को भूल गए और यही सब खराबियों की जड़ है। प्रभु को भूल कर अपना जन्म बरबाद कर रहे हो। प्रभु बिना अवर न कोय। प्रभु के बिना तुम्हारी आत्मा का कोई साथी नहीं। पुत्र, स्त्री, बच्चे ये सब प्रारब्ध कर्मों के अनुसार प्रभु ने जोड़े हैं। खुशी से लेना-देना निभाओ और अपने घर जाओ। वह परमात्मा जो हमारी आत्मा का संगी है और साथी है, वह तुम्हारे साथ जायेगा। हमें यह मानुष जन्म मिला है प्रभु को पाने के लिए। आत्मा चेतन स्वरूप है, जब तक वह महाचेतन प्रभु से नहीं मिलेगी उसको कभी संतुष्टि नहीं होगी।

जिलाध्यक्ष चयन प्रक्रिया होगी पारदर्शी एवं कार्यकर्ता-आधारित : मोहम्मद उस्मान

चांदनी चौक जिला कांग्रेस संगठन सृजन अभियान बैठक आयोजित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। चांदनी चौक में आज संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने, जमीनी स्तर पर कार्यकताओं को सक्रिय करने तथा आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान ने किया बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर एन. रघुवीरा रेड्डी, हारून यूसुफ, अनिल भारद्वाज, सीपी मित्तल, विपिन शर्मा, जगजीवन शर्मा, तरुण कुमार, शिव भाटिया, कुंवर करण सिंह, राजेश जैन, मुदित अग्रवाल, आकांक्षा ओला, दीपक भारद्वाज, सिंथिया कुमार, सतबीर शर्मा, मेहमूद जिया, कृष्ण मुरारी जाटव, ठाकुर दास, प्रेरणा सिंह, मिर्जा जावेद अली, राहुल शर्मा, वाहिद कुरैशी, कमलेश चौधरी, फुरकान खान, योगेश जैन, जिला पदाधिकारी ब्लॉक अध्यक्ष भी बैठक में शामिल हुए। मोहम्मद उस्मान ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि जिलाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया पारदर्शी एवं कार्यकर्ता-आधारित होगी, जिसके अंतर्गत कार्यकताओं से व्यक्तिगत रूप से राय ली जाएगी। आगामी दो दिनों में विधानसभा स्तर पर बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनमें ऑब्जर्वर स्वयं उपस्थित होकर प्रत्येक कार्यकर्ता से मिलेंगे और उनकी राय जानेंगे, ताकि संगठन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और सशक्त किया जा सके। अंत में सभी नेताओं ने एकजुट होकर संगठन को सशक्त बनाने और आगामी चुनावों में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

सीईडब्ल्यूए का 8वां स्थापना दिवस पर कर्मचारियों के हितों को लेकर उठीं मजबूत आवाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सीआर आईएस इंजीनियर्स वेलफेयर एसोसिएशन (सीईडब्ल्यूए) ने अपना 8वां स्थापना दिवस एवं वार्षिक आम बैठक आयोजित कर कर्मचारियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के अधिकारों, पारदर्शिता और कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष मुकेश चौबे, मीडिया प्रभारी बृजेन्द्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण व्यास, उपाध्यक्ष प्रशांत पंत, सचिव रमन अरोड़ा, संयुक्त सचिव जितेंद्र नागर, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, संयुक्त कोषाध्यक्ष योगेश कुमार सहित कार्यकारी समिति के सदस्य अनिल चौधरी, पूजा मेहरा, रोहित यादव, भावना मीना एवं प्रयशी पांडेय उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी बृजेन्द्र सिंह ने संगठन की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सीईडब्ल्यूए का उद्देश्य सीआरआईएस इंजीनियरों के कल्याण, उनके अधिकारों की सुरक्षा तथा रेलवे में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से सतत एवं समग्र विकास सुनिश्चित करना है। बीमा राशि पर जताई नाराजगी हाल ही में एक वरिष्ठ कर्मचारी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सीईडब्ल्यूए ने वर्तमान पांच लाख रुपए की बीमा राशि को अपर्याप्त बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई। संगठन ने कहा कि यह राशि वर्ष 2007 से निर्धारित है, जो वर्तमान महंगाई के हिसाब से अव्यावहारिक है। मुख्य मांगें बीमा/मुआवजा राशि को बढ़ाकर न्यूनतम एक करोड़ किया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को पर्याप्त आर्थिक सुरक्षा मिल सके। सीईडब्ल्यूए की प्रमुख मांगें संगठन के लिए स्थायी कार्यालय स्थान आवंटित किया जाए तथा सीआरआईएस अधिकारियों के साथ नियमित तिमाही बैठकें हों। पदनाम परिवर्तन में पारदर्शिता और समानता सुनिश्चित की जाए। तकनीकी कर्मियों का जीसी बैठक में प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाए। ईपीएफओ उच्च पेंशन से जुड़ी विसंगतियां दूर कर पुराने कर्मचारियों को लाभ दिया जाए। गलत ईपीएफओ कटौतियों की वापसी सुनिश्चित की जाए। हाउस लीज दरों में वृद्धि और अन्य भत्तों को रेलवे/डीएमआरसी के समान किया जाए। स्वास्थ्य जांच से जुड़े नियमों को पुनः लागू किया जाए। मृतक आश्रित नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जाए। कैंटीन भत्ता बहाल किया जाए। तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के प्रमोशन में समानता हो। जेएसई से एएसई पदोन्नति में विसंगतियों का समाधान किया जाए।

नारी शक्ति वंदन विधेयक को सांसद कमलजीत सहरावत ने बताया देश के लिए ऐतिहासिक क्षण

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के ह्यनारी शक्ति वंदन सम्मेलनह्न में भाग लिया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी उपस्थित रहीं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तीकरण, राजनीतिक भागीदारी और समाज में उनकी भूमिका को और अधिक मजबूत बनाना रहा। कार्यक्रम के दौरान भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि पूरे देश में इस समय उत्साह का माहौल है और महिलाओं को उनका अधिकार मिलने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सभी राजनीतिक दल इस विधेयक को लेकर समर्थन दिखा रहे हैं, उससे इसके पारित होने की संभावना मजबूत हो गई है। उनके अनुसार यह देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा और इससे महिला सशक्तीकरण को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस अवसर से समाज को बहुत कुछ सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने भी सम्मेलन में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस संघर्ष को नजदीक से देखा है और यह लड़ाई पिछले लगभग 30 वर्षों से लगातार जारी है। उनके अनुसार यह मुद्दा केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन से भी जुड़ा हुआ है, जिसे लंबे समय से उठाया जा रहा है। सम्मेलन में मौजूद एक छात्रा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह इस पहल से बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक बहुत जरूरी है क्योंकि महिलाओं को लंबे समय तक समाज में पीछे रखा गया है। उनके अनुसार यह बदलाव खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ा असर डालेगा, जहां महिलाएं अभी भी विकास की मुख्यधारा से दूर हैं। छात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद भी व्यक्त किया। एक अन्य छात्रा ने कहा कि यह विधेयक महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपने पंख फैलाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी जरूरी है, चाहे वह ग्रामीण क्षेत्र हों या शहरी। एक अन्य छात्रा ने इस कानून के क्रियान्वयन पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसे आए हुए समय हो चुका है, लेकिन अभी तक इसे ठीक से लागू नहीं किया गया है।

दिल्ली दंगा मामले में उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत से इनकार के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में आरोपी उमर खालिद ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जमानत को लेकर पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। उन्होंने 5 जनवरी को आए उस फैसले पर दोबारा विचार करने की मांग की है, जिसमें कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। उमर खालिद की ओर से पेश हुए वकील कपिल सिब्बल ने इस मामले का जिक्र सुप्रीम कोर्ट में किया। कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि पुनर्विचार याचिका बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है और उन्होंने आग्रह किया कि इस मामले की सुनवाई ओपन कोर्ट में की जाए। इस पर पीठ ने कहा कि वह इस मांग पर विचार करेगी और जरूरी हुआ तो मामले को ओपन कोर्ट में सुना जाएगा। इससे पहले, 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि दोनों आरोपी एक साल तक दोबारा जमानत याचिका दाखिल नहीं कर सकते। हालांकि, इसी मामले में कोर्ट ने अन्य पांच आरोपियों (गुलफिशा फातिमा, मीरा हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद) को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले के आदेश में यह भी कहा था कि उमर खालिद और शरजील इमाम तभी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं, जब संरक्षित गवाहों की गवाही पूरी हो जाए या फिर 5 जनवरी से एक साल का समय बीत जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर को आरोपियों और दिल्ली पुलिस की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने कहा था कि अगर एक साल में गवाही पूरी नहीं होती है, तो आरोपी दोबारा जमानत याचिका निचली अदालत में दाखिल कर सकते हैं।

म.प्र. में एनएच-44 पर फर्राटा भरेंगे वाहन

अपग्रेडेशन के बाद मिलेगा एक्सप्रेसवे जैसा लुक

● भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

देश के चारों कोनों को जोड़ने वाले सबसे लंबे नेशनल हाईवे 44 के अपग्रेडेशन की केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद कई इलाकों में इसका काम शुरू हो गया है। अब नेशनल हाईवे 44 को सिक्स लेन एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे का स्वरूप दिया जाएगा जिससे ट्रैफिक में सुधार होगा और सफर में लगने वाला वक्त कम होगा। इसके तहत जिस इलाके में जैसी जरूरत है नेशनल हाइवे 44 का वैसा अपग्रेडेशन किया जा रहा है। पहले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने नेशनल 44 के समानांतर ग्रीन फील्ड कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसको लेकर विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन भी कर लिया गया था। लेकिन बाद में ये फैसला लिया गया कि समानांतर ग्रीन फील्ड कॉरिडोर की अपेक्षा मौजूदा नेशनल हाईवे 44 को अपग्रेड करना ज्यादा बेहतर होगा।

जहां जैसी जरूरत, वहां वैसा अपग्रेडेशन

देश के उत्तर और दक्षिणी छोर को जोड़ने के अलावा चारों कोनों को एक माला में पिरोने वाले 4112 किमी लंबे हाइवे का अपग्रेडेशन का काम कई इलाकों में शुरू हो गया है। जहां जैसी जरूरत है, उस हिसाब से विस्तार किया जा रहा है। जिसमें फोरलेन, सिक्सलेन, एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे, सुरक्षा के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर, हाई-स्पीड ट्रैफिक को सुचारू रखने मुख्य सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड, दोपहिया वाहन, ऑटो-रिक्शा, ट्रैक्टर और लोकल ट्रांसपोर्ट के लिए इन सर्विस रोड समेत कई सुविधाओं वाला विस्तार किया जा रहा है। नेशनल हाइवे 44 पर हैदराबाद और बंगलुरु के बीच की कुल लंबाई करीब 576 किमी है। आंध्र प्रदेश में 260 किमी, तेलंगाना में 210 किमी और कर्नाटक में 106 किमी पड़ता है।

मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा नोटिफाई होने के बाद फिर से अटका प्लान

अभी फाइलों में ही रहेगा मास्टर प्लान!

● भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

पिछले 21 सालों में भोपाल का मास्टर प्लान अटका हुआ है। हालांकि भोपाल और इंदौर का मास्टर प्लान एक बार फिर से तैयार कर लिया गया है, लेकिन प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन एरिया के कारण एक बार फिर से दोनों शहरों का मास्टर प्लान अभी अधर में ही रहेगा। गौरतलब है कि भोपाल और इंदौर को मिलाकर एक बड़े मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना मध्य भारत के शहरी ढांचे को बदलने वाली पहल मानी जा रही है। आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी होने के बाद संयुक्त क्षेत्र लगभग 26 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक विस्तार ले सकता है। इस बड़े विस्तार के कारण आसपास के जिलों में जमीन की मांग बढ़ेगी और निवेश के नए अवसर खुलेंगे, खासकर रियल एस्टेट, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े पैमाने पर मांग निकलेगी।

उल्लेखनीय है कि मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट-2025 को मंजूरी कैबिनेट की मंजूरी के साल भर के अंदर सरकार ने भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा नोटिफाई कर दिया है। भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा नोटिफाई होने के बाद भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान का मुद्दा चर्चा में है। दरअसल, भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान का ड्राफ्ट फायनल हो गया है, लेकिन प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन एरिया के अनुरूप बनाने के लिए सरकार इसे जारी करने से पहले इस पर पुनर्विचार कर सकती है या इसे फिर से तैयार कर सकती है। विधानसभा के बजट सत्र में भी इसकी पुष्टि हो चुकी है। नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गत 24 फरवरी को विधानसभा में मास्टर प्लान के बारे में कहा था, मेरे विभाग ने इसे डेढ़ साल पहले तैयार कर लिया था और मास्टर प्लान तैयार है। उन्होंने आगे कहा, मैंने मुख्यमंत्री से बात की है। उन्होंने (मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे मेट्रोपॉलिटन एरिया के संबंध में हमें इस मास्टर प्लान पर एक बार फिर से विचार करना होगा।

मास्टर प्लान में किए गए हैं जरूरी रिफॉर्म

अधिकारियों का कहना है कि पुणे, चंडीगढ़, दिल्ली जैसे देश के बड़े शहरों के मास्टर प्लान के आधार पर प्रदेश के शहरों के मास्टर प्लान के ड्राफ्ट में जरूरी रिफॉर्म (सुधार) किए गए हैं। इसका उद्देश्य भविष्य में प्रदेश के शहरों में जनसंख्या वृद्धि, बेहतर बुनियादी ढांचे, पर्यावरण की सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटना है। अधिकारियों का कहना है कि भोपाल का मास्टर प्लान 2047 तक के लिए और इंदौर का 2041 तक के लिए बनाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि शहरों के सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान जरूरी है। भोपाल के नए मास्टर प्लान में वर्टिकल डेवलपमेंट पर जोर दिया गया, ताकि शहर का बेतरतीब फैलाव न हो। मास्टर प्लान में सबसे पहले आबादी का अनुमान बदलेगा और उस हिसाब से रेसीडेंशियल, कॉमर्शियल और अन्य प्रावधान होंगे। भोपाल में पिछले 21 साल से मास्टर प्लान का इंतजार हो रहा है। भोपाल का पिछला मास्टर प्लान 2005 तक के लिए लागू किया गया था। इंदौर में मास्टर प्लान की अवधि 5 साल पहले पूरी हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि मास्टर प्लान का ड्राफ्ट जारी होने के बाद 30 दिन तक दावे-आपत्ति बुलाए जाते हैं। फिर 3 महीने इन पर सुनवाई होती है। उसके अगले तीन महीने में डायरेक्टर नगर तथा ग्राम निवेश अपनी रिपोर्ट शासन को देता है। शासन नगर तथा ग्राम निवेश एक्ट की धारा 19 (2) के तहत फिर से दावे-आपत्ति बुलाता है, इसकी अवधि तय नहीं है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटरिंग अभियान को किया तेज

भोपाल सहित 16 जिलों में लगे 9 लाख स्मार्ट मीटर

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने राजधानी सहित 16 जिलों में स्मार्ट मीटरिंग अभियान को तेज कर दिया है। कंपनी ने अब तक नौ लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए हैं, जिससे दावा किया जा रहा है कि उपभोक्ताओं का बिल 20 प्रतिशत तक सस्ता आ रहा है। भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर व चंबल संभाग के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को आधुनिक और पारदर्शी बिजली सेवाओं से जोड़ने के लिए यह कदम उठाया गया है।

कंपनी ने न केवल तकनीक में सुधार किया है, बल्कि उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए टाइम ऑफ डे (टीओडी) टैरिफ लागू किया है। इसके तहत सोलर आवर यानी सुबह नौ से शाम पांच बजे तक बिजली इस्तेमाल करने पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यह छूट इस अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया कि उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट मीटर की स्थापना का कार्य तीव्रता से जारी है। भोपाल में अब तक चार लाख 84 हजार से अधिक परिसरों में स्मार्ट मीटर सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। इसी प्रकार पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों यथा अशोकनगर, बैतूल, भिण्ड, भोपाल, ग्वालियर, दतिया, गुना, हरदा, मुरैना, नर्मदापुरम, रायसेन, राजगढ़, सीहोर, श्योपुर, शिवपुरी एवं विदिशा जिले में अब तक नौ लाख 18 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

आरडीएसएस योजना के तहत बड़ा लक्ष्य

स्मार्ट मीटरिंग का यह कार्य आरडीएसएस योजना के तहत किया जा रहा है। कंपनी कार्यक्षेत्र में कुल 26 लाख 79 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बिजली वितरण प्रणाली को और अधिक कुशल, सटीक और पारदर्शी बनाना है।

टाइगर स्टेट में प्रशासनिक सुस्ती और सिस्टम की विफलता....

मप्र में न वन अमला सुरक्षित, न ही बाघ

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। टाइगर स्टेट मप्र में प्रशासनिक सुस्ती और सिस्टम की विफलता के कारण ने वन अमला सुरक्षित है और न ही बाघ। मप्र में आए दिन वन अपले पर हमले की खबर आती रहती है। मप्र में जंगलों की सुरक्षा करने वाला वन अमला खुद असुरक्षा के साये में है। रेत और लकड़ी माफिया के बढ़ते हौसलों के बीच वनकर्मियों पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि कहीं वनकर्मियों की पिटाई हो रही है, तो कहीं उन्हें वाहनों से कुचलकर मार दिया जा रहा है। ताजा मामला मुरैना का है, जहां दो दिन पहले रेत माफिया ने वनरक्षक हरकेश गुर्जर को ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचल दिया।

जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पहले भी शहडोल में लकड़ी माफिया द्वारा वन टीम को बंधक बनाकर पीटने की घटना भी सामने आ चुकी है, जिसमें रेंजर और डिप्टी रेंजर घायल हुए थे। वहीं साल 2026 में 3 महीनों में 14 बाघों की मौत हो चुकी है। पिछले साल 55 की जान गई थी। इस स्थिति के पीछे की वजह यह है कि प्रदेश में वन अमले में भारी कमी है। 31 प्रतिशत अधिकारी-कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं। जंगलों में मैदानी अमला नहीं होने से जानवरों की सुरक्षा और देखभाल का संकट खड़ा हो गया है। वन विभाग की 31 मार्च को जारी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कुल 26,079 पदों में से 8,125 पद खाली हैं।

1 जनवरी 2026 की स्थिति में विभाग में करीब 18 हजार अधिकारी-कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जो मौजूदा जंगलों और वन्य जीवों के हिसाब से पर्याप्त नहीं हैं। घटना के बाद वन विभाग के अमले में भारी आक्रोश और भय का माहौल है। वनकर्मियों का कहना है कि उन्हें बिना पर्याप्त हथियार और संसाधनों के माफिया से मुकाबला करना पड़ता है। डंडों के सहारे सशस्त्र माफिया का सामना करना जोखिम है। आरोप हैं कि राजनेताओं और अफसरों का झुकाव माफिया की ओर होने से मनोबल और बढ़ रहा है। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वन अमले पर हर साल 20-30 हमले होते हैं, जिसमें कई का जाने गंवानी पड़ी है। हर साल वनकर्मियों के साथ मारपीट के 20-30 मामले दर्ज होते हैं।

लोकलेखा समिति का कड़ा रूख... महिला एवं बाल विकास विभाग से मांगा विवरण

पोषण आहार घोटाले में दोषियों पर क्या की गई कार्रवाई ?

● भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के बाद सुर्खियों में आए पोषण आहार घोटाले पर अब विधानसभा ने कड़ा रूख अपनाया है। मप्र विधानसभा की लोकलेखा समिति (पीएजी) ने महिला बाल विकास विभाग में हुए पूरक पोषण आहार घोटाले में लिप्त अधिकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। गौरतलब है कि बच्चों के पोषण आहार में हुए घोटाले का खुलासा होने के बाद प्रदेश में हड़कंप मच गया था। तब सरकार ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही थी। गौरतलब है कि सीएजी की आडिट रिपोर्ट (2018-2021) में पूरक पोषण आहार के उत्पादन और परिवहन में कई गड़बड़ियों का खुलासा हुआ था।

परिवहन के लिए उपयोग किए गए वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच में पाया गया कि कई नंबर ट्रकों के बजाय मोटरसाइकिल, कार और आटो-रिक्शा के थे। पोषण आहार बनाने वाले प्लांटों ने भी अपनी स्वीकृत क्षमता से कहीं अधिक राशन उत्पादन और पैकेजिंग का रिकार्ड दिखाया। रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने स्कूल न जाने वाली हजारों किशोरियों को राशन बांटने का दावा किया, जबकि जमीनी हकीकत में उनकी संख्या बहुत कम पाई गई थी।

अब लोक लेखा समिति ने पूछा है कि जिन अधिकारियों ने गड़बड़ी की, उनसे अब तक कितनी वसूली की गई है। दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। समिति ने कहा कि पहले कई बार इस बारे में पूछा गया भी लेकिन जवाब नहीं मिला है।

428 करोड़ का घोटाला

कैग की रिपोर्ट के अनुसार 428 करोड़ रुपये का पूरक पोषण आहार घोटाला सामने आया था। अब इस मामले में मप्र विधानसभा की लोकलेखा समिति ने महिला बाल विकास विभाग में हुए पूरक पोषण आहार घोटाले में लिप्त अधिकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय की लोक लेखा समिति ने महिला एवं बाल विकास विभाग को पत्र लिखा है कि विभाग के साथ लगातार पत्राचार किया जा रहा है, लेकिन अभी तक वांछित जानकारी अप्राप्त है। जानकारी न मिलने के कारण विधानसभा समिति की आगामी कार्रवाई में अत्यधिक विलंब हो रहा है, इसे सचिवालय ने गंभीरता से लिया है।

बिंदुवार जानकारी 15 दिन के भीतर मांगी

विधानसभा की लोकलेखा समिति ने महिला एवं बाल विकास विभाग से कई जानकारियां मांगी है। उनमें 21 परियोजना कार्यालयों में 395 अपात्र बालिकाओं को पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण दिए जाने का मामला सामने आया है। सचिवालय ने पूछा है कि इस अनियमितता में शामिल तत्कालीन अमले के विरुद्ध अब तक क्या कार्रवाई की गई है। योजना के प्रारंभ से ही सर्वेक्षण डाटा रजिस्टर संधारित न करने के लिए दोषियों का उत्तरदायित्व निर्धारण करने की स्थिति स्पष्ट करने को कहा।

छत्तीसगढ़

लोक सेवा केंद्र की आड़ में चल रहा था साइबर फ्रॉड रैकेट, गिरोह में दर्जनों युवतियां शामिल

रायगढ़, प्रातःकिरण संवाददाता।

संगठित साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए रायगढ़ पुलिस ने फर्जी मैट्रिमोनियल साइट के नाम पर चल रहे बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। यह पूरा रैकेट लोक सेवा केंद्र की आड़ में संचालित किया जा रहा था, जहां यूट्यूब चैनल और फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए लोगों को शादी के नाम पर ठगी का शिकार बनाया जा रहा था। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के निर्देशन में की गई। साइबर थाना, महिला थाना और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने दरोगापारा क्षेत्र स्थित एक कार्यालय पर दबिश दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी पहले लोक सेवा केंद्र के माध्यम से वैध कार्य कर रहे थे, लेकिन लाइसेंस निरस्त होने के बाद अवैध गतिविधियां जारी रखी। इसके बाद ÷इंडिया मैट्रिमोनी÷ नाम से फर्जी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तैयार कर लोगों को जाल में फंसाया जाने लगा। इस पूरे नेटवर्क में यूट्यूब चैनलों पर फर्जी प्रोफाइल और फोटो अपलोड किए जाते थे। फर्जी जीमेल आईडी और मोबाइल नंबरों से संपर्क किया जाता था और पहले बायोडाटा मंगाकर रजिस्ट्रेशन फीस यूपीआई से ली जाती थी। फिर दूसरे चरण में मीटिंग और बातचीत के नाम पर अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता था। शुल्क के नाम पर व्हाट्सएप क्यूआर कोड के जरिए लगातार पैसे ट्रांसफर कराए जाते थे। पैसे वसूलने के बाद पीड़ितों से संपर्क तोड़ दिया जाता था और 'रिश्ता पसंद नहीं आया' कहकर नए लोगों को निशाना बनाया जाता था।

छापेमारी में मिले अहम सबूत

पुलिस कार्रवाई के दौरान लैपटॉप से फोटोशॉप के जरिए दस्तावेजों में छेड़छाड़ के प्रमाण विभिन्न विभागों की फर्जी सील और मुहरें भी बरामद हुई है। संदिग्ध डिजिटल डेटा और फाइलें भी जब्त की गई है। इसके अलावा एक अन्य संस्था पर भी दबिश दी गई, जहां संचालक ने इस नेटवर्क से जुड़ाव की बात स्वीकार की है।

पुलिस जांच तेज, बड़ा नेटवर्क होने की आशंका

पुलिस का मानना है कि यह सिर्फएक छोटा गिरोह नहीं, बल्कि एक संगठित साइबर फ्रॉड नेटवर्क है, जिसमें कई लोग शामिल हो सकते हैं। सभी डिजिटल साक्ष्यों को जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। एसएसपी शशिमोहन सिंह ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि ऑनलाइन मैट्रिमोनियल या सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए होने वाली ठगी से सावधान रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महिला आरक्षण से आधी आबादी को मिलेगा उनका पूरा हक, निर्णय प्रक्रिया में बढ़ेगी भागीदारी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में नई दिल्ली के विज्ञान भवन से प्रसारित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन को सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह देश की मातृशक्ति के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी एवं सशक्त बनाने की दिशा में निर्णायक साबित होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'पंचायत से पार्लियामेंट तक' नारी की भागीदारी सुनिश्चित करने का यह प्रयास नए भारत की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण को रेखांकित किया कि निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सीधी भागीदारी ही विकसित भारत की सशक्त नींव है। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर होने वाली चर्चा इस ऐतिहासिक पहल को मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा में नारी को सदैव उच्च स्थान दिया गया है। वैदिक काल से लेकर वर्तमान समय तक महिलाओं की भूमिका समाज के निर्माण और विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। हमारी डबल इंजन सरकार की विभिन्न योजनाओं ने इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में सशक्त रूप दिया है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला है, जिसका सकारात्मक प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। साथ ही 'महतारी वंदन योजना' जैसी पहल माताओं-बहनों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ बना रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि जब देश में महिला आरक्षण पर ऐतिहासिक चर्चा हो रही है, उसी समय छत्तीसगढ़ 'महतारी गौरव वर्ष' मना रहा है। उन्होंने कहा कि 'छत्तीसगढ़ महतारी' का सम्मान और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी प्रदेश की पहचान बन चुकी है। उन्होंने प्रदेश की मातृशक्ति और महिला संगठनों से आह्वान किया कि वे हर मंच पर अपनी आवाज़ बुलंद करें और इस परिवर्तन यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि महिलाओं की बढ़ती सहभागिता से लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा तथा समाज में सकारात्मक बदलाव की नई दिशा स्थापित होगी।मुख्यमंत्री साय ने अंत में कहा कि जब नारी सशक्त होती है, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। यह समय देश की आधी आबादी को उनका पूरा अधिकार दिलाने और उन्हें विकास की मुख्यधारा में निर्णायक भूमिका देने का है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उपलब्धि

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया देश का मान

DIG संतोष कुमार सिंह की पुस्तक को मिली सराहना

नई दिल्ली/रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) डॉ. संतोष कुमार सिंह को उनकी शोधपरक पुस्तक के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सराहना मिली है। उनकी पुस्तक को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) कार्यालय से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए हैं, जिसे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधान सचिव-2 शशिकांत दास ने 12 मार्च 2026 को भेजे अपने पत्र में डॉ. सिंह को उनकी पुस्तक "Institutionalization of PeacebuildingÑ Functioning of United Nations Peacebuilding Commission in Sierra Leone & Burundi" के लिए धन्यवाद देते हुए बधाई दी। उन्होंने लिखा कि यह पुस्तक अंतरराष्ट्रीय शांति स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सार्थक योगदान है। उन्होंने डॉ. सिंह के समर्पण और गहन अध्ययन की सराहना करते हुए इसे एक महत्वपूर्ण प्रकाशन बताया।

इसके अलावा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 23 मार्च 2026 को भेजे अपने पत्र में पुस्तक को अत्यंत

शोधपूर्ण और विश्लेषणात्मक बताया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक संयुक्त राष्ट्र के पीसबिल्डिंग कमीशन की कार्यप्रणाली, उसके संस्थागत ढांचे और शांति स्थापना में उसकी भूमिका को गहराई से समझाती है।

अजीत डोभाल ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि पुस्तक में विशेष रूप से सिएरा लियोन और बुरुंडी जैसे देशों में संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयासों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है, जो वैश्विक शांति और सुरक्षा व्यवस्था को समझने में सहायक है। उन्होंने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित अंतरराष्ट्रीय शांति स्थापना तंत्र को वर्तमान वैश्विक संघर्षों और चुनौतियों के संदर्भ में समझने के लिए इस तरह के अध्ययन अत्यंत उपयोगी हैं।

दोनों उच्च स्तरीय अधिकारियों ने डॉ. सिंह के इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए उनके अकादमिक और पेशेवर जीवन में निरंतर सफलता की कामना की है।

गौरतलब है कि डॉ. संतोष कुमार सिंह वर्तमान में सीआईएसएफ मुख्यालय, दिल्ली में डीआइजी के पद पर पदस्थ हैं। उनकी इस उपलब्धि को न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण माना जा रहा है। उनकी पुस्तक अंतरराष्ट्रीय संबंधों, शांति स्थापना और संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली पर शोध करने वाले विद्यार्थियों और विशेषज्ञों के लिए भी उपयोगी मानी जा रही है।

जर्जर मकान की दीवार गिरने से मासूम बच्चे की मौत, परिवार में शोक

तखतपुर, प्रातःकिरण। क्षेत्र के ग्राम पंचायत केकती में आज एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां जर्जर कच्चे मकान की दीवार अचानक गिरी, जिससे मलबे में दबकर दस वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान महेंद्र कश्यप पिता बलदाऊ कश्यप केकती निवासी के रूप में पहचान हुई है। जानकारी के अनुसार, मकान काफी समय से जर्जर स्थिति में था। अचानक दीवार गिरने से बालक उसके नीचे दब गया, जिससे उसकी जान चली गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सुरों की अमर सरगमः आशा भोसले का अविस्मरणीय, अनूठा और यादगार सफर

सुनील कुमार महला

मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले का 12 अप्रैल 2026 को 92 वर्ष की आयु में कार्डियक अरेस्ट के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार चेस्ट इंफेक्शन और अत्यधिक थकान के कारण उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उनके निधन के साथ ही हिंदी सिनेमा का एक स्वर्णिम और सुरम्य अध्याय समाप्त हो गया। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर, जिन्हें ह्यभारत कोकिला/स्वर कोकिलाह्न कहा जाता है, का निधन 6 फरवरी 2022 को रविवार के दिन, 92 वर्ष की आयु में इसी अस्पताल में हुआ था। एक मार्मिक संयोग यह भी रहा कि ठीक लगभग चार वर्ष बाद, 22 अप्रैल 2026 को रविवार के दिन ही आशा भोसले ने भी 92वें वर्ष में उसी अस्पताल में अंतिम सांस ली। 8 सितम्बर 1933 को सांगली(महाराष्ट्र) में जन्मी आशा जी, महान शास्त्रीय गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। उनके परिवार में उषा मंगेशकर, मीना खाडिकर और हृदयनाथ मंगेशकर जैसे प्रतिभाशाली सदस्य भी संगीत साधना से जुड़े रहे। पिता के असमय निधन के बाद उन्होंने बहुत कम उम्र में ही परिवार की जिम्मेदारियां संभालीं और परिस्थितियोंवश गायन को अपनाया-इसी कारण वे स्वयं को एक्सीडेंटल सिंगर भी कहा करती थीं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि अपने विलक्षण और दीर्घ करियर में आशा भोसले ने 20 से अधिक भाषाओं में लगभग 12,000 से भी अधिक गीत गाए और 1000 से अधिक फिल्मों में अपनी आवाज दी और इस अद्वितीय,अनूठी व शानदार उपलब्धि के लिए वर्ष 2011 में उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। शास्त्रीय संगीत की सुदृढ़ नींव पर आधारित उनकी गायकी ने गजल, भजन, पॉप, कैबरे और पश्चिमी संगीत तक हर विधा में अपना जादू बिखेरा। उनकी वॉइस मॉड्यूलेशन की अद्भुत क्षमता-भाव, लय और शब्द के अनुरूप आवाज को ढाल लेने की कला-उन्हें अपने समय की सबसे बहुमुखी और प्रयोगशील गायिकाओं में स्थापित करती है। उनके निजी जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए। उनका पहला विवाह गणपत राव भोसले से हुआ, जो सफल नहीं रहा। बाद में उन्होंने 1980 में प्रसिद्ध संगीतकार आर. डी. बर्मन (पंचम दा) से विवाह किया। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि पंचम दा उनसे लगभग छह वर्ष छोटे थे। वे पहली बार आशा जी से ऑटोग्राफ लेने आए थे और बाद में विवाह का प्रस्ताव रखा। प्रारंभ में आशा जी ने इसे अस्वीकार किया, किंतु अंततः यह संबंध जीवन और संगीत-दोनों में अमर सिद्ध हुआ। इस जोड़ी ने हिंदी फिल्म संगीत को अनेक कालजयी गीत दिए। इसके अतिरिक्त, संगीतकार ओ. पी. नैयर के साथ उनकी जोड़ी भी अत्यंत लोकप्रिय रही; नैयर साहब उनकी आवाज की ह्यअदाह्न और ह्यनमकह्न के इतने प्रशंसक थे कि उन्होंने कभी लता मंगेशकर से गीत नहीं गवाए। उल्लेखनीय है कि आशा भोसले को फिल्म उमराव जान (1981) की गजलों के लिए अपना पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिससे यह सिद्ध हो गया कि वे केवल चंचल या कैबरे गीतों तक सीमित नहीं थीं, बल्कि गंभीर और शास्त्रीय विधाओं में भी उतनी ही समर्थ थीं। इतना ही नहीं, वर्ष 2000 में उन्हें प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और वर्ष 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उन्होंने एस. डी. बर्मन, ए. आर. रहमान और किशोर कुमार जैसे महान कलाकारों के साथ अनगिनत लोकप्रिय गीत दिए। 62 वर्ष की आयु में फिल्म रंगीला के तन्हा तन्हा और रंगीला रे जैसे गीतों ने यह सिद्ध कर दिया कि उनकी आवाज में युवाओं जैसी ऊर्जा आजीवन बनी रही। आओ हुजूर तुमको (फिल्म किस्मत) जैसे गीतों में उनका सहज, बिना रिहर्सल का भाव-संयोजन आज भी मिसाल माना जाता है। हाल फिलहाल,यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि गायन के अतिरिक्त उन्होंने अभिनय(एक्टिंग) में भी रुचि दिखाई और 2013 में फिल्म माई से मुख्य अभिनेत्री के रूप में पदार्पण किया। वे उत्कृष्ट पाक-शैली की शौकीन थीं; उनका कहना था कि यदि वे गायिका न होतीं, तो एक बेहतरीन कुक बनतीं। कहते हैं कि उनके हाथ का कढ़ाई गोश्त और मछली किशोर कुमार और आर. डी. बर्मन जैसे दिग्गजों के बीच बेहद लोकप्रिय था। उनके नाम से आशाज रेस्टोरेंट श्रृंखला दुबई, कुवैत, बहरीन और यूनाइटेड किंगडम में प्रसिद्ध रही, जो उनकी व्यावसायिक समझ का भी प्रमाण है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली के साथ उन्होंने-यू आर द वन फोर मी गीत गाया। वर्ष 2005 में- यू हैव स्टोलन माई हर्ट एल्बम क्रोनोस क्वार्टेट के साथ रिकॉर्ड किया, जो ग्रैमी पुरस्कारों के लिए नामांकित हुआ। यहां यह उल्लेखनीय है कि वे ग्रैमी के लिए नामांकित होने वाली अग्रणी भारतीय गायिकाओं में शामिल रहीं। उन्होंने अंग्रेजी, रूसी, मलय और चेक जैसी विदेशी भाषाओं में भी गीत गाए, जिनमें उनका उच्चारण अत्यंत सटीक था। साथ ही, वे मिमिक्री कला में भी निपुण थीं। उनका व्यक्तिगत जीवन भी गहरे दुखों से गुजरा।

भारतीय पार्श्व गायन की बेजोड़ मलिका आशा भोसले

आशालाता गणपत भोसले (जन्म आशालाता दीनानाथ मंगेशकर; 8 सितंबर 1933 12 अप्रैल 2026) एक भारतीय पार्श्व गायिका, व्यवसायी, अभिनेत्री और टेलीविजन हस्ती थीं, जिन्होंने मुख्य रूप से भारतीय सिनेमा में काम किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, उन्हें मीडिया में हिंदी सिनेमा की सबसे महान और सबसे प्रभावशाली गायिकाओं में से एक के रूप में वर्णित किया गया था। आठ दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए और कई पुरस्कार जीते, जिनमें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार इऋखअ पुरस्कार, अठारह महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार, नौ फिल्मफेयर पुरस्कार (एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित) और सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए रिकॉर्ड सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं; इसके अलावा उन्हें दो ग्रैमी नामांकन भी मिले। वर्ष 2000 में, उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो सिनेमा के क्षेत्र में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है। वर्ष 2008 में, भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया, जो देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने वर्ष 2011 में उन्हें संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के रूप में मान्यता दी।

संजय गोस्वामी

(लेखक)

आशा भोंसले ने अपने जीवन में निजी त्रासदियों, विशेषकर अपने बच्चों के निधन (2012 में बेटी वर्षा और 2015 में बेटे आनंद) के बाद, अकेलेपन और दुख से उबरने के लिए ईश्वर और आध्यात्मिकता का सहारा लिया। उन्होंने भक्ति संगीत में शांति पाई और ध्यान व क्रिया का नियमित अभ्यास किया।आशालाता गणपत भोसले (जन्म आशालाता दीनानाथ मंगेशकर; 8 सितंबर 1933 12 अप्रैल 2026) एक भारतीय पार्श्व गायिका, व्यवसायी, अभिनेत्री और टेलीविजन हस्ती थीं, जिन्होंने मुख्य रूप से भारतीय सिनेमा में काम किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, उन्हें मीडिया में हिंदी सिनेमा की सबसे महान और सबसे प्रभावशाली गायिकाओं में से एक के रूप में वर्णित किया गया था। आठ दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए और कई पुरस्कार जीते, जिनमें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार इऋखअ पुरस्कार, अठारह महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार, नौ फिल्मफेयर पुरस्कार (एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित) और सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए रिकॉर्ड सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं; इसके अलावा उन्हें दो ग्रैमी नामांकन भी मिले। वर्ष 2000 में, उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो सिनेमा के क्षेत्र में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है। वर्ष 2008 में, भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया, जो देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने वर्ष 2011 में उन्हें संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के रूप में मान्यता दी। भोसले पार्श्व गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं और प्रतिष्ठित मंगेशकर परिवार से ताल्लुक रखती थीं। अपनी सोप्रानो (ऊंची) आवाज की रेंज के लिए मशहूर और अक्सर अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए सराही जाने वाली, उनके काम में फिल्मी संगीत, पॉप, गजल, भजन, पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक गीत, कव्वाली और रवींद्र संगीत शामिल थे। हिंदी के अलावा, उन्होंने 20 से अधिक भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गाए थे। वर्ष 2013 में, उन्होंने माई (ट्रं) फिल्म में एक अभिनेत्री के रूप में अपना डेब्यू किया और अपने अभिनय के लिए आलोचकों की प्रशंसा प्राप्त की। वर्ष 2006 में, उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने करियर में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं, एक ऐसा आंकड़ा जिसे कई अन्य स्त्रोतों द्वारा भी दोहराया गया है। शुरूआती जीवन में आशा लता दीनानाथ मंगेशकर का जन्म सांगली के छोटे से गाँव गोअर में हुआ था। उस समय यह सांगली रियासत (अब महाराष्ट्र में) का हिस्सा था। उनका जन्म पंडित दीनानाथ मंगेशकर के संगीत-प्रेमी परिवार में हुआ था; दीनानाथ मराठी और कोंकणी मूल के थे, और उनकी पत्नी शेवंती गुजराती थीं। दीनानाथ मराठी संगीत मंच के एक अभिनेता और शास्त्रीय गायक थे। जब भोसले नौ साल की थीं, तब उनके पिता का निधन हो गया। इसके बाद उनका परिवार पुणे से कोल्हापुर और फिर मुंबई चला गया। अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए उन्होंने और उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर ने फि ल्मों में गाना और अभिनय करना शुरू कर दिया। उन्होंने अपना पहला फि ल्मी गीत चला चला नव बाला 1943 में आई मराठी फि ल्म माझा बाल के लिए गाया था। इस फि ल्म का संगीत दत्ता दावजेकर ने तैयार किया था। हिंदी फि ल्मों में उनकी शुरूआत तब हुई, जब उन्होंने हंसराज बहल की फि ल्म चुनरिया (1948) के लिए सावन आया गीत गाया; हालाँकि, उसी साल चुनरिया से पहले एक और फि ल्म अंधों की दुनिया रिलीज हुई थी; इन दोनों ही फि ल्मों में उन्होंने तीन-तीन गीत गाए थे। उनका पहला एकल हिंदी फि ल्मी गीत फि ल्म रात की रानी (1949) के लिए था। असमिया फि ल्मों में उनकी शुरूआत 1969 में हुई, जब उन्होंने किशोर कुमार और डॉ. भूपेन हजारिका के साथ मिलकर फि ल्म सिकिमिकि बिजुली के लिए पोखिराज घोरा गीत गाया।भोसले खुद को एक इत्तेफाकी गायिका मानती थीं, जिन्होंने अपने पिता दीनानाथ मंगेशकर, उनके शिष्यों और अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर को गाते हुए ध्यान से सुनकर ही गाना सीखा था। उम्र चाहे जो भी रही हो, उन्होंने रोजाना रियाज (अभ्यास) करना कभी नहीं छोड़ा; उनका कहना था कि उनके लिए संगीत साँस लेने जितना ही जरूरी है।उनकी बहनें, लता और उषा मंगेशकर, भी पार्श्व गायिकाएँ रही हैं। उनकी बड़ी बहन मीना मंगेशकर और छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर संगीत निर्देशक हैं।1940 के दशक के आखिर से लेकर 1950 के दशक की शुरूआत तक, गीता दत्त, शमशाद बेगम और लता मंगेशकर जैसी जानी-मानी पार्श्व गायिकाओं का ही बोलबाला था; वे ही फि ल्मों की मुख्य अभिनेत्रियों और बड़ी फि ल्मों के लिए गाने गाती थीं। 1950 के दशक में, भोसले ने हिंदी फि ल्मों में ज्यादातर प्लेबैक सिंगर्स से ज्यादा गाने गाए। इनमें से ज्यादातर गाने कम बजट वाली फि ल्मों में थे। उनके शुरूआती गाने ए. आर. कुरैशी, सज्जाद हुसैन, एस. मोहिंदर, सरदार मलिक, गुलाम मोहम्मद और कुछ अन्य लोगों ने कंपोज किए थे।[सज्जाद हुसैन द्वारा कंपोज की गई फि ल्म संगदिल (1952) में गाने से उन्हें काफी पहचान मिली। उसी साल, फि ल्म छम छमा छम में ओ. पी. नैयर के निर्देशन में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उस फि ल्म के 11 में से 10 गाने गाए।

क्या सभ्यताओं का संघर्ष है अमेरिका+इजराइल-ईरान युद्ध ?

कुछ का मत है कि यह शस्त्र निमार्ता देशों द्वारा अपने हथियार बेचने व खपाने की खातिर लड़ा जा रहा युद्ध है। कुछ इस युद्ध को इस्राईल की गहरी चाल बता रहे हैं क्योंकि इस्राईल ईरान को अपने सपनों के ग्रेटर इस्राईल के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा समझता है। जबकि कुछ इस युद्ध को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े युद्ध के नजरिये से भी देख रहे हैं। तो क्या इस युद्ध को अन्य कारणों के अतिरिक्त ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्ष की अवधारणा के रूप में भी देखा जा सकता है ? क्या है और कहाँ से शुरू हुई सभ्यताओं का संघर्ष की यह अवधारणा ? दरअसल सबसे पहले यह विचार सैमुअल पी. हंटिंगटन ने 1993 में फॉरेन अफेयर्स पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन ?ह्न के माध्यम से व्यक्त किये थे। बाद में उनके यही विचार 1996 में उनकी चर्चित पुस्तक द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन एंड द रिमेकिंग ऑफ वर्ल्ड आर्डर में प्रस्तुत किये गये। सैमुअल पी. हंटिंगटन राजनीति शास्त्र के एक प्रमुख अमेरिकी विद्वान और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे।

तनवीर जाफरी

लेखक

अमेरिका -इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध को विश्व राजनीति में अनेक दृष्टिकोणों से परिभाषित किया जा रहा है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों की राय है कि यह युद्ध अमेरिका द्वारा विश्व की तेल संपदा पर नियंत्रण करने की एक जानी पहचानी चाल है जिसे ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने के प्रयासों के बहाने युद्ध के रूप में अंजाम दिया जा रहा है। कुछ का मत है कि यह शस्त्र निमार्ता देशों द्वारा अपने हथियार बेचने व खपाने की खातिर लड़ा जा रहा युद्ध है। कुछ इस युद्ध को इस्राईल की गहरी चाल बता रहे हैं क्योंकि इस्राईल ईरान को अपने सपनों के ग्रेटर इस्राईल के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा समझता है। जबकि कुछ इस युद्ध को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े युद्ध के नजरिये से भी देख रहे हैं। तो क्या इस युद्ध को अन्य कारणों के अतिरिक्त ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्ष की अवधारणा के रूप में भी देखा जा सकता है ? क्या है और कहाँ से शुरू हुई सभ्यताओं का संघर्ष की यह अवधारणा ? दरअसल सबसे पहले यह विचार सैमुअल पी. हंटिंगटन ने 1993 में फॉरेन अफेयर्स पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन ?ह्न के माध्यम से व्यक्त किये थे। बाद में उनके यही विचार 1996 में उनकी चर्चित पुस्तक द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन एंड द रिमेकिंग ऑफ वर्ल्ड आर्डर में प्रस्तुत किये गये। सैमुअल पी. हंटिंगटन राजनीति शास्त्र के एक प्रमुख अमेरिकी विद्वान और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे। उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में लगभग 58 वर्ष तक अध्यापन का कार्य किया। सभ्यताओं के संघर्ष का सिद्धांत उन्हीं के द्वारा व्यक्त किया गया विचार है जिसे हंटिंगटन के सिद्धांत के रूप में भी जाना जाता है। यह थ्योरी अमेरिका में हुये 9/11 के हमलों के बाद और भी चर्चित हुई और आज भी अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में इसका समय समय पर जिक्र होता रहता है। वर्तमान अमेरिका -इस्राईल -ईरान युद्ध के दौरान इसतरह की चर्चा एक बार फिर तेज हो गयी है। तो क्या अमेरिका द्वारा मध्य एशिया पर थोपी गयी जंग को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ी दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्षह्न के रूप में परभाषित किया जा सकता है या परिभाषित किया जाना चाहिए ? सबसे पहले तो यदि मुख्य रूप से मध्य एशिया में युद्धरत इन तीन देशों को ही देखें तो ईरान जहाँ शिया मुस्लिम बाहुल्य देश है वहीँ इस्राइल एक यहूदी बाहुल्य मुल्क है जबकि युद्ध में उसका मुख्य सहयोगी अमेरिका एक ईसाई देश है। परन्तु इन तीनों ही देशों की सेनाओं में प्रत्येक धर्मों के लोग देखे जा सकते हैं। जहाँ इस्राईल की सेना इस्राईल डिफेंस फोर्सेज क्ळ्रमें आज भी अरब व ईसाई मूल के लोग बड़ी संख्या में स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं वहीँ अमेरिका में भी हजारों मुस्लिम अमेरिकी सेना का हिस्सा हैं। यहाँ तक कि अमेरिका में कई महत्वपूर्ण अधिकारी स्तर के पदों पर भी कई मुस्लिम तैनात हैं। आई डी एफ व यू एस मिलिट्री दोनों ही जगह मुस्लिम सैनिकों को नमाज,रोजा व हलाल खाने जैसे सभी धार्मिक अधिकार व सुविधायें हासिल हैं। इसी तरह ईरान की सेना में भी ईसाई और यहूदी दोनों ही मूल के सैनिक कार्यरत हैं। वैसे भी चूँकि ईरान में 18 वर्ष से ऊपर के सभी पुरुष नागरिकों के लिए 2 साल की अनिवार्य सैन्य सेवा है, जिसमें ईसाई,आर्मेनियन और असिरियन, यहूदी और जोरोस्ट्रियन जैसे सभी मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। पिछले दिनों अमेरिका ईरान युद्ध के दौरान भी एक ईसाई ईरानी सैनिक के शहीद होने पर ईरानी सत्ता प्रमुख स्व सैय्यद अली खामनेई ने उस ईसाई फौजी अधिकारी के घर पहुंचकर उसके परिवार को सांत्वना दी थी जिसकी वीडिओ काफी वायरल हुई थी। अब यदि इसी मध्य एशिया युद्ध को और बड़े सन्दर्भ में देखें तो भी हमें ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता जिससे इसे ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े सभ्यताओं के संघर्षह्न के रूप में वर्णित किया जा सके। वर्तमान ईरान यूएस इस्राईल युद्ध में ईरान को राजनयिक और राजनीतिक समर्थन देने वाले बड़े देशों में रूस का नाम प्रमुख रूप से लिया जा सकता है। रूस ने ईरान को वायु रक्षा, ड्रोन तकनीक और अन्य उपकरणों की आपूर्ति की जिससे ईरान को आत्मरक्षा में भी आसानी हुई और वह इस्राईल व अमेरिकी ठिकानों पर भी कारगर हमले कर सका। जबकि रूस में भी सबसे बड़ा धर्म ईसाई धर्म है। खास तौर पर यहां रूढ़िवादी ईसाई रूस की कुल आबादी का लगभग 60झ्र70% हैं। यदि यह युद्ध सभ्यताओं का संघर्ष होता तो उस लिहाज से रूस ईसाई बाहुल्य अमेरिका के साथ खड़ा नजर आता न कि मुस्लिम बाहुल्य देश ईरान के साथ ? इसी तरह चीन ने भी इस युद्ध के दौरान आयरन डोम से लेकर अत्याधुनिक संचार व सूचना प्रणाली तक सब कुछ मुहैय्या कराया। यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी रूस व चीन ईरान के साथ मजबूती से खड़े रहे। चीन भी आधिकारिक तौर पर एक नास्तिक व धर्म निरपेक्ष देश है परन्तु यहाँ सबसे बड़ी धार्मिक आबादी बौद्ध धर्म, ताओवाद और कन्फ़्यूज़ियसवाद के अनुयायियों की है। इनमें से किसी वर्ग का इस्लाम से कोई मेल नहीं खाता। फिर भी चीन ईरान के साथ डटकर खड़ा रहा। इसके अतिरिक्त फ्रांस,स्पेन,इटली जैसे कई ईसाई बाहुल्य देशों ने ईरान पर अमेरिकी हमलों की आलोचना कर यह जता दिया कि यह ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ा दो अलग अलग सभ्यताओं का संघर्ष कतई नहीं। इसी तरह सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,बहरीन,कतर,कुवैत,जॉर्डन ,मिस्त्र व मोरक्को जैसे अनेक मुस्लिम बाहुल्य देशों ने परोक्ष या अपरोक्ष रूप से यहाँ तक कि अपने देशों में अमेरिकी व अन्य पश्चिमी देशों के सैन्य अड्डे उपलब्ध कराकर ईरान की खुलकर मुखालिफत भी की।

डॉ. अंबेडकरः जातियों के खांचों से कहीं बड़ा है इस राष्ट्र-शिल्पी का कद

दिलीप कुमार पाठक

प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल का सूर्य जब भारतीय क्षितिज पर उदय होता है, तो वह केवल एक महापुरुष की जन्मतिथि का संदेश नहीं लाता, बल्कि उस महान संकल्प का स्मरण कराता है जिसने आधुनिक भारत की नियति लिखी थी। डॉ. भीमराव अंबेडकर - एक ऐसा नाम, जो आज भारतीय जनमानस की चेतना में गहराई तक रचा-बसा है। देश के हर कस्बे और चौराहे पर उनकी प्रतिमाएं जीवंत हैं, नीले झंडे लहरा रहे हैं और जयकारों के स्वर आसमान छू रहे हैं। लेकिन, इस भव्य उत्सव और कोलाहल के बीच एक अत्यंत गंभीर और चुभता हुआ प्रश्न मौन खड़ा है क्या हमने वाकई उस इंसान को समझा, जिसने अपना पूरा जीवन न्याय, समता और मानवता की वेदी पर होम कर दिया? या फिर हमने अपनी सुविधा और संकुचित सोच के अनुसार उनकी विरासत के टुकड़े-टुकड़े कर दिए हैं?

डॉ. अंबेडकर की शख्सियत का असली करिश्मा उनकी अद्भुत विद्वत्ता, फौलादी इरादों और सबसे बढ़कर उनके अडिग नैतिक साहस में छिपा था। वे केवल एक संविधान निमार्ता या कानूनविद नहीं थे; वे एक ऐसे युगद्रष्टा थे जिनके पास भविष्य के भारत का पूर्ण खाका तैयार था। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से शिक्षित उस व्यक्ति के पास दुनिया के किसी भी कोने में ऐश्वर्यपूर्ण जीवन जीने के विकल्प खुले थे, लेकिन उन्होंने उस कांटों भरे मार्ग को चुना जो अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की मुक्ति की ओर जाता था। उनके व्यक्तिगत जीवन में सामाजिक अपमान के अनगिनत गहरे घाव थे, लेकिन जब उन्हें देश का भाग्य लिखने की कलम मिली, तो उन्होंने बदला नहीं, बल्कि बदलाव की इबारत लिखी। उन्होंने एक ऐसी व्यवस्था की नींव रखी जहाँ किसी के साथ भी अन्याय न हो—चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या वर्ग का क्यों न हो। किन्तु, कड़वा सच तो यह है कि बाबा साहब की विराट विरासत के साथ सबसे बड़ा अन्याय यह हुआ कि उन्हें जातियों के खांचों में कैद करने की निरंतर कोशिश की गई। समाज का एक बड़ा हिस्सा उन्हें केवल एक विशिष्ट समुदाय का मसीहा मानकर अपनी भावनात्मक सीमाओं में सीमित कर बैठा। उन्होंने बाबा साहब को पूजा तो सही, लेकिन उनके उन तार्किक और प्रगतिशील विचारों को आचरण में नहीं उतारा जो अंधविश्वास और रूढ़ियों के कट्टर विरोधी थे। दूसरी ओर, मुख्यधारा के एक बड़े वर्ग ने दशकों तक उन्हें केवल दलितों का नेता मानकर उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखी। यह बौद्धिक दरिद्रता ही थी कि समाज यह नहीं समझ पाया कि डॉ. अंबेडकर द्वारा दिलाए गए अधिकार सार्वभौमिक थे। जब उन्होंने हिंदू कोड बिल के लिए अपनी कैबिनेट की कुर्सी दांव पर लगाई, तो उनका लक्ष्य समूचे भारत की नारी शक्ति को सशक्त बनाना था। अफसोस कि उन्हें एक पक्ष ने सिर्फ अपना माना और दूसरे ने पराया, जबकि वास्तविकता में वे पूरे राष्ट्र के थे। आज की समकालीन राजनीति में डॉ. अंबेडकर एक अनिवार्य प्रतीक बन चुके हैं। सत्ता की बिसात पर हर राजनीतिक दल उन्हें अपना बताने की होड़ में है, लेकिन यह लगाव सिद्धांतों से ज्यादा वोटबैंक के गणित से प्रेरित है। उनके नाम पर भव्य रैलियां और विज्ञापन तो बहुत हैं, पर क्या हम उनके शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के मंत्र को जी रहे हैं?

हिन्दू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म अंगीकार कर मैं बहुत प्रसन्न हूं : डॉ अम्बेडकर

एल. एस. हरदेनिया

मैं आज बहुत ही प्रफुल्लित हूं। मैं जरूरत से ज्यादा प्रसन्न हूं। मैंने जिस क्षण हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया है मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने नर्क से मुक्ति पा ली है। ये शब्द डॉ. अम्बेडकर के उस भाषण के हैं जो उन्होंने हिन्दू धर्म को त्यागकर बौद्ध धर्म को स्वीकार करते हुए दिया था। उन्होंने अपने भाषण में याद दिलाया कि सन 1935 में हमने हिन्दू धर्म त्यागने का आंदोलन प्रारंभ किया था। उसी दरम्यान मैंने यह फैसला किया था कि मैं हिन्दू पैदा हुआ था परंतु मैं हिन्दू के रूप में मरूंगा नहीं। मैंने कल यह सही साबित कर दिया। आज में अत्यंत प्रसन्न हूं। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने हिन्दू रूपी नर्क से मुक्ति पा ली है। नागपुर में सन 1956 के 15 अक्टूबर को अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ अम्बेडकर ने कहा ह्यह्यमुझे यह जानकर आश्चर्य है कि हर जगह यह बातचीत चल रही है कि मैं धर्म परिवर्तन कर रहा हूं। पर कोई यह नहीं पूछ रहा कि मैं हिन्दू धर्म छोड़कर कौनसा धर्म स्वीकार कर रहा हूं। मेरा उत्तर है कि मैं बौद्ध धर्म अंगीकार कर रहा हूं। मैं क्यों बौद्ध धर्म को स्वीकार कर रहा हूं? मैंने बहुत पहले हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय ले लिया था क्योंकि मैंने हिन्दू समाज में अत्यधिक अपमान का जीवन जिया था। मेरे पिता बहुत गरीब थे। शायद किसी और व्यक्ति ने इतना कठिन जीवन जिया हो जितना मैंने जिया। मैने यह महसूस किया कि भैंस, बैल और इंसान में अंतर है। भैंस और बैल को प्रतिदिन भुसा चाहिए। खाना तो इंसान को भी चाहिए। परंतु एक अंतर है। वह यह कि इंसान के पास मस्तिष्क है। मस्तिष्क के विकास के लिए सांस्कृतिक वातावरण चाहिए। समाज में पूछा जाता है अरे यह महार है। यह नीच महार प्रथम दर्जा चाहता है। इसे तीसरे दर्जे में रहना चाहिए। प्रथम दर्जे में रहने का अधिकार तो ब्राम्हण को है। ऐसी स्थिति में महार का विकास कैसे हो सकता है। ऐसा वातावरण बना दिया गया जिसमें महार के दिमाग का विकास संभव नहीं। मेरा ही उदाहरण लें। मुझे स्कूल में बिना पानी के रहना पड़ता था। मैं एक ही कपड़े में स्कूल जाता था हिन्दू समाज को चार वर्णों में बांटा गया था। मनुस्मृति में ऐसा विभाजन किया गया है। हिन्दू समाज में जो हमें नीचे दर्जे में रखते हैं वे स्वयं भी एक दिन नष्ट हो जाते हैं। हिन्दू धर्म में रहकर कोई भी विकास नहीं कर सकता। वह धर्म ही ऐसा है जिसमें सभी के लिए विकास के दरवाजे बंद रहते हैं। हिन्दू धर्म विध्वंस का धर्म है। जब ब्राम्हण मां बच्चे को जन्म देती है तो सोचती है उसका बेटा जज बनेगा। परंतु जब महार मां बच्चे को जन्म देती है तो वह सोचती है कि उसका बच्चा सड़क झाड़ने वाला मेहतर बनेगा। वह सोच ही नहीं सकती कि उसका बच्च जज बनेगा। ईसाई धर्म बुनियादी रूप से गरीबों का धर्म है। इसी तरह बौद्ध धर्म महारों का धर्म है। ब्राम्हण लोग गौतम बुद्ध को ह्यवो गौतम कहकर पुकारते थे। हमने बौद्ध धर्म अंगीकार करके एक नया रास्ता, एक नई मंजिल पाई है। यह उच्चता प्राप्त करने और प्रगति का धर्म है। यह रास्ता बाहर से नहीं आया है। यह हमारे देश का है। यह पूर्ण रूप से भारतीय है। मैं कभी-कभी सोचता हूं कि हम बौद्ध क्यों नहीं। क्या कारण था कि बौद्ध धर्म के अनुयायी भारत से आगे चले गए। कुछ तिब्बत चले गए, कुछ चीन चले गए। बौद्ध धर्म अंगीकार करते हुए हमें याद रखना चाहिए कि सारी दुनिया बौद्ध धर्म का सम्मान करती है। अमरीका में बौद्ध धर्म की 2000 संस्थाएं हैं। इसी तरह इंग्लैंड और जर्मनी में भी बौद्ध धर्म की हजारों संस्थाएं हैं। बौद्ध धर्म की मौलिक नींव क्या है। बौद्ध धर्म और अन्य धर्मों में क्या अंतर है? अन्य धर्मों के अनुसार सब कुछ ईश्वर ने बनाया है, आकाश, चन्द्रमा, सूर्य सब कुछ ईश्वर ने बनाया है। हमने इंसान के लिए कुछ नहीं छोड़ा है। बौद्ध धर्म में ईश्वर और आत्मा का कोई स्थान नहीं है। बुद्ध के अनुसार सारी दुनिया में दुःख है। बौद्ध धर्म का काम सारी मानवता को दुःख से उबारना है। कार्ल मार्क्स भी यही कहते हैं। उन्होंने जो कहा वह बुद्ध ने जो कहा उससे भिन्न नहीं है। हिन्दू धर्म की रचना ऐसी है जिसके चलते पिछले हजार वर्षों में हमारी जाति में एक भी ग्रेजुएट पैदा नहीं हुआ। यहां तक कि मेरी जाति के लोगों को पानी पीने को भी नहीं मिलता था। पानी पीने के लिए हमें स्कूल के चपरासी का सहारा लेना पड़ता था। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप बौद्ध धर्म का पालन ऐसे करें जिससे सब आपका सम्मान करें। आप लोग ऐसा कुछ न करें जिससे बौद्ध धर्म पर कोई आंच आए।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 14 अप्रैल, 2026

संक्षिप्त खबरें

60 वर्षीय अज्ञात घायल वृद्ध की मौत,संदिग्ध

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में खुखुन्दू चौराहे से लगभग 200 मीटर की दूरी पर एक अज्ञात लगभग 60 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से उसे अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि एंबुलेंस (108) के एमटी चालक रमेश व स्टाफ श्रीराम द्वारा घायल को तत्काल उपचार हेतु मेडिकल कालेज ले कर गए , लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की जेब से 380 रुपये नगद, एक चाबी व चुनौती नाम का पैकेट बरामद हुआ है, जिससे उसकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है। सीएमएस डा . एच के मिश्र ने बताया कि शव को मोर्चरी में रख कर पुलिस को सूचना दी गई हैं।

दो स्कूली बसें आपस में टकराई, सात बच्चे और चालक घायल

नोएडा। नोएडा में थाना दादरी क्षेत्र के रूप बांसगांव के पास सोमवार सुबह को दो स्कूली बसें आपस में टकरा गई। इस घटना में एक बस में सवार सात बच्चे और ड्राइवर को चोट आई है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई। एक लड़की उपचाराधीन है। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह को दो स्कूली बसें जिनमें एक बस रामाज्ञा स्कूल की खाली बस तथा दूसरी बस जीसस मैरी स्कूल की थी, जिसमें 25 बच्चे सवार थे। दोनों बसें आपस में टकरा गई। इस घटना में जीसस मैरी स्कूल की बस का ड्राइवर और उसमें सवार पीहू, शौर्य नागर, जानवी शुक्ला, अनीशा सहित सात बच्चे घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए मोहन स्वरूप अस्पताल धूम मानिकपुर गांव में भर्ती करवाया गया। उपचार के बाद छह बच्चों और ड्राइवर को अस्पताल से छुट्टी मिल गई, जबकि एक मासूम छह वर्षीय बच्ची पीहू अभी उपचाराधीन है। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी बच्चे कक्षा 1 से पांचवी कक्षा तक में पढ़ने वाले थे। बस में सवार बच्चों को उनके माता-पिता अपने घर ले गए। कुछ अन्य बच्चों को मामूली खरोंच आई है। किसी वजह से यह हादसा हुआ है इसकी जांच की जा रही है।

गौ सेवा काशी प्रांत का तीन दिवसीय निवासी प्रशिक्षण शिविर शुरू

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में रामबाग चुनार स्थित सुरभि शोध संस्थान मंच सोमवार से 15 अप्रैल तक गौ सेवा काशी प्रांत का तीन दिवसीय निवासी प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हो गया है। शिविर में गौ सेवा गतिविधि के अखिल भारतीय प्रशिक्षक प्रमुख के. ई. एन राघवन उपस्थित हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधि गौ सेवा के काशी प्रांत संयोजक अरविंद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर में प्रांत स्तरीय सभी कार्यकर्ता, विभाग संयोजक, प्रशिक्षण प्रमुख जिला संयोजक, प्रशिक्षण प्रमुख स्तर तक के कार्यकर्ता उपस्थित हैं। इस निवासी प्रशिक्षण शिविर में गाय के गोबर से बनने वाली सामग्री, गोमूत्र से जीवन को मिलने वाले लाभ, पौधों के जीवन में सुधार के लिए आवश्यक खाद इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर समापन के बाद यही दायित्व धारी कार्यकर्ता अपने नगर एवं जिला केंद्रों पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित कर एक-एक कार्यकर्ता को प्रशिक्षित करेंगे।

परिवार सबसे बड़ी पूंजी, मिल-बैठकर हल करें पारिवारिक समस्याएं : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने शिकायत लेकर पहुंचे लोगों को समझाया, घर के मामले घर में ही सुलझाना बेहतर

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सदैव कहते हैं कि 25 करोड़ प्रदेशवासी ही मेरा परिवार है। सोमवार को उन्होंने परिवार के मुखिया के रूप में इसे चरितार्थ भी किया। ह्यजनता दर्शनह्ण में आए प्रत्येक नागरिक से उन्होंने स्वयं मुलाकात की। सभी की शिकायतें सुनीं और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देश भी दिए। इस दौरान कई शिकायतें पारिवारिक विवाद से जुड़ी आईं, जिस पर मुख्यमंत्री ने सभी को समझाया और कहा कि परिवार सबसे बड़ी पूंजी होती है। समझदारी से पारिवारिक मामले मिल-बैठकर सुलझाएं। विश्वास करिए, बिखरने के बजाय परिवार एकजुट हो जाएगा और वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी भी एक रहेगी। अंतिम विकल्प में लें पुलिस-प्रशासन की मदद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पारिवारिक विवादों से जुड़ी सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना। फिर शिकायत लेकर आए लोगों ने कहा कि पारिवारिक झगड़ों में पुलिस-प्रशासन की सहायता लेना अंतिम विकल्प ही होना चाहिए। हमारे समाज में परिवार से बड़ी कोई पूंजी नहीं होती। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत भी है। श्रेयस्कर यही है कि घर के मामले घर में ही सुलझ जाएं। गलती परिवार के किसी भी सदस्य से हो सकती है, लेकिन थोड़ा समझदारी से काम लेंगे तो परिवार बिखरने से बच जाएगा। परिवार में थोड़ा झुकने से सम्मान कम नहीं होता। परिवार रूपी पूंजी को हर हाल में संभाल कर रखें। कोई भी दिक्कत है तो परिवार के बड़ों के साथ मिल-बैठकर हल करें। यदि किन्हीं कारणों से विवाद हल नहीं होता तो अंतिम विकल्प के रूप में शासन, प्रशासन या पुलिस की सहायता लें। तत्परता व संवेदनशीलता से हो जन समस्याओं का समाधान मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता व संवेदनशीलता के साथ कराया जाए। इसमें शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य है। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। अवैध कब्जा करने वाले बख्शे न जाएं उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले और कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया जन भवन के आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जन भवन में 517 लाख की लागत से आधुनिक सुविधायुक्त आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का उदघाटन किया। इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी वर्तमान पीढ़ी के ऊपर देश का भविष्य है। यह पीढ़ी जिन संस्थानों में शिक्षा अर्जित कर रही है, सबसे पहली आवश्यकता होती है कि उसके पास अपना भवन हो। राज्यपाल ने जनभवन में आदर्श माध्यमिक विद्यालय के रूप में अभिनव प्रयास को बढ़ाया है। यह माध्यमिक व बेसिक शिक्षा के लिए एक मॉडल भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप इस मॉडल को जनपदों से लोगों को बुलाकर दिखा सकते हैं। खासतौर पर मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय के जो मॉडल बन रहे हैं, उसमें इसको आप वहाँ स्वीकार करके आगे बढ़ा सकते हैं। इस भवन में पांच करोड़ 17 लाख रुपये कुल खर्च हुए हैं। उनमें चार करोड़ 70 लाख ही सरकार ने दिए हैं। शेष सीएसआर और राज्यपाल ने अलग से जुटाकर बनाया है। जो दिखेगा वही समाज में बिकेगा। जैसा हम प्रस्तुत करेंगे, वैसा ही लोग स्वीकार भी करेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भवन अच्छा और योग्य है, तो उसके अनुरूप शिक्षा का माहौल बनाने में मदद मिलेगी। यहां बच्चों के स्पोर्ट्स मीट होते हैं। यहां के बच्चों में अंदर विभिन्न गतिविधियों को देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के वह वैज्ञानिक जिन्होंने शून्य व खगोल की अद्भुत अवधारणाएं दीं, वह कोई और नहीं आर्यभट्ट थे। आकाश के रहस्यों को पहली बार उद्घाटित करने वाले वराहमिहिर थे। जो आज की सर्जरी है, केवल आयुर्वेद ही नहीं एलोपैथ भी जिन्हें आदर्श मानता है, वह सुश्रुत थे। आयुर्वेद को विज्ञान का स्वरूप कैसे दिया जाना चाहिए, यह चरक ने हमें बताया। जगदीश चन्द्र बसु ने विज्ञान में नए आयाम जोड़े। मनुष्य, जीव ही नहीं वनस्पति में भी जीव का अंश है। यह वैज्ञानिक बसु ने बताया। प्रकाश का रहस्य क्या होता है, यह सीवी रमन ने हमें बताया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह उपस्थित रहे।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने मातहतों की ली क्लास, पढ़ाया आपराधियों से निपटने का पाठ

प्रात : किरण संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने सोमवार को जनपद के समस्त अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी/थानाध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी अंबेडकर जयंती के दृष्टिगत सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा करना रहा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने, लगातार गश्त बढ़ाए तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही जनसंपर्क मजबूत करने, आयोजकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और किसी भी प्रकार की अफवाह पर त्वरित कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को सक्रिय रखने तथा आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए सभी इकाइयों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि कानून-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखें।

कानपुर किडनी कांड : फरार 25 हजार का इनामी डॉ रोहित गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में रावतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत निजी अस्पतालों में चल रहे किडनी ट्रांसप्लांट के नाम पर खरीद फिरोख्त सिंडिकेट मामले में फरार 25 हजार के इनामी फर्जी डॉ रोहित को पुलिस ने सोमवार गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे किए हैं। पुलिस उपायुक्त पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने किडनी कांड मामले में फरार इनामी डॉ रोहित की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम लगातार किडनी कांड मामले से जुड़े आरोपितों की तलाश कर रही थी। आज इस मामले से जुड़े अहम और मास्टर माइंट बताए जा रहे दिल्ली निवासी डॉ रोहित की गिरफ्तारी की गई है। उसे गिरफ्तार कर कानपुर लाया गया। जहां पर उससे पूछताछ जारी है। जांच में पुलिस को पता चला है कि किडनी कांड का आरोपित रोहित कोई डॉक्टर नहीं बल्कि 12वीं पास है और खुद को डॉक्टर बताता था। उससे पूछताछ के बाद जानकारी को पुलिस प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों से साझा करेंगे। उल्लेखनीय है कि कानपुर में अवैध रूप से चल रहे किडनी ट्रांसप्लांट के सिंडिकेट का कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने बीती 30 मार्च 2026 को खुलासा किया था। जांच में यह तथ्य सामने आए थे कि कल्याणपुर स्थित अहूजा हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट के नाम पर लोगों को बरगलाते हुए चंद पैसों का लालच देकर अमीरों को मंहगें दामों में लगाई (बेची)जाती थी। इस पूरे खेल में संलिप्त अहूजा हॉस्पिटल के मालिक दंपति डॉक्टर सुरजीत आहूजा और डॉ प्रीति आहूजा समेत नौ लोगों को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेज चुकी है। पुलिस जांच में यह सामने आया था दिल्ली निवासी डॉ रोहित इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड है। इसके अलावा मेरठ निवासी डॉ अफजल और दिल्ली का ही रहने वाला ओटी टेक्नीशियन मुदस्सर अली भी इस किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह के कर्ता-धर्ता हैं। पुलिस ने तीनों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया था। आज इस मामले में फरार इनामी रोहित की गिरफ्तारी पुलिस ने की है।

वेतन बढ़ाने को सड़क पर उतरे श्रमिकों का प्रदर्शन आगजनी, तोड़फोड़ और कई जगह लगाया जाम

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में वेतन बढ़ोतरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर गौतम बुद्ध नगर के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में बीते चार दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों का आंदोलन आज सोमवार को और उग्र हो गया। नोएडा के सेक्टर 63, सेक्टर 62, सेक्टर 15, फेस-दो औद्योगिक क्षेत्र, सूरजपुर, नॉलेज पार्क क्षेत्र, दादरी क्षेत्र, ईकोटेक- प्रथम क्षेत्र के औद्योगिक एरिया में सुबह से ही मजदूरों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कई जगह पर श्रमिकों ने जाम लगाया। कई जगह पुलिस और श्रमिकों के बीच तीखी नोंक झोंक हुई है। कई जगह पुलिस को बल प्रयोग और आंसू गैस के इस्तेमाल भी करने पड़े हैं। पुलिस के वाहनों में भी श्रमिकों ने तोड़फोड़ की तथा पुलिस की जीप पलट दिया। जबकि कई जगहों पर श्रमिकों ने उग्र होकर पुलिस पर पथराव भी किया है। मदरसन कंपनी के पास श्रमिकों ने कई कारों में आग लगा दी। कई जगह फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की गई। खबर लिखे जाने तक जाम और तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस के आला अधिकारी और भारी पुलिस बल तैनात है, लेकिन श्रमिक अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि पुलिस हर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि श्रमिकों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की कुछ बातें यहां के उद्योगपतियों ने मान ली है। उनसे शांतिपूर्वक आंदोलन समाप्त करने की अपील की जा रही है। उन्होंने बताया कि श्रमिक अलग-अलग जगह पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इनका कोई नेतृत्व नहीं कर रहा है। इसकी वजह से भी श्रमिकों तक प्रशासन को अपनी बात पहुंचाने में काफी कठिनाई हो रही है। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मेधा रूपम ने और पुलिस प्रशासन ने श्रमिकों से अपील करते हुए कहा है कि उनकी ज्यादातर मांगे मान ली गई है। डीएम ने लोगों से अपील किया है कि श्रमिक शांति बनाए रखें तथा कानून व्यवस्था को अपने हाथ में ना लें। इसके बावजूद भी श्रमिक आंदोलन से पीछे हटने को तैयार नहीं है। श्रमिकों के आंदोलन के चलते कई जगह पुलिस को यातायात डायवर्जन करना पड़ा। लोग सुबह के समय ऑफिस जाते हुए घंटे जाम से जूझते नजर आए। औद्योगिक संगठन के नेता ललित ठुकराल ने कहा कि यह धरना प्रदर्शन प्रायोजित है। कुछ बाहरी तत्व श्रमिकों को भड़काकर यह धरना प्रदर्शन करवा रहे हैं। उनके अनुसार श्रमिकों की ज्यादातर मांगे मान ली गई है। इसके बावजूद भी श्रमिक काम पर नहीं लौट रहे हैं। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मेधा रूपम ने बताया कि उद्योगपतियों और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के नेताओं के साथ हुई बैठक में स्पष्ट किया गया कि शासन की गाइडलाइन के के अनुसार किसी भी श्रमिक को अनावश्यक रूप से सेवा से नहीं निकाला जाएगा। ओवरटाइम का भुगतान दुगनी दर से किया जाएगा तथा उसमें किसी प्रकार की कटौती नहीं की जाएगी। प्रत्येक श्रमिक को साप्ताहिक अवकाश प्रदान किया जाएगा और यदि रविवार को कार्य कराया जाता है तो उसका भुगतान भी दुगनी दर से किया जाएगा। सभी श्रमिकों को नियमानुसार बोनस का भुगतान अधिकतम 30 नवंबर तक उनके बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाएगा। प्रत्येक कारखाने में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्ष महिला होगी। साथ ही शिकायत पेटी की स्थापना कर श्रमिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाएगा। प्रत्येक श्रमिक का वेतन प्रत्येक माह की 10 तारीख के भीतर एकमुश्त भुगतान किया जाएगा तथा सभी को वेतन पर्ची अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी।

डॉ. सौरभ कौशल ने बढ़ाया अलीगढ़ का मान शोध पत्र वाचन एवं श्रेष्ठ आलेख में मिला सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता

अलीगढ़। भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में कानपुर के छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से दो दिवसीय उद्दंड मार्तण्ड से ए.आई. युग तकः दो शताब्दियों का महासंवाद विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी रविवार को संपन्न हुई। कार्यक्रम में अलीगढ़ जनपद के डॉ. सौरभ कौशल ने अपना शोध पत्र वाचन किया एवं श्रेष्ठ आलेख के रूप में सम्मान प्राप्त किया। उनका यह शोध पत्र हिन्दी पत्रकारिता और भारतीय सिनेमाः अंतर्विषयक सांस्कृतिक और सामाजिक विश्लेषण विषय पर केंद्रित रहा। उन्होंने 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हिंदी पत्रकारिता के उदय एवं 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में सिनेमा के आगमन से लेकर आज वर्तमान परिदृश्य तक दोनों बीच परस्पर समांतर संबंधों पर प्रकाश डालते हुए सामयिक परिवर्तनों को आलेखित किया। डॉ. कौशल शिक्षाविद स्व. एन. डी. कौशल (पूर्व प्रधानाचार्य डीएवी इंटर कॉलेज, अलीगढ़) के सुपुत्र हैं और वर्तमान में मेडिकल कॉलेज प्रयागराज में कार्यरत हैं। उनकी धर्मपत्न ी डॉ इंदु शर्मा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में संगीत विभाग में प्रोफेसर हैं। डॉ. कौशल ने श्रेष्ठ आलेख सम्मान मिलने पर सोमवार को बताया कि वे एएमयू में मेडिकल साइंस के विद्यार्थी रहे। इसके बावजूद भी पिता से विरासत में मिली लेखन कला ने उनके व्यक्तित्व में साहित्यिक सृजन के माध्यम से हिंदी भाषा एवं साहित्य की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में उनके लगभग 12 राष्ट्रीय एवं चार अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशित हो चुके हैं। गत वर्ष 22 नवंबर को भी उन्होंने विश्व हिंदी परिषद (अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन, विज्ञान भवन नई दिल्ली) की ओर से श्रेष्ठ आलेख का सम्मान प्राप्त कर उन्होंने अलीगढ़ का मान बढ़ाया है।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में बंद करें पॉलिथीन की गूंज, पर्यावरण को बनाएं स्वच्छ और सुंदर

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ धाम में सोमवार को जहां पुण्य और भक्ति का माहौल रहा । वहीं, नमामि गंगे के स्वयंसेवकों ने धाम में पर्यावरण सरंक्षण एवं स्वच्छता की भी अलख जगाई। श्रद्धालुओं को धाम में सिंगल यूज पॉलिथीन का उपयोग न करने के लिए जागरूक किया गया। श्री काशी विश्वनाथ धाम परिसर में हजारों श्रद्धालुओं के बीच विशेष पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने कपड़े के झोले वितरित किए । कार्यक्रम में शामिल नगर निगम वाराणसी के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला ने श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के साथ स्वच्छता संदेश देकर कपड़े के झोले हाथों में लेकर लेकर जनजागरूकता पदयात्रा निकाली। इस अवसर पर राजेश शुक्ला ने कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्तर पर सीमित नहीं रहनी चाहिए, यह हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ परिवेश में जीवन जीने से जहां स्वास्थ्य बेहतर होता है, वहीं गंदगी से बीमारियां फैलती हैं। हमें कूड़ा-कचरा सड़कों पर फेंकने के बजाय कूड़ेदानों का प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में विशेष रूप से सिंगल यूज पॉलिथीन के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए इसके बहिष्कार की अपील की गई। नमामि गंगे टीम द्वारा जीवनदायिनी नदियों को स्वच्छ रखने और उनके तटों पर स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया गया। इस आयोजन में श्रद्धालुओं की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुल सचिव बर्खास्त, न्यूनतम, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक योग्यता पूर्ण न करने का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुल सचिव विश्वास त्रिपाठी की निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक एवं प्रशासनिक योग्यता पूर्ण न करने के कारण सेवा समाप्त कर दी गई है। प्रभारी कुलसचिव प्रो. चंद्र कुमार सिंह ने बताया कि डॉ. त्रिपाठी ने पद के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यता धारण न करने के बावजूद आवेदन प्रस्तुत किया था। दस्तावेज परीक्षण समिति ने जांच के दौरान पाया कि उन्होंने अपने अनुभव से संबंधित तथ्यों को भ्रामक एवं अपूर्ण रूप में प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के प्रबंध बोर्ड ने अभिलेखों के परीक्षण करने के उपरांत और डॉ. त्रिपाठी को व्यक्तिगत रूप से सुनने के पश्चात, यह पाया कि उनकी नियुक्ति विधि विरुद्ध है। तथ्यों के आधार पर तत्काल प्रभाव से उनकी सेवा समाप्त करने का निर्णय लिया गया। वहीं, डॉ. विश्वास त्रिपाठी का कहना है कि पद के लिए वह पूरी योग्यता रखते हैं। उनकी ओर से उच्च न्यायालय में कुलपति के खिलाफ दायर की गई अवमानना की रिट के कारण द्वेष पूर्ण कार्रवाई की गई है। इस पर वह उच्च न्यायालय में आपत्ति दाखिल करेंगे। उनके खिलाफ वित्त में हेराफेरी का मामला भी द्वेषपूर्ण ढंग से दर्ज कराया गया है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में फीस घोटाले के आरोपों के बाद लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर बोर्ड को भी फीस को लेकर कई शिकायतें मिली थी। छात्रों ने शिकायत की थी कि कैश में फीस लेने के बाद उन्हें विवि की मोहर लगी जाली रसीद दी गई। कुछ बाहरी लोग व विवि के सीनियर छात्र जूनियरों को फीस कम कराने का झांसा देकर उनसे कैश में पैसे ले लेते थे। उसके बाद वह पैसा विवि के खातों में जमा नहीं किया जाता था। फीस जमा नहीं होने पर परीक्षा देने से रोकने पर छात्रों को ठगी का पता चलता था। प्रॉक्टर बोर्ड के पास जब शिकायतें पहुंचीं तो मामले का खुलासा हुआ। कुछ छात्रों को संस्पेड भी किया गया। वहीं, बाहरी लोगों को जेल भेजा गया। एक छात्र ने बताया कि ठगी में फंसकर उसे दोबारा फीस जमा करनी पड़ी। एक छात्रा ने बताया कि 16 हजार रुपये जमा किए, लेकिन कहा गया कि फीस नहीं जमा है। वह परीक्षा में नहीं बैठ सकती है। उन्होंने बताया कि हर विभाग के 200 से 400 छात्रों के साथ ठगी हुई। विवि में प्रॉक्टर बोर्ड का मुख्य काम शैक्षणिक संस्थानों में अनुशासन बनाए रखना, नियमों का पालन सुनिश्चित करना और छात्रों के आचरण की निगरानी करना है। दोषियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी यह सिफारिश करता है। इसके साथ ही छात्रों की शिकायतों की जांच भी करता है।

संभव दिवस पर 5 शिकायतों का निस्तारण, स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 को लेकर पालिका ने तेज की तैयारियां

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर पालिका परिषद अमरोहा में शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले संभव दिवस के अंतर्गत उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने जनसुनवाई करते हुए पालिका को प्राप्त 5 संदर्भों का मौके पर निस्तारण कराया। इस दौरान पालिका अधिशासी अधिकारी ने पत्रकारों से बातचीत में नगर की सफाई व्यवस्था में किए जा रहे सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 को देखते हुए पालिका द्वारा व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के माध्यम से नगर के सभी वार्डों को कवर कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि शहर के विभिन्न स्थानों पर सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराया गया है। साथ ही 6 स्थानों पर एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर स्थापित कर कूड़े के पृथक्करण का कार्य किया जा रहा है। घरेलू व व्यावसायिक मल टैंकों की सफाई और उसके वैज्ञानिक निस्तारण के लिए फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित किया गया है। नगर की सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए शहर को 4 जोनों में विभाजित कर दो पालियों में सफाई कार्य कराया जा रहा है। नव विस्तारित क्षेत्रों में भी पर्याप्त कार्मिकों की उपलब्धता सुनिश्चित कर सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया जा रहा है। पालिका प्रशासन ने नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 1533 और 1800 180 1318 जारी किए हैं। इसके अलावा नागरिक व्हाट्सएप नंबर 8189078097 पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। अंत में नगरवासियों से अपील की गई कि वे स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 में बढ़-चढ़कर भाग लें और नगर पालिका परिषद अमरोहा को उच्च रैंक दिलाने में सहयोग करें।

हाथरस में राहुल गांधी से जुडे.मानहानि प्रकरण की सुनवाई अब 2 मई को

प्रात : किरण संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले में हाथरस एमपी /एमएलए कोर्ट में सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस प्रकरण की अगली सुनवाई 2 मई को होगी । मानहानि का यह प्रकरण जिले के गांव बूलगढ़ी निवासी रामकुमार, रवि और लवकुश की ओर से दायर किया गया है। परिवादियों का आरोप है कि राहुल गांधी ने 12 दिसंबर 2024 को गांव का दौरा करने के बाद अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट की थी। इस पोस्ट में राहुल गांधी ने उन तीनों बूलगढ़ी निवासी रामकुमार, रवि और लवकुश को गैंगरेप का आरोपी बताया था। हालांकि, उन्हें 2 मार्च 2023 को अदालत द्वारा पहले ही दोषमुक्त किया जा चुका था। परिवादियों के अनुसार न्यायालय से बरी होने के बाद वे सामान्य जीवन जी रहे थे और समाज में उनकी प्रतिष्ठा बहाल हो चुकी थी। उनका कहना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सोशल मीडिया में की गयी इस पोस्ट से उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है। इस वजह से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का यह मामला हाथरस न्यायालय में दायर किया गया था। इस मामले में पिछली सुनवाई 16 मार्च को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अधिवक्ता आलोक चंद्रा, मनीष दीक्षित, आसिफ रिजवी के साथ स्थानीय अधिवक्ता भगवती प्रसाद ने राहुल गांधी की ओर से आपत्ति पत्र दाखिल किया था। आज सोमवार को इस मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। अधिवक्ता भगवती प्रसाद ने बताया कि अब इस मामले में अगली सुनवाई 2 मई को होगी।

हाथरस में बाइक सवार बदमाशों ने अधिवक्ता को मारी गोली, गंभीर हालत में आगरा रेफर

प्रात : किरण संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस के सादाबाद क्षेत्र में रसगवां-आरती मार्ग पर रविवार देर रात प्रकाश नगर निवासी अधिवक्ता सचिन सिसोदिया पर बाइक सवार हमलावरों ने फायरिंग की। गोली अधिवक्ता के हाथ में लगी और वे सड़क पर गिर गये। घायल सचिन को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादाबाद ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर कर दिया गया। 30 वर्षीय सचिन सिसोदिया पुत्र ओम प्रकाश सिसोदिया अपने पैतृक गांव रसगवां से बाइक से सादाबाद लौट रहे थे। रसगवां और आरती गांव के बीच पहले से घात लगाए बाइक सवार हमलावरों ने अधिवक्ता पर हमला किया। गोली लगने से सचिन बाइक से गिर गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सहपऊ थाना पुलिस ने घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादाबाद पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार, बाजू में गोली लगने और अधिक रक्तस्राव के कारण युवक को आगरा के हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। हमलावरों की पहचान और घटना के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस पुरानी रंजिश सहित अन्य संभावित पहलुओं पर भी पड़ताल कर रही है। सहपऊ थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि घटना की पूरी तरह से पड़ताल की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है और शिकायत मिलने के बाद ही घटना की तह तक पहुंचा जा सकेगा।

संक्षिप्त खबरें

घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता, प्रशासन ने कहा- बेवजह न लगाएं भीड़

आरा। भोजपुर जिले में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है। जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जिले में कुल 30 गैस वितरक कार्यरत हैं, जिनके पास पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, इंडेन के 06 वितरकों के पास 3734 एलपीजी सिलेंडर, भारत गैस के 30 वितरकों के पास 6660 सिलेंडर तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 09 वितरकों के पास 2334 सिलेंडर उपलब्ध हैं। इस प्रकार कुल 12,728 एलपीजी सिलेंडर वितरण के लिए मौजूद हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में सिलेंडर डिलीवरी के बाद अगली बुकिंग शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन बाद ही संभव होगी। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने मोबाइल पर ओटीपी प्राप्त कर डिलीवरी बॉय के माध्यम से ही गैस सिलेंडर लें। होम डिलीवरी की सुविधा शुरू कर दी गई है, इसलिए गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और पैनिक बुकिंग से बचें। किसी भी समस्या के समाधान के लिए उपभोक्ता इंडेन के टोल फ्री नंबर 1906, आईओसीएल 1800-2333-555, बीपीसीएल 1800-22-4344 और एचपीसीएल 1800-2333-555 पर संपर्क कर सकते हैं। गैस वितरण में गड़बड़ी की शिकायतों के निपटारे के लिए जिला नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय है। इसके लिए दूरभाष संख्या 06182-248702 जारी की गई है। वहीं, आरा, पीरो और जगदीशपुर अनुमंडलों में भी अलग-अलग नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन द्वारा होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई दुकानों में लगातार छापेमारी की जा रही है। अब तक 7 प्रतिष्ठानों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है और 35 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। सोमवार को भी 5 गैस एजेंसियों का निरीक्षण और 2 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

एसडीओ परीक्षा आज से शुरू होगी, नौ बजे तक ही केंद्र में मिलेगा प्रवेश

आरा बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी (अएउड) परीक्षा आज से शुरू होने जा रही है। यह परीक्षा राज्य के 38 जिलों में बनाए गए कुल 746 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। आयोग के अनुसार, इस परीक्षा में लगभग 11 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिससे यह राज्य की बड़ी परीक्षाओं में से एक मानी जा रही है।परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण की परीक्षा 14 और 15 अप्रैल को होगी। 14 अप्रैल को पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सामान्य भाषा की परीक्षा होगी, जबकि दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक सामान्य अध्ययन की परीक्षा आयोजित की जाएगी। 15 अप्रैल को केवल एक ही पाली में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक सामान्य अध्ययन की परीक्षा होगी।अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पहुंचना अनिवार्य किया गया है। सुबह 9 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। इसलिए उम्मीदवारों को कम से कम डेढ़ घंटे पहले पहुंचने की सलाह दी गई है।परीक्षा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अभ्यर्थियों की पहचान बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन के माध्यम से की जाएगी। एडमिट कार्ड के साथ वैध फोटो पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा।ओएमआर शीट पर केवल सात अंकों का रोल नंबर ही दर्ज करना होगा और काले या नीले बॉल पेन का ही उपयोग करना होगा।इसके अलावा, परीक्षा केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आयोग ने सभी अभ्यर्थियों से दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो।

श्री भगवान सिंह कुशवाहा को मंत्रिमंडल में शामिल करने की उठी मांग

जनता दल यूनाइटेड के प्रखंड अध्यक्ष अनूप पटेल ने मीडिया से बातचीत करते हुए आगामी बिहार कैबिनेट विस्तार को लेकर बड़ी उम्मीदें जताई हैं। उन्होंने कहा कि जगदीशपुर की जनता पिछले 15 वर्षों से अपने नेता को विधायक चुनती आ रही है, लेकिन 2025 का यह समय क्षेत्र के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है।पटेल ने कहा कि क्षेत्र की जनता चाहती है कि उनके लोकप्रिय नेता और जदयू के राष्ट्रीय महासचिव श्री भगवान सिंह कुशवाहा को राज्य मंत्रिमंडल में जगह मिले। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि जगदीशपुर के विकास के लिए कुशवाहा जी का मंत्री पद संभालना अत्यंत आवश्यक है। अनूप पटेल ने दावा किया कि क्षेत्र की जनता को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फैसलों पर पूरा भरोसा है और वे अपने नेता को मंत्री के रूप में शपथ लेते देखना चाहते हैं।

जदयू के नवनिर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की मुलाकात

प्रात : किरण संवाददाता

सहार। सहार प्रखंड के नवनिर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष राकेश सोनी ने नीतीश कुमार से मुलाकात की साथी साथ उन्होंने माननीय नीतीश कुमार को राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी, और कहा कि आप बिहार के विश्वकर्मा है आपने बिहार को अपने घर की तरह सजाया, और सावरा है आपके जैसा बिहार को कभी मुख्यमंत्री नहीं मिलेगा, आपने जाति धर्म से ऊपर उठकर सभी वर्गों को न्याय के साथ विकास की गंगा बहा दिया, आपने पूरा बिहार को अपना परिवार समझा इसलिए आज पूरा बिहार की जनता आपका इस निर्णय से

दुःखी और आहत है , फिर भी आपके निर्णय हम लोग सम्मान करते है, आप हमेशा स्वस्थ और खुशहाल रहे।

एसपी मिस्टर राज ने जनता दरबार में सुनी फरियादियों की समस्याएं

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। सोमवार को पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज के द्वारा आयोजित जनता दरबार में आम लोगों की समस्याओं की सुनवाई की गई। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे परिवादियों ने अपनी-अपनी शिकायतें एसपी के समक्ष रखीं। जन सुनवाई के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष जांच कर शीघ्र निस्तारण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। जनता दरबार में भूमि विवाद, मारपीट, घरेलू विवाद सहित कई मामलों से

जुड़ी शिकायतें सामने आईं, जिन पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश मौके पर ही दिए गए। एसपी ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को न्याय के लिए भटकना न पड़े।

स्नातकोत्तर भूगोल विभाग के छात्र शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग द्वारा 13 अप्रैल 2026 को भौगोलिक एवं शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ राकेश कुमार रंजन तथा छात्र कल्याण पदाधिकारी डॉ ओमप्रकाश राय ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया।इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कक्षा में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम

को व्यावहारिक एवं धरातलीय स्तर पर समझाना है, ताकि वे भौगोलिक तथ्यों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर सकें। भ्रमण के दौरान विभिन्न भौगोलिक स्थलों का अवलोकन कर छात्रों को स्थलाकृतिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक पहलुओं की जानकारी दी जाएगी।भ्रमण का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ ललित सागर कर रहे हैं, जो टूर इंचार्ज के रूप में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उनके साथ सहायक प्रोफेसर डॉ अम्बरीष कुमार राय भी मौजूद हैं, जो छात्रों को विभिन्न विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे। इस आयोजन की सफलता में विभाग के कई सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जूनियर रिसर्च फेलो अमरजीत शर्मा, नीतीश कुमार एवं देव कुमार शर्मा ने सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही विभागीय सहायक शिवशंकर कुमार, आदेशपाल संदीप कुमार तथा नारायण कुमार ने भी आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सहयोग दिया।विश्वविद्यालय प्रशासन एवं विभागीय शिक्षकों के इस प्रयास से छात्रों में व्यावहारिक ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी और उनका शैक्षणिक विकास सुनिश्चित होगा। यह भ्रमण न केवल छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक सिद्ध होगा, बल्कि उन्हें अपने विषय की गहराई से समझ विकसित करने का अवसर भी प्रदान करेगा।

जहनपुर में टूटी सड़क बनी मुसीबत दो साल से मरम्मत का इंतजार

100 घरों की आबादी प्रभावित; नदी किनारे होने से हादसे का खतरा बढ़ा

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड अंतर्गत जोगता पंचायत के जहनपुर गांव (वार्ड संख्या 5) में महादलित टोले के समीप गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाली सड़क पिछले करीब दो वर्षों से जर्जर हालत में पड़ी है। सड़क बीच से टूटकर धंस चुकी है, जिससे आवागमन जोखिम भरा और कठिन हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार, कई बार शिकायत के बावजूद अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है। महादलित टोले की निवासी बीअफी देवो ने बताया कि टूटी सड़क के कारण गांव में आने-जाने में भारी परेशानी होती है। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए यह रास्ता किसी चुनौती से कम नहीं है। लोगों को मजबूरी में वैकल्पिक और असुरक्षित रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है। नदी किनारे होने से बढ़ा खतरा, बरसात में हालात बदतर स्थानीय युवक पिंटू कुमार ने बताया कि सड़क के बिल्कुल किनारे

कुम्हरी नदी बहती है। ऐसे में जरा सी चूक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। बरसात के दिनों में सड़क पर जलजमाव और फिसलन के कारण हालात और बिगड़ जाते हैं, जिससे ग्रामीणों को खेतों के रास्ते आना-जाना पड़ता है। सड़क के पास ही महादलित टोले का विद्यालय स्थित है। इस जर्जर रास्ते से गुजरकर बच्चों को स्कूल पहुंचना पड़ता है, जिससे अभिभावकों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार बच्चे फिसलकर गिर भी चुके हैं। वार्ड सदस्य मनोज कुमार ने बताया कि करीब 9 महीने पहले सड़क मरम्मत के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और स्थल पर शिलापट्ट भी लगाया गया है, लेकिन अब तक निर्माण एजेंसी ने काम शुरू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस सड़क से लगभग 100 घरों के लोग जुड़े हैं, फिर भी प्रशासनिक उदासीनता साफ दिखाई दे रही है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से अविलंब सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द कोई ठोस पहल नहीं की गई, तो वे जिलाधिकारी को लिखित शिकायत करेंगे।

कौरा मठिया में टॉपर्स सम्मान समारोह मेधावी छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

जगदीशपुर प्रखंड के कौरा मठिया गांव में सोमवार को चाणक्य कोचिंग सेंटर की ओर से टॉपर्स सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में इंटरमीडिएट परीक्षा में किसान ददन यादव की पुत्री सुभान्ति कुमारी, जिन्होंने 443 अंक प्राप्त किए, को कप, गमछा और साइकिल देकर सम्मानित किया गया। वहीं मैट्रिक परीक्षा में सुनील यादव के पुत्र अमरजीत कुमार, जिन्होंने 472 अंक हासिल किए, को भी कप, गमछा और साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कोचिंग संचालक अमर सिंह ने कहा कि चाणक्य कोचिंग सेंटर के छात्र-छात्राएं हर वर्ष बेहतर प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य आने वाले वर्षों में बिहार स्तर पर टॉप टेन में स्थान हासिल करना है। उन्होंने छात्रों को निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान चाणक्य कोचिंग सेंटर के विद्यालय शाखा के नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं को भी प्रथम से पांचवें स्थान तक आने पर पुरस्कृत किया गया। इससे छोटे बच्चों में भी प्रतिस्पर्धा की भावना और पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ेगी। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ अर्जुन सिंह, दशरथ सिंह, सुबोध सिंह, अभिनाश कुशवाहा और अमित कुशवाहा उपस्थित रहे। अतिथियों ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर शिक्षक जितेंद्र कुमार, मनीष कुमार, विनय चौबे, ओम प्रकाश कुमार, अहमद अंसारी सहित कई अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ, जहां छात्रों और अभिभावकों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

शिक्षा शेरनी का दूध है बाबा साहेब के विचारों से होगा समाज का सुधार

प्रात : किरण संवाददाता

स्थानीय व्यवहार न्यायालय जगदीशपुर परिसर में अधिवक्ता संघ द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता वृंदानंद सिंह ने बाबा साहेब के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों को वर्तमान समय में सबसे प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिवक्ता वृंदानंद सिंह ने कहा कि उन्होंने 1996 में अपनी वकालत की शुरूआत के साथ ही अधिवक्ता संघ में अम्बेडकर जयंती मनाने की परंपरा शुरू की थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से राजा और रंक,

दोनों को समान रूप से मतदान का अधिकार देकर लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी। छुआछूत और महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ उनकी कानूनी लड़ाई आज भी समाज के लिए प्रेरणा है। अधूरी लड़ाई को पूरा करने का संकल्प अधिवक्ता वृंदानंद सिंह ने बाबा साहेब के प्रसिद्ध कथन को दोहराते हुए कहा शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो जितना पिएगा उतना ही अपने अधिकारों के लिए दहाड़ेगा। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि बाबा साहेब ने जो कानून बनाए और जिस समानता का सपना देखा, वह आज भी पूरी तरह धरातल पर नहीं उतरा है। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ अधिवक्ता समाज और आम जनता को एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। आमजन के लिए ह्यपन्सालाह्ल का उद्घाटन भीषण गर्मी को देखते हुए इस विशेष अवसर पर न्यायालय परिसर में ह्यपन्साला (पेयजल केंद्र) का भी उद्घाटन किया गया। बिंदानन्द ने बताया कि यहाँ आने वाले मुवक्किलों और अधिवक्ताओं के लिए शुद्ध शीतल जल और बताशे की व्यवस्था की गई है, जो पूरी गर्मी तक निरंतर जारी रहेगी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ता और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे, जिन्होंने बाबा साहेब के पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सख्ती, 5 घंटे की दैनिक उपस्थिति अनिवार्य

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। अब सभी शिक्षकों के लिए प्रतिदिन कम से कम पांच घंटे तक विश्वविद्यालय या संबंधित महाविद्यालय में उपस्थित रहना अनिवार्य कर दिया गया है। यह निर्देश राज्यपाल सचिवालय के आदेश पर कुलसचिव द्वारा जारी किया गया है, जिसे सभी विभागाध्यक्षों, प्राचार्यों और पीजी केंद्रों तक पहुंचा दिया गया है।जारी आदेश के अनुसार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के तहत शिक्षकों का कार्यभार पहले से निर्धारित है, लेकिन अब उसकी निगरानी और सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।शिक्षकों को न केवल निर्धारित समय तक उपस्थित रहना होगा, बल्कि नियमित रूप से कक्षाओं

का संचालन भी करना होगा। यदि कोई शिक्षक निर्धारित समय और कार्य का पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह नियम केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध शिक्षा की गुणवत्ता से है। अक्सर छात्रों की शिकायत रहती थी कि कई जगहों पर नियमित कक्षाएं नहीं चलतीं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। ऐसे में यह कदम छात्रों के हित में उठाया गया है, ताकि उन्हें बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके।यह नियम सेमेस्टर अवधि के दौरान प्रभावी रहेगा और पूरे शैक्षणिक वर्ष में कम से कम 180 कार्य दिवसों तक इसका पालन करना अनिवार्य होगा। प्रशासन द्वारा इसकी नियमित मॉनिटरिंग भी की जाएगीविश्वविद्यालय के इस फैसले से जहां एक ओर शिक्षण व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है, वहीं शिक्षकों के बीच इसको लेकर चर्चा भी शुरू हो गई है। अब देखना होगा कि इस सख्ती का शिक्षा व्यवस्था पर कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

डीएम ने लगाया जनता दरबार 41 मामलों की सुनवाई

अधिकारियों को दिए त्वरित व पारदर्शी निष्पादन के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिला मुख्यालय में सोमवार को ईज ऑफ लिविंग पहल के तहत जिला जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया ने स्वयं आमजनों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार में कुल 41 आवेदकों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं। इनमें भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, पेयजल, सड़क एवं अन्य जनहित से जुड़े मामले शामिल रहे। डीएम ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी आवेदनों का निष्पादन शीघ्र, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बार-बार कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता जरूरी डीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे जनता की शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहें और निर्धारित समय सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करें। साथ ही, लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने को भी कहा गया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने मौके पर ही कई मामलों का निष्पादन किया और शेष मामलों को शीघ्र निपटाने का आश्वासन दिया।

स्नातक स्तरीय वोकेशनल कोर्स में चालू सत्र में शीघ्र होगा नामांकन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार में स्नातक स्तर के छात्रों के लिए वोकेशनल कोर्स को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल शुरू होने जा रही है। इसी कड़ी में चालू शैक्षणिक सत्र में इन कोर्सों में नामांकन जल्द शुरू किया जाएगा। इसके लिए इस सप्ताह कॉलेजों के साथ एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें एडमिशन प्रक्रिया, सीटों की उपलब्धता और कोर्स संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कॉलेजों में वोकेशनल कोर्स की मांग लगातार बढ़ रही है। खासकर बीसीए, बीबीए और अन्य तकनीकी व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में छात्रों की रुचि अधिक देखी जा रही है। यही कारण है कि विश्वविद्यालय प्रशासन इन कोर्सों को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने और अधिक छात्रों को अवसर देने की दिशा में काम कर रहा है। वोकेशनल कोर्स में नामांकन प्रक्रिया पारंपरिक कोर्सों की तरह ही नियमित सत्र के अनुसार चलेगी। कई कॉलेजों में इन कोर्सों के लिए सीमित सीटें निर्धारित हैं, लेकिन बढ़ती मांग को देखते हुए सीटों में बढ़ोतरी पर भी विचार किया जा रहा है।कुछ संस्थानों में सीधे नामांकन दिया जाएगा, जबकि कुछ जगहों पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयन किया जा सकता है।पिछले सत्र में भी बड़ी संख्या में छात्रों ने इन कोर्सों में दाखिला लिया था, जिससे स्पष्ट है कि रोजगारपरक शिक्षा की ओर छात्रों का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि वोकेशनल कोर्स छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ रोजगार के बेहतर अवसर भी प्रदान करते हैं।आगामी बैठक के बाद एडमिशन प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा, जिसके तुरंत बाद नामांकन शुरू होने की संभावना है। इससे छात्रों को समय पर प्रवेश लेकर अपने करियर की दिशा तय करने में मदद मिलेगी।

घायल होमगार्ड जवान से मिलने पहुँचे पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता, जल्द स्वस्थ होने की कामना

कोईलवर। शनिवार को सड़क दुर्घटना में घायल होमगार्ड जवान रूपेश कुमार का पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है। उनकी स्थिति जानने और हौसला बढ़ाने के लिए सोमवार को कोईलवर से पत्रकारों का एक दल पटना पहुँचा। इस दल में नीरज कुमार, कृष्ण कुमार रंजन, दीपक कुमार, आलोक कुमार के साथ सामाजिक कार्यकर्ता राकेश शर्मा भी शामिल थे। वहां पहुंच कर पत्रकार आलोक कुमार व दीपक कुमार ने घायल जवान के लिए रक्तदान की। अस्पताल में सभी ने घायल जवान से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान टीम ने चिकित्सकों से भी बातचीत कर स्वास्थ्य की अद्यतन जानकारी ली। डॉक्टरों ने बताया कि रूपेश कुमार का समुचित इलाज किया जा रहा है और उनकी स्थिति में सुधार की उम्मीद है। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता राकेश शर्मा ने कहा कि रूपेश कुमार जैसे जवान हमारी सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। ऐसे समय में उनका हौसला बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है। हम ईश्वर से उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे जल्द ही स्वस्थ होकर अपने कर्तव्यों पर लौटेंगे।

संदिग्ध मौत से सनसनी विवाहिता का शव फंदे से मिला, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

रोहतास। जिले के नासरीगंज थानाक्षेत्र के मंगीतपुर गांव में एक 29 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। महिला का शव घर के अंदर फंदे से लटकता हुआ बरामद किया गया है।

मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि महिला की गला दबाकर हत्या की गई है और इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की जा रही है। वहीं गांव में चर्चा है कि महिला ने खुद फांसी लगाकर अपनी जान दी है। घटना के बाद से मृतका का पति सरोज पासवान अपनी बड़ी बेटी को लेकर फरार बताया जा रहा है। जिससे मामले ने और भी तूल पकड़ लिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतका के ससुर बाल बच्चन पासवान को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि मृतका लक्ष्मीना की शादी वर्ष 2016 में सरोज पासवान से हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं दो बेटियां और एक बेटा। परिजनों के अनुसार तीन महीने पहले भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। जिसमें पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा था। फिलहाल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मायके पक्ष को सौंप दिया है और पूरे मामले की गहन जांच में जुट गई है। अब यह देखना अहम होगा कि यह मामला आत्महत्या का है या फिर हत्या जिसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो पाएगा।

कुंवर राणा सामाजिक कल्याण संस्था का पुनर्गठन, अमित सिंह बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

सासाराम। कुंवर राणा सामाजिक कल्याण संस्था की एक महत्वपूर्ण बैठक रोहतास जिले के डिहरी में संपन्न हुई। जिसमें संस्था के संविधान के अनुरूप नई कार्यसमिति का गठन किया गया। बैठक में संस्था के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए पूर्व अध्यक्ष सीमल सिंह ने पुरानी सभी कमेटियों एवं पदों को भंग करने की घोषणा की। संस्था के नियमों के अनुसार प्रत्येक दो वर्ष पर कमेटी का पुनर्गठन अनिवार्य होता है। पुरानी कमेटी भंग होने के बाद कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। अमित सिंह उर्फ गोपाल सिंह को संस्था का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जबकि अंबुज कुमार सिंह को युवा विंग का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को विधिवत पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोर कमेटी सदस्य राजन राज ने की। सामाजिक कार्यों में संस्था की सक्रिय भूमिका बैठक के दौरान वक्ताओं ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। संस्था लंबे समय से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रही है। इसके प्रमुख कार्यों में सैकड़ों यूनिट रक्तदान कर मरीजों की सहायता करना, जरूरतमंद बच्चों के बीच पुस्तक, जूते और कपड़ों का वितरण तथा समाज के उत्थान के लिए निरंतर सेवा कार्य शामिल हैं।

बाबिल ने ध्यान को बताया बुनियादी जरूरत

बॉलीवुड के दिवंगत कलाकार इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य, माइंडफुलनेस और ध्यान पर बात की है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने कैसे इन सबके जरिए अपने आपको जमीन से जुड़ा हुआ रखा। उन्होंने माइंडफुलनेस और अपने अंदर संतुलन खोजने के बारे में एक नया नजरिया पेश किया।

मनी कंट्रोल से बातचीत में बाबिल खान ने कहा कि उनके लिए ध्यान सिर्फ एक आदत से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे बुनियादी जरूरत बताया है। बाबिल ने इस बात पर भी जोर दिया कि ध्यान को किसी काम की तरह नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे रोजमर्रा की जिंदगी का एक हिस्सा मानना चाहिए। अपने अनुभवों के बारे में बताते हुए बाबिल ने कहा, 'मेडिटेशन कोई 'काम' नहीं होना चाहिए। आपको अपने शरीर के अंदर ही अपनी सोच को इस तरह विकसित करना चाहिए कि यह अपने आप होने लगे और पूरे दिन आपके साथ रहे।'

माइंडफुलनेस से मन शांत रहता है

उन्होंने यह भी बताया कि कैसे एक 'माइंडफुल' (सचेत) नजरिया अपनाने से मन शांत रहता है। उन्होंने बताया कि इससे हम हर पल में मौजूद रहते हैं, भले ही जिंदगी कितनी भी भाग-दौड़ भरी क्यों न हो।

खुद को स्वीकार करना शांति की नीव

उन्होंने आगे कहा 'आपको जानना होगा कि आप कौन हैं। आपको खुद से लड़ना नहीं है। बस अपनी सोच को इस तरह ढालना है कि आप पूरे दिन उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। यह असल में खुद से प्यार करना ही है। उस मुकाम तक पहुंचने के लिए, सबसे पहले आपको खुद को स्वीकार करना होगा।' बाबिल ने इस बात पर जोर दिया कि 'खुद को स्वीकार करना' ही सच्ची शांति की नींव है। उनका मानना है कि बिना किसी विरोध या आलोचना के, खुद को वैसे ही अपनाना जैसे आप हैं, अपने आप ही एक संतुलित और अनुशासित जिंदगी की ओर ले जाता है।

बाबिल का वर्कफ्रंट

बाबिल खान हाल ही में सोशल मीडिया से ब्रेक पर थे। उन्होंने डिप्रेशन की वजह से ब्रेक लेने का फैसला किया था। आखिरी बार बाबिल खान शो 'लॉगआउट' में नजर आए थे। बाबिल ने भोपाल में अपने एक नए प्रोजेक्ट की शूटिंग भी फिर से शुरू कर दी है।

मृणाल ने रणवीर सिंह को लेकर दिया बयान

उनकी वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद से ही रणवीर सिंह 'टॉक ऑफ द टाउन' बन गए हैं। मूवी में दमदार एक्टिंग के लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी उनको लेकर बड़ा बयान दिया है, जो अब चर्चाओं में है।

रणवीर की वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

हाल ही में मृणाल ठाकुर रणवीर इलाहबादिया के पॉडकास्ट में पहुंची थीं। इस बीच उन्होंने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा दिल बहुत खुश है। वो मेरे लिए लकी चार्म हैं। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूं। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए ऐड किया था, और जब वो ऐड टीवी पर आया... तभी फिल्ममेकर्स ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। मैं इसका पूरा क्रेडिट उन्हें देती हूं। उन्होंने सच में मेरी बहुत मदद की है। वो बहुत पॉजिटिव इंसान हैं और उन्हें हर सफलता मिलनी चाहिए।'

एक्ट्रेस ने की 'धुरंधर' की तारीफ

उन्होंने 'धुरंधर 2' में भी रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी एक्टिंग सिर्फ ऊपर-ऊपर की नहीं थी, उसमें गहराई और कई परतें थीं। मैंने उन्हें रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखा, सिर्फ 'हमजा' के किरदार में देखा। वो हीरो से ज्यादा एक किरदार लगे। मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि वो बहुत मेहनती हैं। मैं दुआ करती हूं कि वो जो भी करें, वो ब्लॉकबस्टर हो। वो सब कुछ कर सकते हैं।' बता दें कि मृणाल आने वाले दिनों में डकैत फिल्म में नजर आ रही हैं।

'धुरंधर-2' की सक्सेस के बाद राकेश बेदी के हाथ दो बड़े प्रोजेक्ट

धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद फिल्म में राजनेता 'जमील जमाली' का किरदार निभाने वाले राकेश बेदी ने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने अपने किरदार को लेकर की गई तैयारी पर बात की और यह भी साफ किया कि 'धुरंधर-3' नहीं आने वाली है।

धुरंधर-2 की सक्सेस पर बात करते हुए अभिनेता राकेश बेदी ने कहा, 'फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही है और कमाई भी अच्छी कर रही है, लेकिन फिल्म का कॉन्सेप्ट और निर्देशन आदित्य धर का है। हमने तो कलाकार के तौर पर काम किया, जो काम हमें करने के लिए कहा गया, लेकिन असल मेहनत आदित्य धर की है।'

फिल्म धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के किरदार के लिए अभिनेता ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि हर किरदार के लिए मेहनत करनी पड़ती है। जैसे हम विराट कोहली को छक्का मारते देखते हैं तो देखने में कितना आसान लगता है, लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है। ऐसे ही हर किरदार को निभाने से पहले बहुत कुछ करना होता है। वहीं फिल्म में रणवीर सिंह को असली धुरंधर बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'जिस तरीके से किरदार की मांग थी, सभी किरदारों ने वैसा ही रोल प्ले किया। मेरा किरदार रणवीर सिंह को बचाने का था क्योंकि अगर कोई स्पाई दूसरे देश में जा रहा है, तो कोई तो सपोर्ट करने वाला और बचाने वाला होना चाहिए।'

अपने शुरुआती करियर पर बात करते हुए राकेश बेदी ने कहा, 'मेरे पिताजी चाहते थे कि मैं आईआईटी करूं, और मैं एंट्रेंस एग्जाम भी देने पहुंचा था, लेकिन मुझे 35 सवालों में से सिर्फ सवाल नंबर 7 का उत्तर पता था। फिर लगा कि मैं यहां के लिए नहीं बना हूं, और मेरे पिता ने भी किसी तरह का जोर नहीं डाला। यही कारण है कि मैं आईआईटी को छोड़कर अभिनेता बना। मैं अपने बच्चों के साथ भी यही करता हूं, उन्हें जो करना है, वही करने की आजादी देता हूं।'

कॉमेडी से धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के निगेटिव को निभाने के सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'आदित्य धर को लगा कि मैं यह किरदार कर सकता हूं, तो मुझे चुना गया। मैं वैसा विलेन नहीं बना, जैसी छवि भारतीय सिनेमा में रही है, टेढ़ी आंखें वाले, एक्शन करते हुए, लेकिन मुझे चालाक और 'मेरा बच्चा है तू' वाला विलेन बनाया गया।

अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि वो दो नए प्रोजेक्ट्स में दिखने वाले हैं। अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' और प्राइम वीडियो पर आने वाली सीरीज 'राख' में दिखने वाले हैं। दोनों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही रिलीज की अनाउंसमेंट की जाएगी।

भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन में किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला

टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे के लिए फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' बेहद खास और शानदार अनुभव देने वाला रहा। शुभांगी ने बताया कि फिल्म से उनके किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला। अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने अपनी फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' में अंगूरी भाभी के किरदार को तैयार करने के बारे में खुलकर बात की है। शुभांगी ने बताया कि उन्होंने अपने इस पसंदीदा किरदार को कैसे निभाया और दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए क्या ख्याल रखा।

शुभांगी अत्रे 'भाबीजी घर पर हैं!' टीवी सीरीज में अंगूरी भाभी के रोल के लिए खासा लोकप्रिय हैं। अब इसी किरदार के साथ वे बड़े पर्दे पर भी आ चुकी हैं। फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' पर आधारित है, लेकिन इसमें नई कहानी, नई जगहें और नया रोमांच है। जब शुभांगी से पूछा गया कि टीवी शो से फिल्म में आने के बाद उनके अभिनय के तरीके में कोई बदलाव आया या नहीं, तो उन्होंने साफ कहा, 'नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।' उन्होंने बताया कि किरदार के प्रति पूरी ईमानदारी बनाए रखना सबसे जरूरी था। दर्शक पिछले दस साल से अंगूरी भाभी को जिस तरह पसंद करते आ रहे हैं, उसी तरह उसे निभाना था।

शुभांगी ने कहा, 'लोग आपको इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि आप उस किरदार को ठीक उसी तरह निभाते हैं, जैसा वे चाहते हैं। फिर भी फिल्म में नई स्थितियां और नई कहानी के कारण किरदार को थोड़ा नया आयाम मिला है, जिसे एक्सप्लोर करना बहुत रोमांचक रहा।' अभिनेत्री के अनुसार, अंगूरी भाभी की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह बेहद सरल, मासूम और हंसाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि दस साल तक दर्शकों का इतना प्यार मिलना किसी भी शो के लिए बड़ी बात है। अब वही प्यारे किरदार बड़े पर्दे पर नई कहानी, खूबसूरत लोकेशन्स और शानदार कलाकारों के साथ नजर आ रहे हैं और नए अंदाज में दर्शकों को काफी पसंद भी आ रहे हैं।

मैं हुमा से अपना गहरे से गहरा राज शेयर कर सकता हूं

साकिब सलीम फिल्म इंडस्ट्री में तकरीबन डेढ़ दशक का वक्त बिता चुके हैं। वह उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्हें अपनी जमीन पुख्ता करने में वक्त लगा। हालांकि, 38 साल के इस होनहार ने हार नहीं मानी। साल 2011 में 'मुझसे फ्रेंडशिप करोगे' से डेब्यू करने वाले साकिब अब तक 14 फिल्मों और 5 वेब सीरीज कर चुके हैं। जब आप इनकी फिल्मोग्राफी देखते हैं, तो एक दिलचस्प बात दिखती है।

साकिब ने पर्दे पर हर बार अलग-अलग तरह से कुछ नया करने की कोशिश की है। फिर चाहे रोमांटिक कॉमिडी वाली डेब्यू फिल्म हो, 'मेरे डैड की मारूति' जैसी कॉमेडी-ड्रामा, 'बॉम्बे टॉकीज' में एक गहराई में डूबा किरदार, या फिर 'रेस 3' में एक्शन। '83' में असल जिंदगी से प्रेरित क्रिकेटर बनना हो गया 'काकुडा' जैसी कई फिल्मों और 'रंगबाज', 'सिटाडेल', 'क्राइम बीट' जैसी वेब सीरीज में रहस्य, रोमांच और अपराध की दुनिया। साकिब हर अंदाज में दिखे हैं। वह इन दिनों खबरों में हैं, ओटीटी पर अपनी नई वेब सीरीज 'कप्तान' को लेकर।

मैं और हुमा टिपिकल सिब्लिंग्स थे, मुंबई हमें नजदीक लेकर आई

इंडस्ट्री में अपने किरदारों के लिए जाने जाने वाले साकिब जानी -मानी अभिनेत्री हुमा कुरैशी के भाई भी हैं। भाई -बहन के रूप में इनकी जोड़ी को आदर्श रूप में देखा जाता है। बीते साल में दोनों का रिश्ता कितना इवॉल्व हुआ है? इस पर साकिब कहते हैं, 'हम दोनों काफी इवॉल्व हुए हैं। हम जब दिल्ली से मुंबई आए थे, तब हम बिलकुल भी दोस्त नहीं थे। हम टिपिकल सिब्लिंग्स थे। वो होता है न, ऐसे करेगी तो पापा को बता दूंगा, ऐसे करेगा तो मम्मी को बता दूंगी, टाइप। तब हम साथ भी नहीं रहते थे, मगर मुंबई हमें नजदीक ले आया। फिर हम एक-दूसरे का काम डिस्कस करने लगे। उसके बाद हम साथ काम करने लगे और हमने अपनी प्रोडक्शन कंपनी खोल दी। हम साथ काम इसलिए कर पाते हैं कि मेरी हुमा से जेनुइनली बहुत अच्छी दोस्ती हो गई है अब।'

बहन के बारे में आगे बात करते हुए वह कहते हैं, 'मैं हुमा से एक बहन नहीं, बल्कि दोस्त की तरह बात करता हूं। मैं उनसे किसी भी विषय यानी अपने गहरे राज पर बात कर सकता हूं, क्योंकि मैं जानता हूं कि वो भी मुझे अपने भाई नहीं, बल्कि दोस्त के रूप में लेंगी। अगर हम सिर्फ भाई-बहन बने रहते तो एक-दूसरे के बाल नोच लेते। हम दोस्त होने के नाते परस्पर सम?मान करते हैं। जहां तक बॉसिंग की बात है, तो मंडे टू वेनस्डे मैं बॉसिंग करता हूं, गुरुवार से शनिवार वो, और संडे को तो मॉम ही बॉस होती हैं। पापा की तो हम घर में चलने ही नहीं देते।'

कभी -कभी सेल्फिश हो जाता हूं

अपनी सीरीज में इंटेंस किरदारों में नजर आने वाले साकिब अपने ग्रे साइड के बारे में भी बात करते हैं, बताते हैं, 'वैसे तो मुझे गुस्सा आता नहीं है, मगर जिन लोगों को मैं अपने दिल के करीब रखता हूं या जिनसे मैं बहुत ज्यादा प्यार करता हूं, वे मुझे इफेक्ट कर सकते हैं। उनकी कही गई कोई भी बात मुझ पर बहुत असर डाल सकती है। मगर ऐसा मेरा कोई स्याह पहलू नहीं है। मैं इविल आदमी नहीं हूं। मस्ती-मजाक मैं जरूर करता हूं, मगर मैं किसी को नुकसान पहुंचाने की नहीं सोच सकता। कभी-कभी मैं सेल्फिश हो जाता हूं और इसे आप मेरा ग्रे साइड कह सकते हैं।'

'कप्तान' में किरदार और असल जिंदगी का साकिब सलीम

अपने नए शो 'कप्तान' में साकिब सलीम एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट का किरदार निभा रहे हैं। उनसे जब पूछा जाता है कि अतीत में कई एनकाउंटर स्पेशलिस्ट विवादों में भी रहे। एनकाउंटर को लेकर उनका क्या नजरिया है? इस पर वे कहते हैं, 'मैं मानता हूं कि क्यों मारना है किसी को? मगर मेरा मानना है कि जो एनकाउंटर स्पेशलिस्ट होता है, वो ऐसे नहीं सोचता। उसके काम की जिम्मेदारी ही यही है कि वो समाज की गंदगी साफ करे। उसका काम होता है कि समाज के अराजक तत्वों का सफाया करे, फिर चाहे वो एनकाउंटर के जरिए हो या जेल में डालकर। मगर जहां तक मेरी अपनी बात है, तो मैं बहुत ही नॉन वायलेंट पर्सन हूं। मुझे याद नहीं आता कि मैंने कभी किसी से हाथापाई भी की हो, मगर मेरा किरदार समरदीप बिना सोचे-समझे बंदूक चला देता है। उसके पीछे ह्यूमन राइट्स वाले भी लगे हैं और वो मानता है कि सिस्टम को बदलने के लिए कई बार ये करना जरूरी होता है।'

गर्मी बढ़ रही है, ऐसे में टमाटर क्यों सस्ता हो रहा है

नई दिल्ली , एजेंसी। गर्मी का मौसम जब आता है तो मौसमी सब्जियां सस्ती होने लगती है। लेकिन सर्दी के मौसम में फलने वाला टमाटर महंगा होने लगता है। लेकिन इस साल उल्टा हो रहा है। अप्रैल की गर्मी शुरू हो गई है लेकिन दिल्ली एनसीआर में टमाटर का औसत खुदरा भाव 20 रुपये किलो है। टमाटर के दाम में आई अप्रत्याशित कमी की वजह से आपको भले ही फायदा हो, लेकिन इसके किसानों को खूब घाटा हो रहा है।

दिल्ली एनसीआर में इस समय टमाटर की खेती नहीं के बराबर होती है। गर्मियों में टमाटर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और दक्षिण के कुछ राज्यों से आता है। आंध्र प्रदेश का मदनपल्ली क्षेत्र इसकी खेती के लिए कुछ ज्यादा ही विख्यात है। न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक खबर के मुताबिक इस साल वहां 35 से 55 हजार एकड़ क्षेत्र में टमाटर की खेती की गई है। लेकिन बाजार में टमाटर के भाव लुढक गए हैं। इसके पीछे ईरान-इजरायल का युद्ध है। ये किसान निर्यात बाजार को ध्यान में रख कर खेती करते हैं। लेकिन इस समय दुबई, कतर, सउदी अरब आदि ऐसे इलाकों में यह निर्यात हो नहीं पा रहा है।

टमाटर का निर्यात न के बराबर-

टमाटर के कारोबार से जुड़े कारोबारी बताते हैं कि इस समय आंध्र प्रदेश के तिरुपति और चित्तूर शहरों में 100 रुपये में 7 किलो बढ़िया टमाटर मिल रहा है। दरअसल, इस इलाके के किसान का टामटर अभी निर्यात हो नहीं पा रहा है। युद्ध की वजह से मालवाही जहाजों की आवाजाही लगभग ठप है। कुछ जरूरी सामानों की ढुलाई हो रही है, लेकिन शिपिंग इंडस्ट्री में माल भाड़ा महंगा हो गया है। साथ ही इंश्योरेंस का प्रीमियम भी बढ़ गया है। इस वजह से निर्यात

के लिए उगाया गया टमाटर अब घरेलू बाजार में ही भेजना पड़ रहा है। इसलिए भाव में भारी गिरावट हो गई है।

अनुभव चौरसिया ने अपने पत्रकारिता करिअर की शुरुआत हिमाचल प्रदेश के अखबार दिव्य हिमाचल (1999-2000) से की। वहां करीब एक साल तक काम करने के बाद वह राजस्थान पत्रिका (2000-2001) के दिल्ली स्थित नेशनल ब्यूरो से जुड़ गए। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय संवाद समित यूनीवार्ता (2001-08) के दिल्ली कार्यालय में ज्वॉइन किया। इसके बाद वह दैनिक भास्कर (2008-14) के दिल्ली स्थित नेशनल ब्यूरो से जुड़े। वहां उन्हें इस समूह के पिंक अखबार बिजनेस भास्कर के नेशनल ब्यूरो में काम करने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने अमर उजाला (2014-2020) के दिल्ली स्थित नेशनल ब्यूरो का दामन थाम लिया। विभिन्न संस्थानों में काम करने के दौरान उन्होंने लगभग सभी आर्थिक मंत्रालयों की रिपोर्टिंग की।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा और रिलायंस जियो की साझेदारी

मुंबई । बैंक ऑफ़ बड़ौदा एवं रिलायंस जियो ने आज बॉब वर्ल्ड लाइट मोबाइल बैंकिंग ऐप के शुभारंभ हेतु साझेदारी की घोषणा की। यह जियोफोन प्राइमा 4जी डिवाइस पर फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया पहला व्यापक मोबाइल बैंकिंग ऐप है। भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समावेशन को प्रोत्साहित करने और फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए डिजिटल भुगतान को सुलभ बनाने के विज़न के अनुरूप, यह उद्योग में नवोन्मेषी पहल है, जो देशभर में लाखों उपयोगकर्ताओं को बाधारहित एवं व्यापक डिजिटल बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराएगी। सुविधाजनक स्व-पंजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध होगी।

● जल्द दूर होंगी पॉलिसी होल्डर्स की परेशानियां

हेल्थ इंश्योरेंस में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत बीमा नियामक इरडा ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है, जो हेल्थ इंश्योरेंस के पूरे ढांचे की गहराई से जांच करेगी और ऐसे सुझाव देगी, जिससे सिस्टम ज्यादा सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बन सके। इसका मकसद बीमा लेने वाले लोगों की परेशानियों को कम करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसकी पहुंच बनाना है। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में पिछले कुछ वर्षों में हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही समस्याएं भी बढ़ी हैं। लोग लगातार बढ़ते प्रीमियम, अस्पतालों की मनमानी बिलिंग, क्लेम में देरी और पॉलिसी की जटिल शर्तों से परेशान हैं।

कम हुआ आम लोगों का भरोसा

कई बार बीमा होने के बावजूद मरीज को बड़ी रकम अपनी जेब से खर्च करनी पड़ती है। यही वजह है कि आम लोगों का भरोसा इंश्योरेंस सिस्टम पर कुछ हद तक कम हुआ है। इन समस्याओं को देखते हुए बीमा ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या है। एक ही बीमारी के इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में अलग-अलग खर्च लिया जाता है। इस गड़बड़ी को दूर करने के लिए अस्पतालों की फीस और टैरिफ सिस्टम की समीक्षा की जाएगी, ताकि इलाज की कीमतों में पारदर्शिता लाई जा सके।

क्या करेगी समिति

हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़े हर पहलू की समीक्षा करेगी। समिति यह भी देखेगी कि हेल्थ इंश्योरेंस कितने लोगों तक पहुंच रहा है, दावा निपटान की प्रक्रिया कैसी है, नए बीमा प्लान कैसे बनाए जाएं, लोगों की शिकायतों का समाधान कैसे तेज किया जाए। इसके अलावा फर्जी दावे, गलत बिलिंग और प्रशासनिक कमियों को दूर करने के उपाय भी सुझाएगी। इसके लिए बीमा कंपनियों और अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की कोशिश होगी। समिति यह भी देखेगी कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और निजी बीमा के बीच बेहतर तालमेल कैसे बनाया जाए। इससे लोगों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे और बीमा का फायदा ज्यादा लोगों तक पहुंच सकेगा। साथ ही पॉलिसी को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में ले जाना भी आसान हो सकता है।

श्रीलंका में भारत का बड़ा दांव

शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है

● खरीद ली सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी, देखते रह गया चीन

नई दिल्ली , एजेंसी। श्रीलंका में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए भारत ने एक बड़ा दांव खेला है। नौसेना के लिए युद्धपोत और पनडुब्बी बनाने वाली कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है। कंपनी ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदी है। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने पहली बार किसी विदेशी कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने यह हिस्सेदारी 249.5 करोड़ रुपये में खरीदी है। इससे भारत सरकार के मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के लिए अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। इस डील के पूरा होने के बाद कोलंबो डॉकयार्ड के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इसमें एमडीएल की नॉमिनी शामिल किए गए हैं। एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कैप्टन (रिटायर्ड) जगमोहन को कोलंबो डॉकयार्ड का नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाया गया है। उनकी नियुक्ति 7 अप्रैल, 2026 से

प्रभावी मानी जाएगी। एमडीएल के अन्य नॉमिनीज में बीजू जॉर्ज, डायरेक्टर (शिपबिल्डिंग) और रुचिर अग्रवाल, डायरेक्टर (फाइनेंस) शामिल हैं।

तिमिरा एस गोदाकुंबुरा कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी के एमडी और सीईओ बने रहेंगे ताकि ऑपरेशन में निरंतरता बनी रहे। सनशाइन होल्डिंग्स पीएलसी के डिप्टी चेयरमैन विश गोविंदसामी को एमडीएल के नॉमिनी डायरेक्टर के तौर पर बोर्ड में शामिल किया गया है। एमडीएल भारत के बाहर अपना विस्तार करना चाहती है और यह अधिग्रहण इसी पहल का हिस्सा है। भारत ग्लोबल शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर इकोसिस्टम में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। इसमें कोलंबो डॉकयार्ड अहम भूमिका निभा सकता है। इसकी स्ट्रैजिक लोकेशन और स्थापित क्षमताओं का एमडीएल को फायदा मिलेगा।यह अधिग्रहण भारत के लिए सामरिक रूप से बहुत अहम है। इसकी वजह यह है कि चीन श्रीलंका में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन ने हंबनतोता पोर्ट को 99 साल की लीज पर ले रखा है और साथ ही उसके नेवल शिप लगातार कोलंबो में लंगर डाल रहे हैं। इसने भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। भारत के समुद्री क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति को काउंडर करने के लिए इस अधिग्रहण को अहम माना जा रहा है।

भारत ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी खरीदी हिस्सेदारी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने कोलंबो डॉकयार्ड में खरीदा 51 प्रतिशत स्टेक चीन के बढ़ते दबदबे को काउंटर करने के लिए इसे अहम माना जा रहा है भारत समुद्री ताकत के मामले में दुनिया में अभी 6वें नंबर पर है

भारत दुनिया में समुद्री ताकत के मामले में अभी 16वें नंबर पर है। भारत का लक्ष्य 2030 तक शिपबिल्डिंग के मामले में दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल होना है और 2047 तक टॉप 5 में आना है। शिपिंग में अपनी धाक जमाने के लिए भारत सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं।

2026 में चमकेगा भारत! बनेगा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर मार्केट

एनएसईएफआई ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब ग्रीन एनर्जी की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में यह दुनिया के सबसे बड़े सोलर एनर्जी मार्केट में शामिल हो सकता है। नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, देश ने हाल के महीनों में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में रिकॉर्डतोड़ प्रगति की है। सिर्फ 14 महीनों में करीब 50 गीगावाट नई क्षमता जोड़कर भारत ने कुल सौर क्षमता को 150 गीगावाट तक पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि शुरुआती 50 गीगावाट तक पहुंचने में जहां 11 साल लगे थे, वहीं अब उतनी ही क्षमता बेहद कम समय में जोड़ ली गई है। इस तेज रफ्तार के पीछे सरकार की कई बड़ी योजनाएं और नीतियां हैं, जो सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन जैसी पहलें इस ग्रोथ को मजबूती दे रही हैं। इन योजनाओं की वजह से न केवल बड़े प्रोजेक्ट्स बल्कि घरों और छोटे व्यवसायों में भी सोलर एनर्जी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। भारत 2030 तक 500 गीगावाट नॉन-फॉजिल एनर्जी क्षमता हासिल करने के लक्ष्य पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 280-300 गीगावाट तक हो सकती है। मौजूदा रफ्तार को देखें तो भारत हर साल लगभग 50 गीगावाट नई सौर क्षमता जोड़ रहा है, जो इसे 2026 तक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर बाजार बना सकता है। खास बात यह है कि जहां अमेरिका और यूरोप में सोलर एनर्जी की ग्रोथ धीमी पड़ रही है, वहीं भारत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आने वाले सालों में कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल सेक्टर और डिस्ट्रीब्यूटेड रिनवेबल एनर्जी इस ग्रोथ के सबसे बड़े इंजन बन सकते हैं। कंपनियां अब बिजली के लिए सौर ऊर्जा की ओर तेजी से रुख कर रही हैं, जिससे लागत कम हो रही है और पर्यावरण को भी फायदा मिल रहा है। साथ ही सरकार की स्कीम और मेक इन इंडिया जैसी नीतियों ने सोलर मैन्युफैक्चरिंग को भी मजबूत किया है, जिससे भारत आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राधाकिशन दमानी, डॉली खन्ना, मुकुल अग्रवाल ने मार्च तिमाही में नई कंपनियों में लगाया पैसा

मुंबई, एजेंसी। मार्च क्वार्टर में घरेलू शेयर बाजारों की स्थिति अच्छी नहीं थी। इस दौरान निफ्टी में 10 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। एक तरफ जहां छोटे निवेशक इस पीरियड में परेशान दिखे तो वहीं दिग्गज निवेशकों ने कई कंपनियों में पैसा लगाया। राधाकिशन दामानी से लेकर मुकुल अग्रवाल तक शेयर बाजार के चर्चित सुपरस्टार्स ने मार्च तिमाही में अनेकों कंपनियों में इनवेस्टमेंट किया है। आइए जानते हैं कि वो कंपनियां कौन सी हैं दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी ने दांव लगाया है। यह स्टॉक इस साल 12 प्रतिशत तक लुढ़क चुका है। वहीं, बीते एक साल में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। मार्च तिमाही के दौरान मुकुल अग्रवाल का फोकस एनर्जी सेक्टर की कंपनियों पर टिका रहा। उन्होंने टू कलर में 1.62 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। यह कंपनी डिजिटल टेक्साटाइल प्रीटिंग सेगमेंट में काम करती करती है। मौजूदा समय में यह स्टॉक अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे आकर ट्रेड कर रहा है। बता दें, आज सोमवार को टू कलर के शेयरों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर बीएसई में 179 रुपये के स्तर पर खुले थे। लेकिन कुछ देर के बाद यह 9 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 188.75 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। कई कंपनियों में आशीष कचोलिया ने मार्च तिमाही में निवेश किया है। टेकएरा इंजीनियरिंग, एसजी फिनसर्व, एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज और आशीष कचोलिया ने इनवेस्टमेंट किया है। आज सोमवार को शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। मधुसूदन केल ने नया निवेश किया है। उन्होंने अपने पोर्टफोलियो में इन दिग्गज कंपनियों को मार्च तिमाही के दौरान जोड़ा है।

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-अमेरिका युद्ध के बढ़ते तनाव और पाकिस्तान में हुई बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकलने से आज सुबह के कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों पर बिकवाली का दबाव देखने को मिला। एमसीएक्स पर सोने का भाव आज 1,51,547 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर खुला और कुछ ही मिनटों में 1,51,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के को छू गया। जबकि, एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 2.5 प्रतिशत गिरकर 2,37,190 रुपये प्रति किलोग्राम पर आग गई। वहीं इंटरनेशनल मार्केट में सोना 4,723.55 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। चांदी भी यहां दो प्रतिशत टूटकर 74.36 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। यूनियन बैंक प्रिवी के एशिया में प्रमुख परास गुप्ता का कहना है कि वीकेंड की घटनाओं ने नाजुक सीजफायर को खतरे में डाल दिया है।

क्यों गिरे सोने-चांदी के भाव

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को लेकर महंगाई की चिंताओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बेनतीजा रहने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई। इसमें ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हो सका, जिससे मध्य पूर्व में छह सप्ताह से चल रहे युद्ध को रोकने की उम्मीदों को झटका लगा है।

माइक्रोवेव में पिघला बर्तन, पति-पत्नी को आया आइडिया, खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली एजेंसी। मधुमिता उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई से हैं। पति-पत्नी की इस जोड़ी ने एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। उनके स्टार्टअप का नाम 'द इंडस वैली' है। इसकी नींव दोनों ने साल 2016 में डाली थी। इसका आइडिया उन्हें एक निजी हादसे के बाद आया था। तब माइक्रोवेव में एक प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया था। इसने उन्हें हेल्दी कुकवेयर के बारे में सोचने के लिए मजबूर किया। इसका मकसद भारतीय रसोई को रसायनों से मुक्त करने के साथ खाना पकाने के पारंपरिक तरीकों को आधुनिक रूप में वापस लाना है। आज यह ब्रांड रसायनों से मुक्त कुकवेयर का विकल्प दे रहा है। कुछ ही सालों में इस बिजनेस का वैल्यूएशन करोड़ों में पहुंच गया है। आइए, यहां मधुमिता और जगदीश की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मधुमिता

उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई के रहने वाले हैं। साल 2016 में उन्होंने अपने स्टार्टअप 'द इंडस वैली' की शुरुआत की थी। इसका विचार एक घरेलू दुर्घटना के बाद आया, जब माइक्रोवेव में प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया। मधुमिता ने महसूस किया कि हम रेसिपी और सामग्री पर तो ध्यान देते हैं। लेकिन, जिस बर्तन में खाना बन रहा है, उसकी सेहत को नजरअंदाज करते हैं। बाजार में भरोसेमंद और पारंपरिक विकल्पों (जैसे मिट्टी, लोहा, पीतल के बर्तनों) की कमी को देखकर मियां-बीवी ने इस कमी को पूरा करने का फैसला किया। व्यावसायिक मोर्चे पर कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी का रेवेन्यू 61 प्रतिशत बढ़कर 117 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 72.5 करोड़ रुपये था। मुख्य रूप से कुकवेयर उत्पादों की बिक्री से 114.5 करोड़ रुपये की कमाई हुई। हालांकि, विज्ञापन और परिचालन खर्चों में बढ़ोतरी हुई। लेकिन, कंपनी ने अपनी वित्तीय दक्षता में सुधार किया है। कपल ने दिसंबर 2024 में 23 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई थी। इसके कंपनी का वैल्यूएशन अब बढ़कर 303 करोड़ रुपये हो गया है। आने वाले 5 सालों में जगदीश और मधुमिता का टारगेट कंपनी को 'चैनल-एग्नोस्टिक' बनाना है। स्टोर्स के जरिए भी हर घर तक अपनी पहुंच बनाने पर है। 'नौकरी वाली मानसिकता' से निकलकर 'उद्यमी मानसिकता' में आना उनके लिए एक बड़ी चुनौती और सीखने वाला अनुभव था।

इंजीनियरिंग का बैकग्राउंड आया काम

जगदीश और मधुमिता आईटी इंजीनियर होने के साथ ही एमबीए हैं। अपना खुद का ब्रांड शुरू करने से पहले मधुमिता ने डेलॉयट जैसी प्रतिष्ठित फर्म में ऑपरेशंस और एचआर क्षेत्र में काम किया। वहीं, जगदीश सेल्स और मार्केटिंग में थे। संस्थापकों ने इसी बैकग्राउंड का इस्तेमाल करके अपने ब्रांड को एक भरोसेमंद नाम बनाया। उन्होंने 200 से अधिक केमिकल फ्री प्रोडक्ट पेश किए। ग्राहकों को इनके इस्तेमाल और रख-रखाव के प्रति जागरूक भी किया। ब्रांड का नाम सिंधु घाटी सभ्यता से प्रेरित है, जो मेटल साइंस और कृषि में अपनी उन्नति के लिए जानी जाती थी।

» कोच गैरी कर्स्टन ने भारतीय क्रिकेट को एक अलग ही मुकाम पर पहुंचाया «

युवराज सिंह ने कर्स्टन के इम्पैक्ट पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भारतीय क्रिकेट पर पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन के जबरदस्त असर को उजागर किया है। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे 2008 से 2011 के बीच टीम की सफलता में उनके खिलाड़ियों को संभालने के तरीके और उन पर भरोसे ने एक अहम भूमिका निभाई थी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से 2008-2011 के दौरान कर्स्टन के कार्यकाल में भारत के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में हुई तरक्की के बारे में बात करते हुए युवराज ने उस अहम दौर में इस दक्षिण अफ्रीकी कोच के आने पर विचार किया। यह वह समय था जब भारत सभी फॉर्मेट में लगातार अपना दबदबा बनाने की ओर बढ़ रहा था। युवराज ने एक पॉडकास्ट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, मुझे लगता है कि उस समय गैरी कर्स्टन का बहुत बड़ा असर था। गैरी एक अच्छे इंसान थे। हमें एक अच्छे इंसान की जरूरत थी। बस हमें यही चाहिए था। कोई ऐसा जो कहे, दोस्तों, चलो मैदान पर एक होकर खेलते हैं। चलो साथ मिलकर खेलते हैं। और गैरी बहुत मेहनती थे।उन्होंने आगे कहा, और मुझे लगता है कि जिस दिन वह आए, उन्होंने कहा था कि अगले चार सालों में यानी 2011 वर्ल्ड कप तक हम टी20 में नंबर एक टीम होंगे। हम टेस्ट में नंबर एक टीम होंगे। और हम एक दिवसीय में भी नंबर एक टीम होंगे। और कुछ खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की तरफ देखा। आप क्या कह रहे हैं? और अगले चार सालों में हमने ठीक वैसा ही किया। जबकि ऑस्ट्रेलिया भी उस समय अपना दबदबा बनाए हुए था। इसलिए मुझे लगता है कि उनकी नीयत अच्छी थी। वह एक अच्छे इंसान हैं। और उन्होंने भारतीय क्रिकेट को एक अलग ही मुकाम पर पहुंचाया। कर्स्टन का कार्यकाल भारत के सबसे सफल दौरों में से एक रहा जिसमें 2011 आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप की जीत और सभी फॉर्मेट में लगातार टॉप रैंकिंग हासिल करने के रूप में हुई। उस दौर के मुख्य क्रिकेटरों में से एक युवराज ने खिलाड़ियों में आत्मविश्वास जगाने में कोच की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे टीम के लीडरशिप ग्रुप के भरोसे ने खिलाड़ियों को अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने में मदद की। उन्होंने कहा, यह कोच के आत्मविश्वास के स्तर के बारे में भी है, है ना? अगर मैं आपके पास आकर कहूं, 'आप मेरे मैच विनर हैं, मैं चाहता हूं कि आप जाएं और मेरे लिए मैच जीतें। मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि आप कितनी बार नाकाम रहे हैं, बस जाइए और मैच जीतिए।' तो, अचानक आपका माइंडसेट बदल जाता है कि टीम और कोच मुझ पर भरोसा करते हैं, वे चाहते हैं कि मैं जाऊं और मैच जीतूं, उन्हें मुझ पर पूरा भरोसा है। और गैरी हमेशा मुझसे कहते थे, 'तुम गेम चेंजर हो।' उन्होंने कहा, 'अगर तुम 20-25 ओवर तक बैटिंग करते हो, तो तुम मैच का रुख बदल दोगे। जाओ और ऐसा ही करो।' मैंने जितना भी टेस्ट क्रिकेट खेला, उसमें भी उन्होंने मुझसे यही कहा। 'जाओ और अपना गेम खेलो। अगर तुम ऐसा करते हो, तो तुम भारत के लिए जीत हासिल करोगे।' इससे मुझे मैदान पर जाकर बैटिंग करने का बहुत आत्मविश्वास मिला। कर्स्टन के मार्गदर्शन में युवराज जैसे खिलाड़ी अपनी तय भूमिकाओं में खूब चमके; कोच का एकता, स्पष्टता और भरोसे पर जोर देना ही विश्व क्रिकेट में भारत के एक मजबूत ताकत के तौर पर उभरने का मुख्य आधार बना।

प्रसिद्ध कृष्णा का लखनऊ के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन से पर्पल कैप पर कब्जा

लखनऊ (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजी प्रसिद्ध कृष्णा ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटक कर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को खेले गए इस मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा चार विकेट लेकर गेंदबाजों की सूची में चार मैचों में कुल 10 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए है। इस दौरान प्रसिद्ध ने 28/4 के आंकड़े के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है जबकि उकना इकोनॉमी रेट 9.50 रहा है। इस सूची में दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई (9 विकेट) तथा चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज (8 विकेट) तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और रॉयल चैलेंजर्सबैंगलुरु के जैकब डफी हैं, जिनके नाम 6-6 विकेट हैं। मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी। एलएसजी को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए और रूस्त्र 164 रन ही बना पाई।

महिला टी20 विश्व कप की प्राइज मनी का ऐलान

चैंपियन टीम को आईपीएल विजेता से भी ज्यादा पैसे मिलेंगे

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2026 की प्राइज मनी का ऐलान कर दिया है। इस बार टूर्नामेंट की कुल प्राइज मनी 8,764,615 यानी करीब

81 करोड़ 83 लाख रुपये होगी। 2024 में हुए पिछले महीने टी20 विश्व कप से यह 10 प्रतिशत ज्यादा है। चैंपियन बनने वाली टीम को 2,340,000 यानी करोब 21 करोड़ 84 लाख रुपये मिलेंगे। आईपीएल की विजेता टीम को बीसीसीआई 20 करोड़ रुपये देती है। आईसीसी फाइनल में हारने वाली टीम को 1,170,000 देगी। यह भारतीय रुपये में करीब 11 करोड़ होता है। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 675,000 मिलेंगे, जबकि ग्रुप मैच में हर जीत पर टीमों को 31,154 मिलेंगे। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीम को कम से कम 247,500 डॉलर यानी 2 करोड़ 31 लाख का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा।

● हॉकी वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स के लिए तैयारी तेज

दो अलग-अलग टीम उतारने पर विचार करेगा भारत

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी को लेकर बड़ा फैसला सामने आ सकता है। हाकी इंडिया इस साल होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स के लिए अलग-अलग टीम उतारने की योजना बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह कदम दोनों टूर्नामेंट के बीच कम समय अंतराल को देखते हुए उठाया जा सकता है।

शेड्यूल बना बड़ी चुनौती - हॉकी वर्ल्ड कप 15 अगस्त से 30 अगस्त तक बेल्जिय मऔर नीदरलैंड में खेला जाएगा। इसके ठीक 20 दिन बाद 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में एशियन गेम्स आयोजित होंगे। कम समय के कारण खिलाड़ियों की फिटनेस और तैयारी बड़ी चुनौती

बन सकती है।

एशियन गेम्स को मिलेगी प्राथमिकता - खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया- एशियन गेम्स 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन का जरिया है, इसलिए हमारी, टीम वहां जाएगी। यानी भारत अपनी मजबूत टीम एशियन गेम्स में उतार सकता है, जबकि वर्ल्ड कप के लिए अलग टीम भेजी जाएगी।

वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान भिड़ंत - पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप में इंडिया और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है।

एशियन गेम्स में बड़ी उम्मीदें

भारत एशियन गेम्स 2026 में बेहतर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहा है। पिछले एशियन गेम्स में भारत ने 106 मेडल जीतकर इतिहास रचा था, जिसे इस बार पार करने का लक्ष्य रखा गया है। इस बार 700 से ज्यादा भारतीय खिलाड़ी 40 से अधिक खेलों में हिस्सा ले सकते हैं। दो बड़े टूर्नामेंट के बीच कम अंतराल के चलते भारत अलग-अलग टीम उतारने की रणनीति अपना सकता है। एशियन गेम्स को प्राथमिकता देना साफ दर्शाता है कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन भारतीय हॉकी के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य है।

द मास्टर्स 2026

रॉरी मैकलॉय ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

नईदिल्ली (एजेंसी)। मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट 2026 में रॉरी मैकलॉय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ मैकलॉय दिग्गजों टाइगर बुड्स जेक निकलेस और निक फेल्दो के खास क्लब में शामिल हो गए हैं।

एक शॉट से जीता रोमांचक मुकाबला - मैकलॉय ने चार राउंड में 67, 65, 73 और 71 का स्कोर बनाते हुए कुल 12 अंडर 276 किया। उन्होंने Scottie Scheffler को सिर्फ एक शॉट से हराकर यह खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला आखिरी तक बेहद रोमांचक बना रहा।

तीसरे राउंड में गंवाई बढ़त,

फिर की जोरदार वापसी - तीसरे राउंड के बाद मैकलॉय के पास 6 शॉट की बढ़त थी, लेकिन उन्होंने यह बढ़त गंवा दी। हालांकि फाइनल राउंड में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अंत में दो बेहतरीन बर्डी लगाई और जीत सुनिश्चित की।

राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर डगआउट में फोन क्यों इस्तेमाल कर रहे थे?

रिपोर्ट में मेडिकल कारण था सामने आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को आईपीएल मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करते देखे जाने के बाद हुए विवाद में एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक भिंडर मेडिकल कारणों से एहतियात के तौर पर फोन इस्तेमाल कर रहे थे। गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान एसीए स्टेडियम में टीवी कैमरों में एक घटना लाइव कैद हुई। इसमें भिंडर को टीनएज लेफ्ट-हैंडेड ओपनर वैभव सूर्यवंशी के बगल में बैठे हुए एक डिवाइस इस्तेमाल करते दिखाया गया जबकि वैभव स्क्रीन की तरफ देख रहे थे। यह फुटेज बाद में वायरल हो गया और लीग के सख्त एंटी-करप्शन प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर सवाल खड़े हो गए। आईपीएल के प्लेयर्स एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया (पीएमओए) के अनुसार एक टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम एरिया में फोन इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन डगआउट में नहीं। बीसीसीआई ने इस मामले में औपचारिक जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भिंडर एहतियात के तौर पर फोन अपने पास रखे हुए थे, क्योंकि अतीत में उनके दोनों फेफड़े कोलैप्स हो गए थे। उन्हें लगभग एक हफ्ते तक वेंटिलेटर पर रखा गया था जिसके बाद उन्हें आईसी में शिफ्ट कर दिया गया, जहां उन्होंने लगभग तीन हफ्ते बिताए थे।

मेडिकल कारणों से फोन उनके पास था

रिपोर्ट में आगे एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, रोमी को नियम-कानून पता हैं, लेकिन मेडिकल कारणों से वह फोन उनके पास था। इसके अलावा, प्रोटोकॉल के अनुसार डगआउट में मोबाइल फोन और लैपटॉप रखने की इजाजत है। एकमात्र समस्या उसका इस्तेमाल करना था, लेकिन फिर भी वह न तो किसी को कॉल कर रहे थे और न ही किसी का कॉल रिसीव कर रहे

थे। वह बस अपने फोन पर स्क्रॉल कर रहे थे। उनके पास समय है और वह एसीएसयू अधिकारियों को अपना पक्ष समझाने की कोशिश करेंगे। रिपोर्ट में आगे कहा गया, हमें उम्मीद है कि एससीएसयूअधिकारी किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले रोमी की मेडिकल स्थिति को ध्यान में रखेंगे। समस्या यह थी कि ड्रेसिंग रूम तक पहुंचने के लिए उन्हें लगभग 20 सीढ़ियां चढ़ने से पहले कम से कम 50 कदम चलना पड़ता था और डगआउट में वापस आने के लिए भी उन्हें यही करना पड़ता था। इसी वजह से उन्हें डगआउट में ही फोन चेक करना पड़ा होगा।

क्या कहता है नियम

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार बीसीसीआई की एंटी-करप्शन और सिक्योरिटी यूनिट (एसीएसयू) के प्रमुख द्वारा नियुक्त दो बीसीसीआई एंटी-करप्शन मैनेजर पीएमओए के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होते हैं। उनकी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि उचित व्यवस्थाएं हों और सुरक्षा कर्मियों को पूरी जानकारी दी गई हो। चूंकि राजस्थान रॉयल्स सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करने वाला है इसलिए यह देखना बाकी है कि भिंडर पीएमओए क्षेत्र में नजर आते हैं या नहीं। भिंडर 2008 से राजस्तान के बैक-रूम स्टाफ के एक अभिन्न सदस्य रहे हैं और आईपीएल में सूर्यवंशी के स्थानीय अभिभावक के रूप में भी काम करते हैं।

लगातार तीसरी हार के बाद

पंड्या का सख्त संदेश, टीम को दी कड़ी चेतावनी

मुंबई (एजेंसी)। लगातार तीन हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टीम को सख्त संदेश देते हुए कहा कि उनके पास दो ही विकल्प हैं, या तो अलग-अलग सोचें या एकजुट होकर समस्याओं का सामना करें। आरसीबी के खिलाफ हार के बाद पांड्या ने गेंदबाजी और रणनीति पर भी सवाल उठाए और टीम में बदलाव के संकेत दिए। आईपीएल 2026 में लगातार तीन हार के बाद मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी तनावपूर्ण नजर आया। हार्दिक पांड्या, जो टीम के कप्तान हैं, बेहद गंभीर और निराश दिखे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मिली 18 रन की हार ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं। इस मैच में मुंबई इंडियंस कभी भी लक्ष्य का पीछा करते हुए नियंत्रण में नहीं दिखी। मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में हार्दिक पांड्या ने पूरी टीम को संबोधित करते हुए साफ शब्दों में कहा कि अब टीम के पास सिर्फ दो विकल्प बचे हैं। उन्होंने कहा, एमजे (माहेला जयवर्धने) ने जो कहा, उसी को आगे बढ़ाते हुए मैं कहूंगा कि हमारे पास दो ही विकल्प हैं। या तो हम अपने-अपने कमरों में जाएं, खुद को एकाग्र करें और अकेले सोचें। मुझे पता है हारना मुश्किल होता है, लेकिन दूसरा यह है कि हमें सीखना होगा गायब नहीं होना है। यह हमेशा जीतना और सीखना है, हारना नहीं। उन्होंने आगे टीम को एकजुट रहने की सलाह दी, %जब हम होटल वापस जाएं, तो साथ में खाना खाएं। क्रिकेट की बात करें, कुछ और बात करें, लेकिन मिलकर इसका हल निकालें।

जीतना और सीखना — यही हमारा मंत्र होना चाहिए

रणनीति में बदलाव के संकेत - हार्दिक ने साफ संकेत दिए कि टीम की रणनीति में बदलाव हो सकता है। उन्होंने कहा, अब बहुत सारी चीजों पर दोबारा सोचने की जरूरत है। यह तरीका काम नहीं कर रहा। हमें देखना होगा कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी में और क्या विकल्प हो सकते हैं।

● आरसीबी के खिलाफ क्यों हारी मुंबई? - इस मुकाबले में आरसीबी के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली, फिल सॉल्ट और रजत पाटीदार की पारियों की बदौलत टीम ने 240 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। मुंबई के लिए यह लक्ष्य काफी बड़ा साबित हुआ और टीम 222/5 तक ही पहुंच सकी। हालांकि, शेरफेन ने 31 गेंदों में 71 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं थी।

● गेंदबाजी पर उठे सवाल - मैच के बाद हार्दिक पांड्या ने गेंदबाजी यूनिट पर भी चिंता जताई और माना कि टीम ने जरूरत से ज्यादा रन दिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने बहुत ज्यादा रन दे दिए। 241 का लक्ष्य हमेशा मुश्किल रहने वाला था। पिछले कुछ मैचों में हम खेल को कंट्रोल करने के बजाय उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें खुद को देखना होगा, समझना होगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं और कैसे वह लय हासिल कर सकते हैं जिसकी हमें जरूरत है।

आगे की राह आसान नहीं

मुंबई इंडियंस के लिए आगे का सफर आसान नहीं रहने वाला है। लगातार हार के बाद टीम को जल्दी ही वापसी करनी होगी, वरना प्लेऑफ की राह मुश्किल हो सकती है। हार्दिक पांड्या का यह संदेश साफ है- अब टीम को एकजुट होकर ही आगे बढ़ना होगा। मुंबई का अगला मैच 16 अप्रैल को पंजाब किंग्स से है।

मुंबई-आरसीबी मैच ने तोड़ा आईपीएल का बड़ा रिकॉर्ड

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियन और रायल चैलेंजर बेंगुलरु के बीच वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया मुकाबला इतिहास में दर्ज हो गया। यह मैच 4 घंटे 22 मिनट तक चला और बिना किसी रुकावट, बारिश या सुपर ओवर के आईपीएल का सबसे लंबा मुकाबला बन गया। इस हाई-स्कोरिंग मुकाबले में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 240/4 का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में मुंबई की टीम 222/5 रन ही बना सकी और 18 रन से मैच हार गई। परिणामः आरसीबी ने 18 रन से जीत दर्ज की।

बिना रुकावट सबसे लंबा मैच - यह मुकाबला आईपीएल इतिहास में बिना किसी इंटरप्शन के सबसे लंबा मैच रहा। हालांकि कुल समय के हिसाब से यह चौथा सबसे लंबा मैच है। इससे पहले 2020 में मुंबई -पीबीकेएस का मैच 5 घंटे 4 मिनट तक चला था, जिसमें डबल सुपर ओवर हुआ था।

पहले भी लंबे मैच हो चुके हैं - आईपीएल 2023 में देल्ही कैपीटल्स और कोलकता राइडर का मैच 4 घंटे 50 मिनट तक चला था। वहीं रायल चैलेंजर बेंगलुरु और गुजरात टाइट्स मैच 4 घंटे 38 मिनट तक चला, लेकिन ये मुकाबले बारिश के कारण देर से शुरू हुए थे।

रोहित शर्मा की शानदार फॉर्म - मुंबई के लिए रोहित शर्मा ने इस सीजन में अच्छी बल्लेबाजी की है। चार मैचों में उन्होंने 137 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 165 से ज्यादा रहा है। वह ऑरेंज कैप की रेस में भी बने हुए हैं।

अगला मुकाबला - अब हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली मुंबई टीम का अगला मुकाबला पंजाब किंग्स से 16 अप्रैल को वानखेड़े में होगा। लगातार हार के बाद मुंबई के लिए यह मैच बेहद अहम रहने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस में राहुल गांधी को हटाने का माहौल बन रहा : सीएम फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस में उन्हें हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी को चुनाव में जीत नहीं दिला पा रहे हैं। फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि गांधी केवल अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं और अपने नेतृत्व को लगातार मिल रही हार से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। फडणवीस ने दावा किया, 'कांग्रेस में राहुल गांधी को हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी के लिए चुनावी जीत सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं।' उन्होंने कहा कि गांधी ने अपनी पार्टी के भीतर जारी संघर्ष से ध्यान हटाने के लिए ऐसे बयान दिए हैं। राहुल ने आरोप लगाए थे कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का उद्देश्य संविधान को खत्म करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए। उन्होंने मंडी हाउस से 14 अप्रैल को भीमराव आंबेडकर की जयंती से पहले यहां 'रन फॉर आंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टीट्यूशन' मैराथन शुरू होने से पहले एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'आंबेडकर जी का मुख्य संदेश संविधान का था। संविधान के बिना जिसे हम भारत कहते हैं, वह नहीं होता। उन्होंने कहा था, 'आज जो लोग आरएसएस-भाजपा की सोच के हैं, वे संविधान को खत्म करना चाहते हैं। वे कुछ भी कहें, उनका असली उद्देश्य संविधान को मिटाना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए।' उन्होंने कहा, 'वे (आरएसएस-भाजपा) चाहे जो करें, वे आंबेडकर जी की प्रतिमा के सामने सिर भी झुकाते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य संविधान को खत्म करना है। हमारा उद्देश्य संविधान की रक्षा करना और उसे मजबूत करना है।'

बेटी की गर्दन फंसने से मौत, गुरुग्राम में खेल-खेल में चली गई जान

गुरुग्राम, एजेंसी। घर की दीवार की ग्रिल से साड़ी का झूला बनाकर गोल-गोल घूम रही 13 वर्षीय किशोरी का गला अचानक साड़ी में फंस गया। साड़ी से गला दबने से किशोरी की मौत हो गई। घटना सेक्टर-9 थाना क्षेत्र के देवीलाल कॉलोनी में रविवार शाम की है। किशोरी अपनी दो छोटी बहनों के साथ घर में खेल रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। कई बार बच्चे घरों के पर्दे में लटक कर झूला झूलते हैं। इस तरह देवीलाल कॉलोनी में रहने वाली 13 साल की रानी कुमारी अपनी दो छोटी बहनों के साथ दीवार की ग्रिल में मां की साड़ी डालकर उससे लटककर गोल-गोल झूल रही थी। झूलते समय कब साड़ी उसकी गर्दन में लिपट गई, उसे पता नहीं चला। वहीं, हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी के पिता सुरेश सिंह ने बताया कि वह मूल रूप से सीतामढ़ी जिले के रहने वाले हैं और कई सालों से देवीलाल कॉलोनी में किराए पर रहकर सिलाई का काम करते हैं। उनकी तीन बेटियां हैं। रविवार शाम तीनों घर में खेल रही थीं।

दलित छात्र की मौत पर गरमाई केरल की सियासत

कन्नूर, एजेंसी। केरल के कन्नूर डेंटल कॉलेज में दलित छात्र की मौत को लेकर सियासत गर्म हो गई है। मृतक छात्र नितिन राज आरएल के परिवार ने आरोप लगाया है कि नितिन की जाति, रंग और माता-पिता के दिहाड़ी मजदूर होने की वजह से उसे प्रताड़ित किया जाता था और अकसर अपमानित किया जाता था। नितिन तिरुवनंतपुरम के ही उझामलक्कल गांव का रहने वाला था और कन्नूर जिले के अंजराकंडी में कन्नूर डेंटल कॉलेज में बीडीएस का छात्र था। कॉलेज परिसर में ही बिल्डिंग से गिरकर उसकी मौत हो गई थी। नितिन ने बीते वर्ष ही कॉलेज में ऐडमिशन लिया था। कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सदस्य के.सी. वेणुगोपाल ने केरल सरकार से कन्नूर डेंटल कॉलेज के पहले साल के बीडीएस छात्र आर.एल. नितिन राज की मौत की पूरी जांच शुरू करने और उसे एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपने की मांग की है।

असम की सबसे युवा प्रत्याशी कुंकी चौधरी को पुलिस का समन

गुवाहटी, एजेंसी। असम जातीय परिषद (एजेपी) की असम की सबसे युवा प्रत्याशी 27 साल की कुंकी चौधरी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के बीच ठनी हुई है। सीएम सरमा उनकी मां पर भी बीफ खाने और दिखावा करने का आरोप लगा चुके हैं। इसी बीच असम पुलिस ने गुवाहाटी सेंट्रल से पार्टी के उम्मीदवार कुंकी चौधरी को समन भेजा है। वहीं एजेपी ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्वाचन क्षेत्र में अपने खिलाफ जनादेश को देख कर घबरा गई है।

चुनाव संबंधी मामले में समन मिलने के बाद चौधरी सुबह पानबाजार पुलिस थाना पहुंचीं। उन्हें शनिवार को नोटिस देकर रविवार सुबह 11 बजे से पहले पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था और ऐसा नहीं करने पर उनकी गिरफ्तारी की बात कही गई थी। कुंकी चौधरी करीब दो घंटे की पूछताछ के बाद पुलिस थाना से बाहर आईं और वहां इंतजार कर रहे संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने जांच अधिकारी के सामने अपना बयान दर्ज कराया है।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

बीजेपी कार्यकर्ता नबा कुमार लखकर ने नौ अप्रैल को मतदान के दिन चौधरी और उनके चुनाव प्रचार अभियान प्रबंधक संदीप यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। कुमार ने आरोप लगाया गया था कि दोनों ने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन किया और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों के संचालन में बाधा डाली।

एजेपी ने असम पुलिस द्वारा उसके उम्मीदवार का कथित 'उत्पीड़न' किए जाने की निंदा की और असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। वकील शांतनु बोरठाकुर ने पुलिस थाने के बाहर संवाददाताओं से कहा, 'प्राथमिकी में लगाए गए सभी आरोप

जमानती हैं, इसलिए उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। वास्तव में, आरोप बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं। एक मामला दर्ज किया गया है और इतने कड़े शब्दों में समन केवल परेशान करने के लिए जारी किया गया है।' उन्होंने सवाल किया कि अभी आदर्श आचार संहिता लागू है, और जब मुख्य सचिव सरकार चला रहे हैं, तो मुख्यमंत्री कथित तौर पर यह कैसे कह सकते हैं कि उन्होंने पुलिस भेजी थी? बोरठाकुर ने कहा, 'कुंकी ने चुनाव लड़ा और पूरे राज्य के लिए एक विमर्श तैयार किया, जो भाजपा के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। इसीलिए राजनीति से प्रेरित होकर यह मामला दर्ज किया गया है।''उन्होंने पुलिस से यह भी सवाल किया कि चौधरी द्वारा कथित तौर पर भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा फैलाए गए 'डीप फेक' वीडियो के संबंध में दर्ज कराई गई शिकायत का क्या हुआ। एजेपी से पहली बार चुनाव लड़ रही चौधरी उस समय विवाद में आ गईं, जब मुख्यमंत्री शर्मा ने कथित तौर पर 'बीफ' के सेवन को लेकर उनके माता-पिता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। हालांकि, चौधरी ने इन हमलों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। वह गुवाहाटी सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार गुप्ता के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। कुंकी चौधरी ने चार अप्रैल को मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा उनकी मां की खान-पान की आदतों के बारे में किए गए दावों के बाद, सोशल मीडिया पर परिवार के बारे में कथित तौर पर 'डीप-फेक' प्रौद्योगिकी से तैयार मानहानिकारक वीडियो को लेकर पुलिस में शिकायत दर्जा कराई। नवीनतम घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एजेपी के अध्यक्ष लुरिंज्योति गोगोई ने कहा कि चौधरी को तलब करना ''चौंकाने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण'' है। उन्होंने कहा, 'यह केवल किसी उम्मीदवार पर प्रशासनिक दबाव नहीं है, बल्कि यह असम में भाजपा द्वारा लोकतंत्र के दमन का ज्वलंत उदाहरण है। हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए प्रशासन और पुलिस का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक खतरनाक संकेत है।' गोगोई ने आरोप लगाया कि जब सत्तारूढ़ दल को सत्ता खोने का डर होता है, जब उसे यकीन हो जाता है कि जनता का वोट उसके खिलाफ गया है, तो भाजपा जैसी फासीवादी पार्टियां सत्ता को अपने कब्जे में रखने के लिए कुटिल रास्तों का सहारा लेती हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा सवाल यह है कि कुंकी चौधरी द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद डीप-फेक वीडियो प्रसारित करने वाले भाजपा समर्थकों को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है?

कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार या सीएम बदलने के आसार?

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार में जल्द ही बड़े बदलाव हो सकते हैं। खबर है कि करीब 30 वरिष्ठ कांग्रेस विधायक दिल्ली रवाना हो गए हैं। ये सभी मंत्री पद की मांग को लेकर रायबरेली सांसद राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। हालांक, अभी मुलाकात को लेकर जानकारी स्पष्ट नहीं है।

विधायकों का इस कदम को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर कैबिनेट विस्तार के लिए दबाव डालने से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

एक अखबार के अनुसार, कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने कहा कि समूह ने बड़ी संख्या में मुलाकात की थी और मंत्रालय में मौके की मांग रखने की बात तय हुई थी। उन्होंने कहा, 'ऐसे कई नेता हैं जिन्हें तीन, चार या पांच बार भी मौके मिले हैं। हम अनुरोध करेंगे कि जिन्हें अब तक जगह नहीं मिली है, उन्हें मौका दिया जाए।' उन्होंने कहा कि यात्रा सिर्फ मंत्री पद हासिल करने के लिए की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस विधायक अशोक पाटन ने कहा, 'हमारी सिर्फ एक ही मांग है। हम चाहते हैं कि कैबिनेट में जल्द से जल्द बदलाव किया जाए और हमारे जैसे वरिष्ठ सदस्यों को मौका दिया जाए।' उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया ने पहले संकेत दिए थे कि अन्य को 2 साल बाद मौका दिया जाएगा, लेकिन तीन साल गुजर गए हैं। पहली बार चुने गए विधायकों ने भी पदों के लिए दबाव तेज कर दिया है। पीटीआई भाषा के अनुसार, कांग्रेस विधायकों ने मांग की है कि फेरबदल के दौरान उनमें से कम से कम पांच को मंत्री बनाया जाए। तीन से अधिक कार्यकाल वाले कई वरिष्ठ विधायक रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए। वे पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर यह मांग रखने वाले हैं कि प्रस्तावित फेरबदल के दौरान करीब 40 वरिष्ठ विधायकों में से कम से कम 20 को मौका दिया जाए।

मांड्या से पहली बार विधायक बने रविकुमार गौड़ा (रवि गनिगा) ने कहा, 'हर किसी की इच्छा मंत्री बनने की होती है।

अब नोएडा में सैलरी पर बवाल, वाहनों में तोड़फोड़ और आगजनी; पुलिस पर पथराव

नोएडा, एजेंसी। गुरुग्राम के बाद अब नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर बड़ा बवाल हुआ है। नोएडा के फेज-2 में एक निजी कंपनी के कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में तोड़फोड़ की और आग लगी दी। पुलिस पर भी पथराव किया गया। घंटों पूरा इलाका युद्ध क्षेत्र जैसा बना रहा। पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए किसी तरह स्थिति को काबू किया। दूसरी तरफ दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवेल समेत नोएडा-गाजियाबाद के कई इलाकों में भीषण जाम लग गया। बताया जा रहा है कि फेज-2 स्थित मदरसन कंपनी के अस्थायी कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि समेत कुछ मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था। अस्थायी कर्मचारियों का दावा है कि कंपनी ने नए श्रम कानूनों के प्रावधानों को लागू नहीं किया है, जिसको लेकर उनमें रोष था। सोमवार सुबह हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी कंपनी के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस भी तैनात थी। प्रदर्शन अचानक उग्र हो गया। भीड़ हिंसक हो उठी। कंपनी के आसपास कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। तोड़फोड़ की गई। यहां तक कि पुलिस पर भी पथराव होने लगा। पुलिस की गाड़ियों को में तोड़फोड़ की गई। एक जिप्सी को बुरी तरह क्षतिग्रस्त करके पलट दिया गया। हिंसक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज करके भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। फेज-2 के अलावा सेक्टर 15 और 62 में भी श्रमिकों ने हंगामा किया। जिसकी वजह से दिल्ली मेरठ-एक्सप्रेसवे समेत नोएडा में कई जगह भीषण जाम लग गया और लोगों को आवाजाही में काफी समस्या हुई।

अपराधियों की सूचना दीजिए और पाइए मोटा इनाम, पहचान रहेगी गुप्त; पंजाब सरकार का ऐलान

जालंधर, एजेंसी। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने राज्य में अपराध कम करने और कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नई पुरस्कार नीति शुरू की है। इसके तहत अपराधियों के बारे में जानकारी देने वाले लोगों को इनाम दिया जाएगा। गैंगस्टरों ते वार प्रोजेक्ट के अंतर्गत सरकार ने एसएसपी को 1 लाख रुपये तक, पुलिस कमिश्नर/रेंज आईजी/डीआईजी को 1.5 लाख रुपये तक, विभिन्न विंगों के प्रमुखों (स्पेशल डीजीपी/एडीजीपी) को 2 लाख रुपये तक और डीजीपी को 2 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत करने की शक्तियां प्रदान की हैं। यह इनाम केवल सही और प्रमाणिक सूचना देने वाले व्यक्तियों को ही दिया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य राज्य में अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क पर पूरी तरह से लगाम लगाना है। साथ ही 28 मोस्ट वांटेड क्रिमिनल्स की लिस्ट भी जारी की गई है। पहले जांच की जाएगी और तय मानकों के आधार पर ही इनाम दिया जाएगा। साथ ही सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और उसे किसी प्रकार का खतरा नहीं होने दिया जाएगा।

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 9394693946 पर जानकारी साझा कर सकते हैं। पुलिस के अनुसार, ऐसी विश्वसनीय सूचना जिससे वांछित या घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी संभव हो सके, उस पर इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा नागरिकों की ओर से दिए गए सुझावों पर भी कार्रवाई की जाएगी। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के एडीजीपी प्रमोद बान ने बताया कि पंजाब सरकार ने चुने गए पुलिस कर्मचारियों के लिए ऊपर बताई गई मंजूरी की शक्तियों को मंजूरी दे दी है। पहले जानकारी वेरिफाई की जाएगी और जानकारी देने वाले को क्राइटेरिया के हिसाब से इनाम दिया जाएगा। जानकारी देने वाले की पहचान पुलिस, पब्लिक या सरकार के किसी भी लेवल पर बताई या पब्लिक नहीं की जाएगी। इसका मकसद राज्य में काम कर रहे क्रिमिनल और गैंगस्टर के लिए सभी दरवाजे बंद करना है और पंजाब सरकार इस मकसद को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। गिरफ्तारी में मदद करने वाली भरोसेमंद जानकारी देने वाले मुखबिरों को इनाम दिया जाएगा। पंजाब पुलिस मुखबिरों से मिली लीड्स को फॉलो करेगी। यह प्रोजेक्ट पंजाब पुलिस नेटवर्क को भी और मजबूत करेगा ताकि वे उपद्रवियों को रोक सकें।

ड्रैगन का दोगलापन: भारत की सीमा के पास काउंटी बनाने के पीछे मंशा क्या? विदेश मंत्रालय दे चुका है दो-टूक जवाब

बीजिंग, एजेंसी। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के पास स्थिति शिनजियांग में सेनलिंग काउंटी चीन की सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। हालांकि, पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमाओं के साथ-साथ भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के विवादित पश्चिमी क्षेत्र से इसकी निकटता ने माहौल गरमा दिया है। पूरी दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता पर थीं। इसी बीच चीन ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और अफगानिस्तान की सीमा के पास एक नई चाल चल दी है। चीन ने इस सीमा पर अपने शिनजियांग प्रांत में एक तीसरा प्रशासनिक प्रभाग (काउंटी) स्थापित किया है। भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। शिनजियांग प्रांत की यह नई काउंटी चीन को दक्षिण और मध्य एशिया से

जोड़ने वाले महत्वपूर्ण परिवहन मार्गों पर स्थित है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम बीजिंग के सुदूर पश्चिमी सीमावर्ती इलाकों में शासन और सुरक्षा पर केंद्रित होने को दर्शाता है।

चीन के लिए क्यों खास है ये इलाका?: साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सेनलिंग नामक इस नए काउंटी को शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र की सरकार ने 26 मार्च को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी थी। यह काशगर प्रांत के अधिकार क्षेत्र में आएगा। प्राचीन सिल्क रोड पर स्थित एक ऐतिहासिक शहर काशगर, चीन को दक्षिण और मध्य एशिया से जोड़ने वाला एक रणनीतिक प्रवेश द्वार है। यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का शुरुआती बिंदु भी है, जो बेल्ट एंड रोड पहल का एक महत्वपूर्ण घटक है।

भारत ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया चीन की ओर से अफगानिस्तान, अरुणाचल प्रदेश व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की सीमाओं से सटे अपने शिनजियांग प्रांत में प्रशासनिक प्रभाग (काउंटी) स्थापित करने की खबरों के बीच दी है। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के निकट इस इकाई का गठन अफगानिस्तान और पीओके दोनों से नजदीकी के कारण महत्वपूर्ण भूराजनीतिक महत्व रखता है। एक साल से कम में चीन ने तीसरी बार शिनजियांग में नया काउंटी बनाया है। भारत ने पहले भी चीन के समक्ष हेन और हेकांग काउंटी के गठन पर यह कहते हुए औपचारिक आपत्ति जताई थी कि इस भूमि का कुछ हिस्सा लद्दाख का अंग है। हेन काउंटी में अक्साई चिन पठार का बड़ा हिस्सा शामिल है। हालांकि, यह क्षेत्र 1962 के संघर्ष के बाद से चीनी प्रशासन के अधीन है। भारत इसे लद्दाख का अभिन्न अंग मानता है, जिससे यह द्विपक्षीय मतभेद का प्रमुख मुद्दा बना हुआ है।

ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकाबंदी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका द्वारा सोमवार से ईरान के बंदरगाहों को नाकाबंदी करने की घोषणा के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल देखा गया है। शुरुआती कारोबार में रविवार को अमेरिकी क्रूड ऑयल की कीमत आठ प्रतिशत बढ़कर 104.24 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत सात प्रतिशत बढ़कर 102.29 डॉलर प्रति बैरल हो गई। यह घोषणा ऐसे समय में आई है, जब पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतों में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा गया है। फरवरी के अंत में युद्ध शुरू होने से पहले लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर यह कभी-कभी 119 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर चला गया था। शांति वार्ता से पहले शुक्रवार को जून डिलीवरी के लिए ब्रेंट 0.8 प्रतिशत गिरकर 95.20 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया था। ईरान लंबे समय से वैश्विक तेल शिपिंग के लिए महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रभावी नियंत्रण रखता आया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह नाकाबंदी ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों में प्रवेश करने या वहां से निकलने वाले सभी देशों के जहाजों के खिलाफ निष्पक्ष रूप से लागू की जाएगी। हालांकि, यह उन जहाजों को पारगमन की अनुमति देगा, जो गैर-ईरानी बंदरगाहों के बीच यात्रा कर रहे हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि दुनिया के व्यापारिक तेल का लगभग पांचवां हिस्सा हर दिन होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और ईरान जैसे प्रमुख तेल निर्यातक देश इसी मार्ग पर निर्भर हैं। युद्धविराम के बाद के दिनों में भी होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही सीमित रही है। मरीन ट्रैकर्स के अनुसार, युद्धविराम की शुरुआत के बाद से 40 से अधिक वाणिज्यिक जहाजों ने इस मार्ग से आवागमन किया है। अमेरिकी नाकाबंदी की घोषणा के बाद इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों की संख्या और भी प्रभावित होने की आशंका है।

ट्रंप की हाल की धमकियों का कोई असर नहीं पड़ता', संसद अध्यक्ष गालिबाफ का बयान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हाल की धमकियों का ईरानी जनता पर कोई असर नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, ये धमकियां बेअसर हैं और ईरान अपने रुख पर मजबूत रहेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में कुछ प्रगति हो रही है। ईरानी सरकारी मीडिया और अल-जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गालिबाफ ने कहा कि तेहरान ने बातचीत के दौरान 'बहुत अच्छे प्रस्ताव' दिए हैं, जिससे बातचीत आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा, ट्रंप की हाल की धमकियों का ईरानी जनता पर कोई असर नहीं है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति को चेतावनी देते हुए कहा, अगर आप लड़ेंगे तो हम भी लड़ेंगे और अगर आप समझदारी से आएंगे तो हम भी समझदारी से बात करेंगे। उन्होंने आगे कहा, हम किसी भी धमकी के आगे नहीं झुकेंगे। उन्हें हमारी इच्छाशक्ति को फिर से परखने दीजिए, ताकि हम उन्हें बड़ा सबक सिखा सकें। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उन्हें भरोसा है कि ईरान आखिरकार अमेरिका की शर्तें मान लेगा। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान वापस बातचीत की मेज पर आएगा। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि वे हमें सब कुछ दें। ईरान के पास कोई ताकत नहीं बची है। उनके पास कोई बढ़त नहीं है। उन्होंने अपनी हालिया सख्त बयानबाजी का बचाव भी किया और कहा कि यही बातचीत शुरू होने की वजह बनी। ट्रंप ने कहा कि ईरान के 'अमेरिका मुर्दाबाद' जैसे नारे भी लगते हैं, इसलिए कड़ा जवाब जरूरी है।

अराघची का दावा- पाक में शांति वार्ता के बीच पीएम नेतन्याहू ने वेंस को किया फोन! बदल गई प्राथमिकता

तेहरान, एजेंसी। इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही अहम शांति वार्ता अचानक बिना किसी समझौते के खत्म हो गई। इस पूरे घटनाक्रम पर ईरान ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि एक फोन कॉल ने सब कुछ बदल दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने आरोप लगाया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बातचीत के दौरान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को फोन किया, जिसके बाद वार्ता का रुख बदल गया। अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस फोन कॉल के बाद

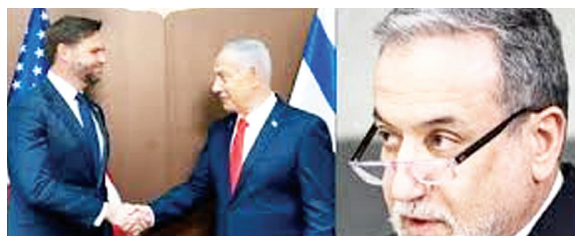

बातचीत का फोकस अमेरिका-ईरान के मुद्दों से हटकर इस्राइल के हितों पर चला गया। उनका कहना है कि ईरान इस बातचीत में पूरी ईमानदारी के साथ शामिल हुआ था, लेकिन अमेरिका ने ऐसे शर्तें रखीं जो स्वीकार करना संभव नहीं था। बताया जा रहा है कि इस्लामाबाद में करीब 21 घंटे तक चली इस बातचीत में अमेरिका ने ईरान के सामने कड़ी शर्तें रखीं। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य से अपने और अपने सहयोगियों के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, साथ ही ईरान के पूरे यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को खत्म करने और उसके मौजूदा यूरेनियम भंडार को सौंपने जैसी मांगें शामिल थीं। ईरान ने इन शर्तों को ठुकरा दिया। इस पूरी स्थिति पर अमेरिका की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है कि वास्तव में बातचीत में क्या पेश किया गया था। वहीं, ईरान का कहना है कि अमेरिका 'बातचीत की मेज पर वही हासिल करना चाहता था जो वह युद्ध में नहीं कर पाया।' अब उस पर भी खतरा मंडराने लगा है। इस युद्धविराम की अवधि खत्म होने में सिर्फ नौ दिन बचे हैं। इस वार्ता के विफल होने का असर अब वैश्विक बाजार पर भी दिखने लगा है। खासकर तेल की कीमतों में फिर से उछाल आने की आशंका है। युद्धविराम के दौरान तेल की कीमतें कुछ कम हुई थीं, लेकिन अब विश्लेषकों का मानना है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं। इसके साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी है। ईरान ने वहां बारूदी सुरंगें, ड्रोन और मिसाइल तैनात कर रखी हैं और हर जहाज से भारी शुल्क की मांग कर रहा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ माना जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अमेरिका के सहयोगी देशों के बीच भी मतभेद उजागर कर दिए हैं। स्पेन और इटली जैसे देशों ने ईरान के खिलाफ किसी सैन्य कार्रवाई में अपनी जमीन या हवाई क्षेत्र देने से मना कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,